राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 पाकिस्तान में अघोषित मार्शल लॉ! इमरान, बुशरा समेत 80.....

व्लादिमिर पुतिन को हिटलिस्ट में टॉप पर रखने के यूक्रेन के दावे पर..... 12

वर्ष : 13 | अंक : 15 | पटना, शनिवार, 27 मई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

आयकर विभाग के फैसले को चुनौती देने वाली गांधी परिवार की याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा की याचिकाएं खारिज कर दीं, जिनमें उन्होंने भगोड़े हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े मामले में आयकर विभाग के मूल्यांकन को सामान्य मूल्यांकन की जगह सेंट्रल सर्किल में स्थानांतरित करने के विभाग के फैसले को चुनौती दी थी। अदालत ने संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, जवाहर भवन ट्रस्ट, राजीव गांधी फाउंडेशन, राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट, यंग इंडियन और आम आदमी पार्टी की वे अलग-अलग याचिकाएं भी खारिज कर दीं, जिनमें समान कानूनी मुद्दे उठाए गए थे। गांधी परिवार ने प्रधान आयुक्त (आयकर) द्वारा जनवरी 2021 में जारी उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें आकलन वर्ष 2018-19 के लिए उनके मामलों को सेंट्रल सर्किल में स्थानांतरित करने की बात कही गई थी। सेंट्रल सर्किल को कर चोरी की जांच तथा इसकी रोकथाम का काम सौंपा गया है। वह तलाशी के दौरान जांच शाखा द्वारा एकत्र किए गए सबूतों को अपने कब्जे में ले लेता है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, याचिकाकताओं के मूल्यांकन को कानून के अनुसार सेंट्रल सर्किल में स्थानांतरित कर दिया गया है। वर्तमान रिट याचिकाएं खारिज की जाती हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने सभी नौ मामलों में दिए गए अपने समान फैसले में कहा, ह्लइस न्यायालय का विचार है कि याचिकाकताओं के आकलन को (आईटी) अधिनियम की धारा 127 के तहत पारित किए गए आक्षेपित आदेशों के माध्यम से कानून के अनुसार केंद्रीय सर्कल में स्थानांतरित कर दिया गया है। तदनुसार, लंबित आवेदनों सहित वर्तमान रिट याचिकाओं को खारिज किया जाता है। पीठ ने कहा, निसंदेह, कोई ह्यजुड़ाव के कारण अपराधी या रिश्तों के कारण अपराधी नहीं हो सकता है, फिर भी रिट याचिकाओं के वर्तमान समूह में, याचिकाकताओं के आकलन को केवल समन्वित जांच और सार्थक मूल्यांकन के उद्देश्य से स्थानांतरित किया गया है।अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने गुण-दोष के आधार पर पक्षों के बीच विवाद की जांच नहीं की है। अदालत ने अपने 44 पन्नों के फैसले में कहा कि सेंट्रल सर्किल का अधिकार क्षेत्र मामलों की तलाशी तक ही सीमित नहीं है और किसी भी करदाता के पास कोई मौलिक या निहित कानूनी अधिकार नहीं है, जिसका मूल्यांकन एक ऐसे मूल्यांकन अधिकारी द्वारा किया जाए जो कभी आपके सामने न आया हो। अदालत ने कहा, सेंट्रल सर्किल का न्यायक्षेत्र सिर्फ उन मामलों तक सीमित नहीं है जहां तलाशी ली गई हो। जहां समन्वित जांच की आवश्यकता होती है वहां गैर तलाशी वाले मामलों में भी सेंट्रल चार्ज को अधिकार प्रदान किया गया है। 25 अप्रैल, 2014 के परिपत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि गैर-तलाशी वाले मामलों को सेंट्रल सर्कल में स्थानांतरित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। गांधी परिवार ने अपने मामले सेंट्रल सर्किल को स्थानांतरित किए जाने का विरोध करते हुए दलील दी थी कि उनका संजय भंडारी समूह के मामलों से कोई लेना-देना नहीं है। धन शोधन के आरोपों में भारत में वांछित भंडारी के प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाद्रा के साथ, लंदन स्थित फ्लैट को लेकर कथित संबंध बताए जाते हैं। वाद्रा ने भंडारी के साथ कोई भी कारोबारी संपर्क होने से इंकार किया है। गांधी परिवार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अरविंद दातार ने कहा कि उनके मामलों को सेंट्रल सर्किल में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता था क्योंकि उनके संबंध में किसी भी तलाशी या जब्ती का कोई सवाल ही नहीं था। आयकर विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल ने याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा था कि स्थानांतरण आदेश बेहतर समन्वय, प्रभावी जांच और सार्थक मूल्यांकनह्व के लिए जारी किए गए थे, जो प्रशासनिक सुविधा और तात्कालिकता को दशार्ता है।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	62,005
चांदी	73,050
सेंसेक्स	62,502
निफ्टी	18,499

संक्षिप्त खबरें

शराब के साथ चार व मोबाइल चोरी में दो गिरफ्तार

पटना सिटी प्रात : किरण संवाददाता

आलमगंज थाना की पुलिस ने विदेशी शराब के साथ मां-बेटा और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही शराब की बरामदगी भी की है। दूसरी ओर चोरी के दो मोबाइल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में आलमगंज थाना के थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि एनएमसीएच से चोरी की दो मोबाइल जब्त किया गया है। साथ ही बंगला कन्हैया टोला का रहने वाले स्व अब्बास के पुत्र मो राजू और कश्मीरी कोठी के मो सद्दाम पिता अब्दुल सत्तार को गिरफ्तार किया गया है। वहीं कोइरी टोला निचली रोड में रहने वाली ममता देवी और उसके बेटे सौरभ को 14 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। इसी थाना क्षेत्र के सकरी गली अल्लाबख्शपुर से मुकेश कुमार और नेहा देवी को भी 19.5 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।

ड्रिप सिंचाई पद्धति को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रयासरत : सर्वजीत

- कृषि मंत्री ने किया प्रति बूंद अधिक फसल विषय पर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन

पटना , प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार हर खेत तक पानी पहुंचाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इस कड़ी में शुक्रवार को कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-प्रति बूंद अधिक फसल विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार के सात निश्चय-2 एवं जल-जीवन-हरियाली अभियान अन्तर्गत सूक्ष्म सिंचाई पद्धति एक महत्वपूर्ण अवयव है, जिसे अपनाने से लगभग 60 प्रतिशत जल की बचत, 25-30 प्रतिशत उर्वरक की खपत में कमी, 30-35 प्रतिशत लागत में कमी तथा 25-35 प्रतिशत अधिक उत्पादन के साथ-साथ बेहतर गुणवत्ता के फसल का उत्पादन होता है। सूक्ष्म सिंचाई अंतर्गत ड्रिप सिंचाई पद्धति यथा ड्रिप, मिनी एवं माईक्रो स्प्रिंकलर के अतिरिक्त पोटेर्बुल स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति का अधिष्ठापन कराया जा रहा है। सरकार द्वारा ड्रिप सिंचाई पद्धति कृषकों की रूचि बढ़ाने के लिए बिहार सरकार द्वारा सभी श्रेणी के किसानों को अतिरिक्त टॉप-अप राशि उपलब्ध कराते हुए 90 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, ड्रिप सिंचाई अधिष्ठापन करने वाले किसानों को टेंज्चिंग पर होने वाले व्यय पर भी शत-प्रतिशत अनुदान की व्यवस्था की गयी है एवं पोटेर्बुल स्प्रिंकलर पर लघु सीमांत किसानों के लिए 55 प्रतिशत एवं अन्य किसान के लिए 45 प्रतिशत अनुदान की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-2 योजना के तहत ड्रिप सिंचाई पद्धति अपनाने वाले न्यूनत्तम पाँच किसानों के समूह द्वारा कम-से-कम 2.5 हे रकवा में यंत्र अधिष्ठापन करने पर लघु एवं सीमांत किसानों को जल-स्रोत के सृजन हेतु 80 प्रतिशत अनुदान (210 फीट गहराई तक) पर सामूहिक नलकूप की व्यवस्था की गयी है। विगत दो वर्षों में कुल 906 समूहों को सामूहिक नलकूप योजना का लाभ दिया जा चुका है। साथ-ही-साथ ड्रिप सिंचाई अपनाने वाले एकल कृषक को भी जल-स्रोत के सृजन हेतु व्यक्तिगत नलकूप के अधिष्ठापन पर अधिकत्तम 40,000 रुपए अनुदान सभी श्रेणी के कृषकों के लिए उपलब्ध है।

श्री कुमार ने कहा कि इस योजना का कार्यान्वयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जा रहा है। किसानों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जाता है एवं प्रखण्ड/जिला के पदाधिकारी निश्चित समय-सीमा में इसका ऑनलाइन सत्यापन करते हैं। किसानों द्वारा चयनित अधिष्ठापन करने वाली कंपनी ऑनलाइन आवेदन एवं कायार्देश प्राप्त करती है। उन्होंने बताया कि ड्रिप सिंचाई के अन्तर्गत विगत 4 वर्षों में सूक्ष्म सिंचाई के तहत आच्छादित भूमि में राज्य में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2022-23 तक लगभग 19,674 एकड़ रकवा में ड्रिप सिंचाई पद्धति से तथा लगभग 2,479 एकड़ रकवा में पोर्टेबल स्प्रिंक्लर पद्धति से भूमि आच्छादित की जा चुकी है। कृषि मंत्री ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए 25,000 एकड़ रकवा को सूक्ष्म सिंचाई से अच्छादित किया जाना है, जिसके लिए किसानों को 4,500 व्यतिगत नलकूप भी दिया जाने का लक्ष्य है। इस योजना का प्रचार-प्रसार हेतु दैनिक समाचार पत्रों, स्थानीय दूरदर्शन, होर्डिंग, स्थानीय रेडियो चैनल एवं व्यापक स्तर पर सूक्ष्म सिंचाई रथ तथा नुक्कड़-नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया है, ताकि अधिक-से-अधिक किसान इस योजना का लाभ ले सकें। इस कार्यशाला में निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार, संयुक्त निदेशक, उद्यान राधा रमण, कृषि विभाग के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारीगण, सूक्ष्म सिंचाई योजना के अग्रणी कृषक सहित सभी सूक्ष्म सिंचाई आधारित निबंधित कंपनी के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बिहार में बनेगा एक्यूप्रेशर एक्ट : समीर महासेठ

एक्यूप्रेशर हमारी चिकित्सा पद्धति : संजय झा

- 32 चिकित्सकों को किया सम्मानित, पुस्तक का भी विमोचन

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

बिहार सरकार एक्यूप्रेशर एक्ट बनाने का काम निश्चित तौर पर करेगी। यह बात उद्योग मंत्री समीर महासेठ ने 30वां राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर एक्यूपंक्चर सम्मेलन के दौरान अधिवेशन भवन में कहीं। इसका आयोजन एक्यूप्रेशर दिवस के अवसर पर बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज, इंडियन काउंसिल ऑफ एक्यूप्रेशर योग एवं स्वास्थ्य जागरुकता मिशन के द्वारा आयोजित किया गया था। वहीं जल संसाधन मंत्री संजय झा ने कहा कि एक्यूप्रेशर हमारी चिकित्सा पद्धति है। इसे घर-घर पहुंचाने का काम बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज के द्वारा किया जा रहा है। पूर्व मंत्री एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मंगल पांडेय ने कहा कि एक्यूप्रेशर का लाभ वह खुद लेते हैं और एक्ट का स्वरूप अपने मंत्रितत्व काल में उन्होंने देने का काम किया है। अपने देश में डॉक्टर सर्वदेव गुप्ता एवं डॉक्टर अजय प्रकाश ने मिलकर बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज के द्वारा लगातार इस पद्धति को बढ़ावा देने वाला काम कर रहे हैं, जो सराहनीय है। केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने इसे 21वीं सदी की पद्धति बताते हुए सरकारी अस्पतालों में भी इसकी सेवा शुरू किए जाने की बात कही। पूर्व मंत्री सह विधायक नंदकिशोर यादव ने भी चिकित्सकों को संबोधित करते हुए चयनित एक्यूप्रेशर चिकित्सकों को सम्मानित भी किए। सम्मेलन में 16 राज्यों बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, दिल्ली आदि राज्यों सहित बंगलादेश, नेपाल के करीब 300 चिकित्सक शामिल हुए। इस दौरान मोटर गोट थ्योरी, प्रॉस्टेट ग्लैंड, डायबिटीज आदि विषयों पर शोध पत्र पेश किया गया। सम्मेलन में 32 चिकित्सकों को सम्मानित भी किया गया। संस्थान के द्वारा प्रकाशित शरीर रचना पुस्तक एवं स्मारिका का विमोचन किया गया। इसके पूर्व एक्यूप्रेशर जनक डॉ चंद्रमा प्रसाद गुप्त के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया। अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर सर्वदेव प्रसाद गुप्त ने बताया कि एक्यूप्रेशर रोग निदान, रोग से बचाव तथा रोग की चिकित्सा सफलतापूर्वक करती है। यह आप सभी के माध्यम से अब अनेक देशों तक पहुंचा है। मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर डॉ श्रीप्रकाश वर्णवाल ने एक्यूप्रेशर सेतु के निर्माण करने एवं सरकारी स्तर पर कार्य करने के लिए बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज स्वास्थ्य जागरुकता मिशन एवं डॉ अजय प्रकाश की प्रशंसा की। स्वागत गान शांभवी प्रकाश ने पेश किया। सम्मेलन में गंगाधर गिरी, परमानंद, श्रुति कुमारी, वीणा प्रकाश, जितेंद्र कुमार, डॉ आशीष, राज किरण आदि का सराहनीय योगदान रहा। मंच का संचालन बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज के डॉ अजय प्रकाश ने किया।

कांग्रेस को भारतीय संस्कृति से इतनी नफरत क्यों : शाह

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर नए संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष के आसन के निकट स्थापित किए जाने वाले रस्मी राजदंड (सेंगोल) के महत्व को कमतर करके चलते समय सहारा देने के काम आने वाली छड़ी बना देने का आरोप लगाया तथा सवाल किया कि उसे भारतीय संस्कृति से इतनी नफरत क्यों है ? नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर सत्तारूढ़ एवं विपक्षी दलों के बीच जारी वाकयुद्ध के बीच शाह ने कहा कि कांग्रेस को अपने व्यवहार पर मनन करने की आवश्यकता है। उन्होंने पार्टी के इस दावे की निंदा की कि राजदंड के 1947 में ब्रिटेन द्वारा भारत को सत्ता सौंपे जाने का प्रतीक होने का कोई उदाहरण नहीं है। शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी भारतीय परंपराओं और संस्कृति से इतनी नफरत क्यों करती है? तमिलनाडु के एक पवित्र शैव मठ ने भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक के तौर पर पंडित (जवाहरलाल) नेहरू को एक पवित्र राजदंड दिया गया था, लेकिन इसे चलते समय सहारा देने वाली छड़ी की तरह बताकर किसी संग्रहालय में भेज दिया गया। उन्होंने कहा, अब कांग्रेस ने एक और शर्मनाक अपमान किया है। पवित्र शैव मठ थिरुवदुथुराई आदिनम ने भारत की स्वतंत्रता के समय राजदंड के महत्व के बारे में स्वयं बताया था। शाह ने कहा, कांग्रेस अब आदिनम के इतिहास को फर्जी बता रही है। कांग्रेस को अपने व्यवहार पर मनन करने की आवश्यकता है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को दावा किया कि इस बात का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है जिससे यह साबित होता हो कि लॉर्ड माउंटबेटन, सी राजगोपालाचारी और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राजदंड (सेंगोल) को ब्रिटिश हुकूमत द्वारा भारत को सत्ता हस्तांतरित किये जाने का प्रतीक बताया हो।

भाजपा ने झूठे वादों पर खड़ी की नौ साल की इमारत: राहुल

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री को महंगाई, नफरत और बेरोजगारी जैसी नाकामियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि भारतीय जनता पार्टी ने झूठे वादों और जनता की दुर्दशा पर नौ साल की इमारत खड़ी है। राहुल गांधी ने कांग्रेस की ओर से सरकार से पूछे गए नौ सवालों की फेहरिस्त साझा करते हुए ट्वीट किया, झूठे वादों और जनता की दुर्दशा पर भाजपा ने खड़ी की 9 साल की इमारत! महंगाई, नफरत और बेरोजगारी प्रधानमंत्री जी, अपनी इन नाकामियों की लीजिए ज़िम्मेदारी! कांग्रेस ने शुक्रवार को महंगाई, बेरोजगारी एवं कुछ अन्य विषयों पर उससे नौ सवाल पूछे और कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने वादों को पूरा नहीं करके देश के साथ जो विश्वासघात किया है, उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने नौ साल, नौ सवाल शीर्षक से एक पुस्तिका भी जारी की और कहा कि 26 मई को प्रधानमंत्री मोदी को माफी दिवस के रूप मनाना चाहिए।

जून में मॉनसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल बारिश के पूरे मौसम में सामान्य मॉनसून रहने का पूवानुर्मान व्यक्त करते हुए कहा है कि जून में देश में सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है। आईएमडी के पर्यावरण निगरानी और अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) के प्रमुख डी शिवानंद पई ने कहा, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिम भारत, सुदूर उत्तर भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों को छोड़कर देश के अधिकतर हिस्सों में जून में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अल नीनो की शुरूआत के बावजूद इस मौसम में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सामान्य रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के गर्म होने के कारण अल नीनो की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने कहा कि देश के ज्यादातर वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों वाले मॉनसून कोर जोन में मौसमी वर्षा सामान्य रहने का अनुमान है जिसका लंबी अवधि का औसत (एलपीए) 94 से 106 प्रतिशत रह सकता है।

मिशन परिवर्तन में दिखेगा एक माह मे सुधार

प्रधान सचिव ने किया एनएमसीएच का निरीक्षण, दिया निर्देश

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत निरीक्षण के लिए पहुंचे। इस दौरान अस्पताल के इमरजेंसी, मेडिसिन, गायनी, ऑर्थो और निश्चेतना विभाग के साथ एमसीएच भवन और खाद्य प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन विभाग के स्वास्थ्य प्रबंधक श्याम किशोर से यहां की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। इसके बाद किए गए कार्य की सराहना की। प्रधान सचिव ने कहा कि मिशन परिवर्तन के तहत एक माह के अंदर बदलाव देखने को मिलेगा। आई बैंक जल्द ही काम करना शुरू करेगा। मिशन परिवर्तन में चार जुलाई तक कार्य पूर्ण हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान मेडिसिन विभाग को शिफ्ट करने का निर्देश भी दिया गया। निरीक्षण में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के साथ अस्पताल अधीक्षक डॉ राजीव रंजन, उपाधीक्षक डॉ अजय कुमार सिन्हा, चिकित्सक समेत अन्य शामिल थे।

उद्घाटन तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने 18 जनवरी, 1927 को किया था पुराने संसद भवन का उद्घाटन.....

कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम का साक्षी है पुराना ऐतिहासिक संसद भवन

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। वास्तुकला का अप्रतिम उदाहरण, करीब एक सदी तक भारत की नियति को दिशा देने के प्रतीक और अब इतिहास के पन्नों में दर्ज होने जा रहे ऐतिहासिक पुराने संसद भवन का उद्घाटन तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने 18 जनवरी, 1927 को किया था जिसके बाद से यह इमारत कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम की साक्षी बनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे और उसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे, तो उसी के साथ पुराना संसद भवन भी देश की पवित्र विधानपालिका के स्थान के रूप में अपना 96 साल पुराना दर्जा नए भवन को सौंप देगा। भारत के लोकतंत्र के मंदिर के तौर पर पूजा जाने वाला पुराना संसद भवन बीते करीब साढ़े नौ दशक में ब्रिटेन के साम्राज्यवादी शासन का साक्षी बना और उसके कक्षों ने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे क्रांतिकारियों भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त द्वारा फेंके गए बम के धमाकों की गूंज सुनी। इस इमारत ने देश में आजादी का सवेरा होते देखा और इसे 15 अगस्त 1974 को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ऐतिहासिक ट्राइस्ट विद डेस्टिनी (नियति से साक्षात्कार) भाषण की गवाह बनने का भी सौभाग्य मिला। पहली मंजिल पर लाल बलुआ पत्थर के 144 स्तंभ वाला गोलाकार पुराना संसद भवन वास्तुकला का शानदार नमूना है। पुरानी इमारत का उस समय बहुत धूमधाम से उद्घाटन किया गया था जब ब्रितानी राज की नई शाही राजधानी झ नई दिल्ली झ का रायसीना हिल क्षेत्र में निर्माण किया जा रहा था। अभिलेखीय दस्तावेजों और दुर्लभ पुरानी तस्वीरों के अनुसार, इस भव्य इमारत के उद्घाटन के लिए 18 जनवरी, 1927 को एक भव्य आयोजन किया गया था। उस समय इसे काउंसिल हाउस के रूप में जाना जाता था। एक सदी पहले, जब राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया अभी जारी थी और आजादी 26 साल दूर थी, तब ब्रिटेन के ड्यूक ऑफ कनॉट ने 12 फरवरी, 1921 को संसद भवन की आधारशिला रखी थी और कहा था कि यह भवन भारत के पुनर्जन्म के प्रतीक के रूप में खड़ा रहेगा, जिसमें देश और भी ऊंची नियति हासिल करेगा। कुल 560 फुट के व्यास और एक-तिहाई मील की परिधि वाली इस इमारत को सर हर्बर्ट बेकर ने डिजाइन किया था, जिन्हें सर एडविन लुटियंस के साथ रायसीना हिल क्षेत्र में नई शाही राजधानी को डिजाइन करने के लिए चुना गया था। न्यू डेल्ही : मेकिंग ऑफ ए कैपिटल पुस्तक के अनुसार, लॉर्ड इरविन अपनी गाड़ी में ग्रेट प्लेस (अब विजय चौक) पहुंचे थे और फिर उन्होंने सर हर्बर्ट बेकर द्वारा उन्हें सौंपी गई सुनहरी चाबी से काउंसिल हाउस का दरवाजा खोला था। उस समय घरेलू और विदेशी मीडिया में संसद भवन के उद्घाटन ने उसी तरह खूब सुर्खियां बटोरी थीं, जिस तरह इन दिनों नए संसद भवन की उद्घाटन से पहले मीडिया में खूब चर्चा है। बहरहाल, नए परिसर का उद्घाटन समारोह विवादों में घिर गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2020 में इसकी आधारशिला रखी थी। देश के 20 विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार का फैसला किया है और कहा है कि उन्हें नई इमारत का ऐसे समय में कोई औचित्य नजर नहीं आता, जब लोकतंत्र की आत्मा को ही निकाल दिया गया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने देश की संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं। नए परिसर में भारत की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य संविधान कक्ष, सांसदों के लिए एक कक्ष, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और वाहन खड़े करने के लिए पर्याप्त स्थान होगा। पुराने भवन में हुआ संसद का आखिरी सत्र अप्रैल में समाप्त हुआ बजट सत्र था। पुराना संसद भवन इतिहास की कई अहम घटनाओं का साक्षी रहा है। इसने कई बौद्धिक बहस होती देखीं, तो दूसरी ओर यह अत्यंत शोरगुल एवं हंगामे के बीच हुई बहस का भी गवाह बना। इस संसद भवन ने कई ऐतिहासिक एवं कई विवादित विधेयकों को पारित होते देखा। पुराने संसद भवन की यात्रा ब्रिटेन के तत्कालीन महाराजा किंग जॉर्ज पंचम के शासन के तहत निर्मित भारत की नई राजधानी की यात्रा भी है, जिसे उन्होंने इस भवन के उद्घाटन से एक महीने पहले 1926 में नई दिल्ली नाम दिया था।

लुटियंस और बेकर ने नई शाही राजधानी को आकार दिया, जिसमें वायसराय हाउस (अब राष्ट्रपति भवन) का निर्माण किया गया और नॉर्थ ब्लॉक एवं ह्यसाउथ ब्लॉक को नई दिल्ली का केंद्र बनाया गया। लॉर्ड इरविन ने 1927 में पुराने संसद भवन का उद्घाटन किया था। सेंट्रल विस्टा के पुनर्विकास के तहत निर्मित नए संसद भवन के उद्घाटन के साथ ही भारत एक नए अध्याय की शुरूआत करेगा।

नया पासपोर्ट जारी करने के लिए राहुल के एनओसी आवेदन को मंजूरी

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में नया साधारण पासपोर्ट जारी करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) आवेदन को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने संबंधित मामले की सुनवाई के बाद तीन साल के लिए नया साधारण पासपोर्ट जारी करने के लिए श्री गांधी के आवेदन को मंजूरी दे दी। नेशनल हेराल्ड मामले में श्री गांधी के खिलाफ याचिका दायर करने वाले पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने उनके आवेदन का यह कहते हुए विरोध किया कि पासपोर्ट जारी करने का कोई वैध कारण है। स्वामी के वकील ने तर्क दिया कि पासपोर्ट जारी करने के लिए आवेदन योग्यतारहित है। गौरतलब है कि गत 26 मार्च को सूरत की अदालत की ओर से मानहानि मामले में दोषी ठहराये जाने के बाद संसद सदस्य रूप में अयोग्य होने के कारण श्री गांधी ने अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

स्टेशन के पोर्टिको के पास से शव बरामद

दानापुर। खगौल लावारिस अवस्था में एक सव को स्टेशन के पोर्टिको के पास से बरामद किया गया जीआरपी थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताएं कि प्रथम दृष्टया से यह मालूम पड़ता है कि भिखारी उम्र 45 वर्ष भीख मांगने वाला व्यक्ति मालूम पड़ता है जब इसकी मेडिकल जांच की गई तब पता चला यह व्यक्ति स्वाभाविक मृत्यु हुआ है सव को पोस्टमार्टम कराने के बाद सुरक्षित रख दिया गया है।

फतुहा दक्षिणी मंडल कार्यसमिति बैठक संपन्न

फतुहा। प्रखंड के मसाढ़ी गांव में शुक्रवार को फतुहा दक्षिणी मंडल भाजपा की मंडल कार्यसमिति की बैठक अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह के अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि फतुहा विधानसभा प्रभारी कुंवर विजय पासवान, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामजी सिंह, दक्षिणी मंडल प्रभारी राजु कुमार मुन्ना, जिला महामंत्री अरविंद यादव, किसान मोर्चा के शत्रुधन सिन्हा, भाजपा नेता मुन्ना सिंह, जिला प्रवक्ता छोटू सिंह, फतुहा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने केन्द्र सरकार के 9 वर्ष पूरा होने पर अगामी 30 मई से 30 जून तक होने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा किया और केन्द्र सरकार की योजनाओं को जन -जन तक पहुचानें का आह्वान कार्यकताओं से किया। बैठक में भाजपा नेता पूर्व मुखिया अरविंद सिंह, पूर्व मुखिया अनिल कुमार, टुन्ना सिंह, विक्की सिंह, सुदेश सिंह, विश्वजीत कुमार सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हवन-पूजन के बाद हुआ भंडारा

पटना सिटी (प्राकि)। श्री महावीर स्थान रामजानकी मंदिर, गायघाट दक्षिणी गली में श्री रामजानकी दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हो गया। इसके बाद आयोजित रामचरित मानस पाठ की पूणार्हुति शुक्रवार को हो गया। इसके बाद आचार्य विद्या भूषण पांडेय ने हवन पूजन का अनुष्ठान संपन्न कराया। इसके बाद आयोजित भंडारा में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में संयोजक रुपेश कुमार मंटू, डॉविकास वैभव, गोविंद यादव, पंकज कुमार, गोपाल प्रसाद शर्मा, विजय कुमार, प्रशांत कुमार, सृजल शैल, मोहित शर्मा, विकास कुमार, शिवशंकर पांडेय, डॉ उर्वशी, मीनू, नीता देवी, रजनी गुप्ता, जूली देवी, पिंकी कुमारी, चंचला कुमारी, विनीता देवी, संजू कुमारी, अमृता कुमारी आदि शामिल थे। आयोजन में महापौर सीता साहू और पार्षद किरण मेहता आदि शामिल हुईं।

युवक ने किया सुसाइड, पुलिस कर रही छानबीन

पटना सिटी। आलमगंज थाना क्षेत्र के गुड़ की मंडी अरफाबाद कॉलोनी निवासी युवक ने दुपट्टा की मदद से फांसी लगा अपनी इहलीला समाप्त कर ली। गौरीशंकर यादव के 35 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार ने पंखा के हूक से दुपट्टा की मदद से फंदा बना झूल कर जान दे दिया। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कालेज भेजा। यहां शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि सुसाइड का कारण स्पष्ट नहीं है। परिवार ने अभी तक लिखित नहीं दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मृतक आशीष चंडीगढ़ महालेखाकार में सहायक ऑडिटर के पद पर कार्यरत था। मृतक के भाई अश्विन ने बताया आशीष का पत्नी से झगड़ा चल रहा था।

एमएस सोनू व रणवीर सिंह ने चुनाव प्राधिकार को सौंपा पत्र

पटना सिटी। बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार के निर्देशन में तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रबंधक कमेटी ने अधिवक्ता गुरमीत सिंह को चुनाव अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। मगर चुनाव पदाधिकारी बनाए जाने को लेकर तख्तश्री कमेटी ने चुनाव प्राधिकार से स्वीकृति लेना भी पदाधिकारियों ने उचित नहीं समझा। बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार के सचिव पुरुषोत्तम पासवान को सौंपे गए पत्र में तख्त श्री कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष महाराजा सिंह सोनू एवं रणवीर सिंह ने कहा कि हम यह भी सूचित करना चाहते हैं कि कुछ दिन पहले पूर्व महासचिव सरजिंदर सिंह और कनीय उपाध्यक्ष गुरुबिंदर सिंह क्रमशः हलका (निर्वाचन क्षेत्र) नंबर एक और हलका नंबर 3 से चुनाव के संभावित उम्मीदवार हैं। यह दोनों रविंदर सिंह (नीटू जी) के साथ आवंटित कमरे में दाखिल हुए।

बच्चियों को शिक्षित करना समय की मांग : बलराम

महिला चरखा समिति कन्या उवि के दशम बोर्ड उत्तीण छात्राओं को किया सम्मानित

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

महिला चरखा समिति कन्या उच्च विद्यालय, मोगलपुरा के प्रांगण में विद्यालय के उन छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिन्होंने बिहार बोर्ड की दसवीं परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर अपने विद्यालय एवं वार्ड का नाम रौशन किया है। इसके साथ ही, वैसे खिलाड़ियों को भी ट्रैक सूट देकर पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर बिहार राज्य को गौरवान्वित किया है। मौके पर खेल प्रशिक्षक नवीन कुमार को भी अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। अपने उद्गार व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्या कनकलता सिन्हा ने कहा कि उनका विद्यालय बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसकी बानगी है कि यहां के बालिकाओं ने मैट्रिक परीक्षा में रिकॉर्ड सफलता अपने नाम की है। सम्मान समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षाविद् विजय कुमार सिंह, वार्ड 60 की पार्षद शोभा देवी, वार्ड 57 की पार्षद गायत्री गुप्ता, पूर्व पार्षद बलराम चौधरी, देवरत्न प्रसाद, विद्यालय की प्रधानाचार्या कनकलता सिन्हा, समाजसेवी मो जावेद, गुलाम सरवर आजाद, संजय अलबेला, कृष्ण नारायण शुक्ला, साबिर अली, राजू गुप्ता आदि ने दीप जला कर किया। इस अवसर पर मध्य विद्यालय की प्रधानाध्यापिका महलका, ओझा सर, शिक्षक विनय कुमार सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाए उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र में विद्यालय की छात्राओं के द्वारा भावपूर्ण स्वागत गान की प्रस्तुति की गई। अतिथियों का अभिवादन एवं स्वागत स्थानीय पार्षद शोभा देवी ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया। सम्मानित होने वाली 30 छात्राओं में कुमारी सिमरन, कुमारी खुशी, कुमारी प्रीति, कुमारी नाज परवीन, मुस्कान कुमारी, कोमल कुमारी, सोनम कुमारी, आकृति कुमारी, प्रिया कुमारी आदि प्रमुख रहीं। राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों में सानिया परवीन, सिमरन परवीन, खुशी, अंजली सिंह, कोमल कुमारी, सतीश चौधरी, अनुज कुमार, अमित एवं अंशु आदि प्रमुख रहे। पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने कहा कि लड़कियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे आने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने लोगों से इसके लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की टॉपर बिहार की लाडली बेटियां इशिता किशोर एवं गरिमा लोहिया की सराहना की तथा उन्हें राज्य की गौरव-गरिमा का प्रतीक बताया। सभा का समापन विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कनकलता सिन्हा के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। संचालन कौशल किशोर ने किया।

पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधा रोपण

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को हाई स्कूल के प्रांगण में "मेरी जिंदगी, मेरा स्वच्छ शहर" के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कहकशा नाज पर्यावरण पदाधिकारी

नगर परिषद फतुहा और पंकज के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में कहकशां नाज ने बताया कि अभियान का प्राथमिक उद्देश्य शहरी भारत में 3 आर मंत्र (रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल) को अपनाने को बढ़ावा देना है। मेरी छत्रष्ट, मेरा स्वच्छ शहरह्व अभियान का व्यापक लक्ष्य शहरी क्षेत्रों में स्थिरता और अपशिष्ट प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देना है। नागरिकों को संग्रह अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने और आरआरआर केंद्रों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके, अभियान अपशिष्ट उत्पादन को कम करने, संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देने और स्वच्छ और हरित पर्यावरण में योगदान करने का प्रयास करता है। वहीं विद्यालय के प्राचार्य सुभाष चन्द्र ने बताया कि आधुनिकता के दौर में हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है पर्यावरण है तो ही हम हैं। वहीं बच्चों ने कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण पर चित्रकला बनाकर प्रस्तुत किया। मौके पर एएनओ सुशील कुमार साहिल, अरविंद कुमार सिंह, बबिता गुप्ता, अर्चना कुमारी, अंगुली बेगम, अजीत कुमार, रविन्द्र कुमार, मो. इरशाद अली सहित कई लोग मौजूद रहे।

धरती पर श्री राम व कृष्ण अवतारी, करें ध्यान : सुरेश दास

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

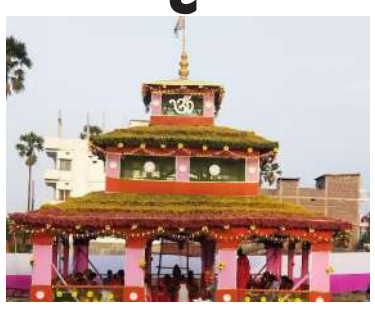

श्रीमद् भागवत कथा लोगों को आपस में जोड़ता है। यह बात वाराणसी से पधारे पं सुरेश दास जी महाराज ने बाहरी रानीपुर में आयोजित श्री 1008 रुद्र चंडी महायज्ञ के अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के सार को समझाते हुए कही। उन्होंने कहा कि रामचरित मानस में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का संयोग का वर्णन है। वहीं श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण के योग का वर्णन है। एक बार नारद मुनि ने भगवान शंकर से कैलाश पर्वत पर बैठ कर किसका ध्यान लगाने की बात पूछी और यह भी पूछा कि ध्यान तो अपने से बड़ों का किया जाता है और आप देवों के देव महादेव हैं। तो फिर यह ध्यान किसका? इस पर उन्होंने बताया कि यह ध्यान संयोग और योग करता हूं। जो पृथ्वी पर भगवान विष्णु के राम और कृष्ण के रूप में अवतारी हैं। यज्ञ स्थल पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की अधिक भागीदारी को देखते हुए दो पालियों में फेरी सुबह 8 से 12 बजे तक और अपराह्न में फेरी तीन से छह बजे तक की व्यवस्था की गई है। शाम सात से रात 10 बजे तक प्रवचन का कार्यक्रम चलता है।

आयोजन की सफलता में

पूर्व पार्षद अवधेश कुमार सिन्हा, राकेश कुमार शर्मा, रजनीश कुमार राय, शंभू पासवान, विमलेश यादव, सुजीत यादव, भीम यादव, मुन्ना पुजारी सक्रिय थे।

श्री साईं बाबा की तीन दिनों की पूजा भंडारा के साथ समाप्त

अनेक हस्तियों ने आकर किया दर्शन-पूजन, भजन भी हुआ

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्री शिव साई मंदिर, लोदीकटरा के नित्यानंद का कुआं स्थित साई मंदिर में साई बाबा का 11वां तीन दिवसीय वार्षिक समारोह का समापन भंडारा के आयोजन के साथ संपन्न हुआ। शुक्रवार को प्रातः साई बाबा का जलाभिषेक एवं विधि विधान से पुजारी अजय कुमार के द्वारा पूजन किया गया। इस अवसर पर विधायक नंदकिशोर यादव, महापौर श्रीमती सीता साहू तथा उप महापौर रेशमी चंद्रवंशी ने साई मंदिर पहुंच कर साई बाबा की आदमकद मूर्ति के समक्ष नतमस्तक हो पूजा अर्चना की। इसके बाद उनकी आरती उतारी। मंदिर कमेटी द्वारा अंग वस्त्र देकर उन सबों को सम्मानित किया गया। इस भंडारा में हजारों की संख्या में महिला-पुरुष साईं भक्तों ने कतारबद्ध होकर भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। लगातार साईं बाबा की जयकारे की जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं प्रशासन की सहभागिता भी सराहनीय रही। भंडारा को सफल बनाने में मोहल्ला के नवयुवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री शिव साईं मंदिर कमेटी के अध्यक्ष मदन कुमार तथा समारोह के अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा, महासचिव ओंकार आनंद, संतोष विद्रोही, लक्ष्मण ठाकुर, सुजीत कुमार, अमन जयसवाल, विकास कुमार, राहुल कुमार, अमित कुमार, आयुष आनंद ,सुमित कुमार, उमाशंकर मुन्ना, उपेंद्र कुमार सिन्हा, विनोद यादव, मनोज कुमार सिन्हा रिंकू, मोहित कुमार, राजा पटवा, गुड्डू कुमार, शंकर जायसवाल, अमर गुड्डू, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रिंकी सोनी, सचिव पुतुल सिंह, गुड़िया जायसवाल, प्रेमलता, चंदा देवी, सुषमा देवी, प्रतिमा देवी, छाया जायसवाल, रीना देवी, विभा देवी, सरोज देवी, गुड्डी देवी, नेहा रानी, आयुषी आनंद, सरिता देवी, मनीभा देवी, शोभा देवी, वीणा देवी, पूनम सिंह, अंजली देवी, प्रियंका सिंह, प्रिया वर्मा आदि का सहयोग समारोह को सफल बनाने में सराहनीय रहा।

नाईट ब्लड सर्वे व एमडीए कार्यक्रम में फाइलेरिया नेटवर्क समूह के सदस्यों की भूमिका अहम : डॉ सुभाष चंद्र प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। फाइलेरिया उन्मूलन के लिए वर्ष 2027 तक का लक्ष्य निर्धारित है। उन्मूलन अभियान में सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए) सबसे सशक्त जरिया है। इसमें सभी की सहभागिता ही अभियान की सफलता सुनिश्चित कर सकती है। फाइलेरिया नेटवर्क समूह के सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है कि संचालित होने वाले सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को बताएं और इसकी महत्ता के बारे में सभी को जागरूक करें। नेटवर्क समूह के सदस्य फाइलेरिया के दंश के बारे में अपने अनुभव लोगों से साझा करें और सभी को अभियान के दौरान दवा खाने केलिए प्रेरित करेंह्व, उक्त बातें जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ। सुभाष चंद्र प्रसाद ने फाइलेरिया नेटवर्क समूह के सदस्यों के लिए आयोजित उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान कही। फुलवारीशरीफ प्रखंड के हसनपुरा गाँव स्थित प्राथमिक विद्यालय में कार्यशाला में फुल्वारीशारिफ प्रखंड के फाइलेरिया नेटवर्क समूह के सदस्यों ने भाग लिया और अपने अनुभवों को साझा किया। सामने खिलाई जानी है फाइलेरिया की दवाः डॉ। सुभाष चंद्र प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के दौरान टीमें अपने सामने लक्षित आबादी को दवा खिलायेगी। इसमें आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्यकर्मियों के साथ फाइलेरिया नेटवर्क समूह के सदस्यों की भूमिका भी अहम् होगी। नेटवर्क समूह के सदस्य नाईट ब्लड सर्वे के दौरान सभी लोगों को अपना रक्त के सैंपल देने के लिए प्रेरित करें और विभाग का सहयोग करें। एमडीए कार्यक्रम के दौरान नेटवर्क समूह के सदस्यों को मिशन मोड में काम करने की जरुरत है ताकि अभियान का लक्षित उद्देश्य पूरा हो सके।

कार्यशाला के दौरान ग्राम शाहपुर के वार्ड संख्या-1 की वार्ड मेंबर अनीता देवी ने फाइलेरिया से अपने अनुभवों को सभी से साझा करते हुए सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम के दौरान नेटवर्क समुंह के सदस्यों की सहभागिता पर जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी से सवाल पूछे और बताया कि फाइलेरिया से उनकी जंग ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है और वह अपने स्तर से अभियान को सफल बनाने में सहयोग सुनिश्चित करेंगी।

निभाएंगे अपनी जिम्मेदारी: लक्ष्मी नेटवर्क समूह के सदस्य रविंद्र यादव ने बताया कि वह काफी समय से हाइड्रोसिल से ग्रसित हैं और जानते हैं कि इससे क्या परेशानी होती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील किया कि एमडीए कार्यक्रम में अपना पूरा सहयोग कर अभियान को सफल बनाने में मदद करें। वहीँ लक्ष्मी नेटवर्क समूह के सदस्य पटेल पंडित ने कहा कि वह हमेशा लोगों को फाइलेरिया के बारे में जागरूक करते हैं और अभियान के दौरान लोगों को पूरे परिवार के साथ दवा सेवन करने के लिए जागरूक करेंगे। विदित हो कि आगामी 10 अगस्त से पटना सहित राज्य के 14 जिलों में एमडीए कार्यक्रम संचालित किया जाना है। इसके पूरे चयनित जिलों में प्रखंड स्तर पर नाईट ब्लड सर्वे कराया जायेगा जिससे फाइलेरिया के माइक्रो दर का पता लगाया जा सके। कार्यशाला के दौरान वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी पंकज कुमार, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण सलाहकार कल्याणी कुमारी, केयर इंडिया से अमर कुमार, सीफार से रणजीत कुमार, नवनीत सिन्हा, किशोर केशव सहित कई लोगों ने शिरकत की। कार्यशाला का संचालन सीफार की नेहा कुमारी ने किया।

राजू गुप्ता पर जानलेवा हमला करने वालों की हो गिरफ्तारी

पटना। अखिल भारतीय शिक्षा मंच के प्रदेश अध्यक्ष तथा सामाजिक कार्यकर्ता आलोक आजाद ने जदयू के प्रदेश महासचिव, उधोगपति, बिहार राइस मिल आनर्स एसोशिएशन के अध्यक्ष सह राष्ट्रीय संयोजक अइफ्रष्ट चुनाव समिति राजू गुप्ता से उनके पटना स्थित आवास पर मिलकर उनके उपर 24 मई को रात्रि में सासाराम से पटना आने के क्रम में रोहतास जिला अंतर्गत अकोढ़ीगोला स्थित जोरावरपुरा बांक फार्म के समीप जानलेवा हमले की जानकारी प्राप्त कर उनको हिम्मत प्रदान करते हुए कहें की संपूर्ण बिहार के युवाओं में राजू गुप्ता की हत्या के प्रयास को लेकर नाराजगी है।

उन्होंने कहा की बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उन्होंने पत्र लिखकर राजू गुप्ता पर जानलेवा हमले के 48 घंटा बीतने के बावजूद अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए अविलंब गिरफ्तारी तथा पर्याप्त सुरक्षा देने की मांग की है।

आलोक आजाद ने बताया कि 24 दिसंबर को रात्रि में सासाराम से डेहरी आने के क्रम में जोरावरपुरा बांक फार्म के समीप तीन हथियारबंद अपराधियों ने राजू गुप्ता की गाड़ी को रोककर इनकी हत्या का प्रयास किया। इस दौरान ड्राइवर की सुझबुझ के कारण जदयू प्रदेश महासचिव की जान बच सकी। इसके बाद अपराधियों द्वारा राजू गुप्ता की गाड़ी का पीछा भी किया गया था। लेकिन ड्राइवर गाड़ी लेकर भागने में सफल रहा।जिसके कारण राजू गुप्ता की जान किसी तरह बच सकी।जिसकी सूचना रोहतास जिला अंतर्गत अकोढ़ीगोला थाना को देकर मामला दर्ज करवाया जा चुका है। इसके पूर्व में भी राजू गुप्ता को अपराधियों द्वारा धमकी दिया जा चुका है।जिसकी सूचना समय समय पर राजू गुप्ता के द्वारा दिया गया है। लेकिन अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं किया जाना कहीं न कहीं इनके साथ बड़ी घटना होने की संभावना बन रही है। राजू गुप्ता वैश्य समाज के राष्ट्रीय नेता तथा बड़े उधोगपति भी है जिसके कारण उनको बिहार के विभिन्न जिलों में लगातार दौरा करना पड़ता है तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल भी होना पड़ता है।इस दौरान इनपर हमले की आशंका भी बनी रहेगी।

आलोक आजाद ने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री से राजू गुप्ता जी पर हुए जानलेवा हमले की अविलंब सी आई डी जांच करवाते हुए उनको पर्याप्त सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग की है ताकी उनकी जान बच सके।

केंद्र सरकार की उपलब्धि से जनता को कराएंगे अवगत

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार के 15 साल पूरा होने के उपलक्ष्य में चौक मंडल में कार्यकताओं की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा नौ वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण कार्य और उपलब्धियों को 'सेवा किया है सेवा करेंगे' के नारों के बीच जनता के बीच बताने का निर्णय लिया गया। घर-घर जाकर लोगों को नरेंद्र मोदी की सरकार के द्वारा किए गए विकासात्मक कार्य से अवगत कराएंगे। साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं को बता कर मिलने वाले लाभ भी जनता को दिलाने का काम किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवल किशोर सिन्हा ने की। मौके पर अमित कनोडिया, प्रदीप काश, सरोज जायसवाल, विनय केसरी, सत्येंद्र कुमार, मनोज यादव, सुनीता गुप्ता, राणा साधना आदि उपस्थित थे।

तैलिक समाज की एकजुटता से मिलेगी सत्ता में भागीदारी : रणविजय साहू

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। शहर में गोविन्दपुर स्थित हॉल में शुक्रवार को फतुहा तैलिक साहु सभा की ओर से मोरवा के विधायक और बिहार तैलिक साहु समाज के निवर्तमान अध्यक्ष रणविजय साहु का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। विधायक रणविजय साहु के फतुहा पहुंचने पर बबलू कुमार साह एवं अन्य साहु समाज के लोगों द्वारा फोरलेन धर्मकांटा के पास भव्य स्वागत किया गया।

उसके बाद फोरलेन से गोविंदपुर कार्यक्रम स्थल तक विधायक रणविजय साहु का काफिला बाइक जूलूस के साथ पहुंचा। जहां तैलिक साहु समाज के लोगों ने विधायक रणविजय साहु का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बबलू कुमार साह ने किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन जयदेव कुमार आर्य ने किया। कार्यक्रम में विधायक रणविजय साहु ने कहा कि पहले तेली समाज को अछूत जैसा समझा जाता था, लेकिन समाज एकजुट होता गया, धारणाएं बदलती गई। हम सबको एकजुट हो सरकार से अन्य सभी सरकारी लाभ लेना है। कार्यक्रम को सुरेश साव, मनोज कुमार साह, सिद्धनाथ प्रसाद सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया। मौके पर मुनेश्वर प्रसाद, संजय कुमार, राजेश कुमार, रविन्द्र कुमार टोनी, श्रवण कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सहयोगियों के साथ जदयू में शामिल हुई सुषमा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी। जनता दल यूनाइटेड पटना महानगर गायघाट सेक्टर के अध्यक्ष मुकेश कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। इसमें पटना महानगर जदयू के अध्यक्ष आसिफ कमाल के द्वारा गायघाट सेक्टर वार्ड 54 निवासी पूर्व पार्षद प्रत्याशी सुषमा देवी को जदयू में शामिल कराया। सुषमा अपने साथियों के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विचारों से प्रभावित होकर जदयू की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी में शामिल हुई। मौके पर हर्ष कुमार, शिवम कुमार के साथ अनेक समाजसेवी जदयू की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी में शामिल हुए। मौके पर सेक्टर अध्यक्ष मुकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथ को मजबूत करने एवं उनके द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य लगातार जदयू पटना महानगर के द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर जदयू पटना महानगर उपाध्यक्ष संजय राज, महासचिव रामप्रवेश सिंह के अलावा अनेक लोग गणमान्य साथी मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण को आगे आए जनता: डिप्टी कमांडर

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर। खगौल नगर के शुक्रवार को महिला कॉलेज खगौल में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में प्राचार्या डॉ उषा विद्यार्थी की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएसबी बटालियन के डिप्टी कमांडर शशि प्रकाश उपस्थित होकर कार्यक्रम में छात्राओं को पर्यावरण की सुरक्षा संबंधी बातों पर चर्चा की एवं उसके संरक्षण संबंधी उपाय बताए गए। महिला कॉलेज खगौल की प्राचार्या डॉ उषा विद्यार्थी के द्वारा मुख्य अतिथि डिप्टी कमांडेंट शशि प्रकाश का अभिनंदन किया एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला तत्पश्चात मुख्य अतिथि के द्वारा छात्राओं को किस तरह से पर्यावरण को सुरक्षित रखा जाए एवं प्रकृति और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए जागरूक किया इस कार्यक्रम मैं मंच संचालन का कार्य मधुश्री ने किया एवं उदय राज उदय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया इस कार्यक्रम में महिला कॉलेज खगौल के सभी शिक्षक बुलबुली कानू अरुण कुमार सुमन कुमारी खुशबू फातमा उर्मिला ठाकुर प्रियंका एवं दिलीप कुमार एवं शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित रहे।

राज्य अभिलेखागार निदेशालय द्वारा वेब आधारित एक दिवसीय संगोष्ठी में बोलें व्याख्याता

प्राचीन भारत की शैक्षणिक व्यवस्था को जानने के लिए विदेशी यात्रियों का अध्ययन करना जरूरी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मंत्रिमंडल सचिवालय विभागान्तर्गत बिहार राज्य अभिलेखागार निदेशालय द्वारा शुक्रवार को वेब आधारित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था-विदेशी यात्रियों के यात्रा वृतांत के आधार पर प्राचीन भारत की शैक्षणिक व्यवस्था का अवलोकन। कार्यक्रम की शुरूआत बिहार राज्य अभिलेखागार निदेशालय के सहायक अभिलेख निदेशक उदय कुमार ठाकुर के स्वागत भाषण से हुई। प्रो. डॉ. विजया लक्ष्मी सिंह, आचार्य, इतिहास विभाग, दिल्ली विष्वविद्यालय, दिल्ली ने अपने व्याख्यान में ह्वेगंसांग एवं फाहियान के यात्रा के वृतांतों के आधार पर प्राचीन भारत में शैक्षणिक व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला आदि अनेक शिक्षा के महत्वपूर्ण केन्द्र थे, जहां पर देश-विदेश के विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते थे। शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण एवं छात्रों को आगामी जीवन के लिए तैयार करना था। उन्होंने बताया कि नालंदा विश्वविद्यालय के बारे में हमें ह्वेगंसांग के यात्रा वृतांत से काफी जानकारी मिलती है। उस समय के शासक मठों को भूमि एवं धन दान में देते थे तथा शिक्षा का सारा प्रबंध शासकों द्वारा किया जाता था। प्रो. डॉ. एसएन आर्य पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग व पूर्व संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय, पाटलिपुत्र विष्वविद्यालय ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्राचीन भारत की शैक्षणिक व्यवस्था जानने के लिए हमें चीनी एवं तिब्बती यात्रियों के यात्रा वृतांत के साथ ग्रीक एवं लैटिन यात्रियों के यात्रा वृतांत का भी अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने नालंदा एवं विक्रमशिला की शैक्षिक व्यवस्था पर प्रकाश डाला। आभासी मंच का संचालन डॉ. अशोक कुमार रंजन और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भारती शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिलेखागार के सहायक अभिलेख निदेशक उदय कुमार ठाकुर, पुराभिलेखपाल डॉ. संजीत कुमार, मो. असलम, डॉ. शारदा शरण, डॉ. रश्मि किरण एवं प्रोग्रामर रामाशीष कुमार, पंकज कुमार समेत समस्त कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया।

बाबा साहेब के संविधान को बदलना चाहती है भाजपा : उमेश

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास 28 को जदयू का एकदिवसीय उपवास कार्यक्रम

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू मुख्यालय के कपूर्री सभागार में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि 28 मई को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन स्वयं करने का निर्णय लिया गया है, जिसके विरोध में जनता दल यू 28 मई को पटना हाईकोर्ट के समीप बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास एकदिवसीय उपवास रखेगा। उन्होंने कहा कि म राष्ट्रपति संसदीय प्रणाली का एक प्रमुख अंग होते हैं और हमारी पार्टी का मानना है सर्वोच्च संवैधानिक पद पे बैठे महामहिम राष्ट्रपति से ही संसद भवन का उद्घाटन किया जाना चाहिए था, परन्तु भाजपा की मौजूदा सरकार तमाम नैतिक व संवैधानिक मूल्यों को ताक पर रखकर प्रधानमंत्री से नए संसद भवन का उद्घाटन करवा रही है जो की सीधे तौर पर भारत के प्रथम नागरिक, आदिवासी समाज और देश की महिला समाज का घोर अपमान है। प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा बाबा साहेब के सविंधान को बदलकर देश में मोदी सविंधान लागू करना चाहती है। जबसे केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है तबसे सविंधान के मूल ढांचों पर प्रहार किया जा रहा है। सत्ता के अहंकार में भाजपा अंधी हो चुकी है। सविंधान पर हमला भारत की महान सभ्यता और संस्कृति पर हमला है। देश की जनता इसको कभी स्वीकार नहीं करेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब संसद भवन का शिलान्यास किया जा रहा था तब भी देश के राष्ट्रपति एक दलित थें और उस समय भी उन्हें शिलान्यास समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था। भाजपा लगातार देश के दलित, आदिवासी और महिलाओं का अपमान कर रही है। यह किसी भी कीमत पे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारी पार्टी भाजपा के इस घटिया राजनीति का पुरजोर विरोध करेगी और रविवार को हजारों की संख्या में जद(यू.) के कार्यकर्ता एकदिवसीय उपवास में शामिल होकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रकट करेंगे। इस प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से पार्टी के कोषाध्यक्ष सह विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ, मुख्य प्रवक्ता सह विधान पार्षद नीरज कुमार एवं मुख्यालय प्रभारी वासुदेव कुशवाहा उपस्थित थे।

संसद भवन का त्रिकोण आकर भारतीय वास्तुकला के अनुरूप नहीं : जदयू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने भाजपा पर आरोप लगाया कि महिला और आदिवासी होने के कारण भाजपा राष्ट्रपति को राजनीतिक रूप से अछूत मानती है इसीलिए उन्हें नई संसद भवन के उद्घाटन समारोह से किनारे किया गया है। बिहार भाजपा नेताओं द्वारा विधानमण्डल के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल को नहीं बुलाए जाने वाले बयान पर श्री नीरज कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि देश के महामहिम राष्ट्रपति के पद की तुलना राज्यपाल से करना भाजपा गिरते राजनीतिक स्तर का एक उदाहरण है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल को केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत किया जाता है परन्तु देश के राष्ट्रपति का चुनाव होता है। भाजपा नेताओं को यह अंतर समझने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि पुराने संसद भवन में लोकसभा और राज्यसभा के अलावे एक सेंट्रल हॉल भी था जहां राष्ट्रपति संसद के संयुक्त सत्र को बुलाते थे लेकिन नई संसद भवन में सेन्ट्रल हॉल निर्माण नहीं किया जाना एक बड़ी साजिश की ओर इशारे करता है। भाजपा को इस विषय पर भी अपना स्पष्टिकरण देना चाहिए। श्री नीरज कुमार ने कहा कि संसद भवन के निर्माण कार्य की जिम्मेदारी गुजरात के ही व्यक्ति को क्यों दिया गया है? आखिर उनकी पात्रता क्या है? उन्होंने नई संसद भवन के डिजाइन पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि संसद भवन का त्रिकोण आकर भारतीय वास्तुकला के अनुरूप नहीं है। वर्तमान के सांसद भवन में भारतीय संस्कृति और सभ्यता का विशेष ध्यान रखा गया था लेकिन भाजपा सरकार द्वारा नवनिर्मित नए संसद भवन में इन सब बातों को तवज्जों नहीं दी गई है। प्रदेश प्रवक्ता अनुप्रिया ने कहा कि राष्ट्रपिता का अपमान देश की समस्त महिलाओं का अपमान है। भाजपा ने एक बार फिर जाहिर कर दिया कि वो महिला विरोधी मानसिकता से ग्रसित है। इस प्रेसवार्ता सम्मेलन में प्रदेश प्रवक्ता हेमराज राम और डॉ सागरिका चौधरी उपस्थित थे।

विपक्षी नेताओं के पास कोई मुद्दा नहीं : पारस

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री, पशुपति कुमार पारस ने नये संसद भवन के 28 मई को होने वाला प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन के नैतिक बताते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं रह गया है। इस कारण ये लोग अनरगल हाय- तौबा मचा रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री ने सेंट्रल हॉल बनवाया और अपने ही उद्घाटन कर दिया उस समय बिहार के राज्यपाल को क्यों नहीं बुलाया गया, इस तरह कि अनेकों उदाहरण है। आगे श्री पारस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नये संसद भवन निर्माण कर देश को गौरवान्वित करने का काम किये हैं। इस पर देश के लोगों को गर्व होना चाहिये। नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह में सभी दलों को शामिल होना चाहिये। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया।

पीएम मोदी के शासन का 9वर्ष एक स्वर्णिम अध्याय : मंगल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं पं बंगाल प्रभारी श्री मंगल पांडेय ने कहा कि पीएम श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का 9 वर्ष ऐतिहासिक व सफलताओं से भरा रहा। जिसने भारत में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। देश में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ रोजगार सृजन से लेकर उद्यमिता को बढ़ावा मिला। नए संकल्पों के साथ डिजिटज क्रांति ने जन - जन को लाभ पहंचाया। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग समेत हर क्षेत्र में विकास के नए मानक की वजह से आज पूरा विश्व भारत को एक बढ़ते हुए आर्थिक राष्ट्र के रुप में देख रहा है। आज विश्व में भारत का मान बढ़ा है। जिसके लिए पीएम मोदी को दिल से धन्यवाद देता हूं। श्री पांडेय ने कहा कि 26 मई को पीएम मोदी के कार्यकाल की 9वीं सालगिरह के साथ उनके विकास कार्यों की चर्चा जोरों पर है। पीएम श्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला नया संसद भवन देश को समर्पित करने जा रहे हैं। पीएम ने अपने शासनकाल में कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की। जिसमें लोग जन-धन के माध्यम से जीरो बैलेंस पर खाता खुलवा सकें। पीएम किसान निधि योजना के तहत किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए साल में 6 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। जो सीधे उनके खाते में आता है।

गरीब कल्याण अन्न योजना से गरीबों को मुफ्त अनाज मिलता है। साथ ही उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, मेक इन इंडिया योजना, स्वच्छ भारत मिशन समेत अन्य कई लाभकारी योजनाओं ने देश की गरीब जनता को उनका मुरीद बना दिया। श्री पांडेय ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने बिचौलियों के माध्यम से भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया,जबकि केंद्र की मौजूदा सरकार ने कई योजनाओं में सीधे बैंक खाता में पैसा भेज नई क्रांति की। वहीं देश को डिजिटल बनाने का क्रेडिट भी पीएम मोदी को जाता है। आज 5 जी नेटवर्क लांच हो गया। पेमेंट से लेकर पासपोर्ट तक डिजिटल हो गया। मोदी सरकार में डिजिटल ग्रोथ ज्यादा हुई। ऑनलाईन पढ़ाई से लेकर इलाज तक होने लगे। वहीं कोरोना में अतिशीघ्र वैक्सिन बनाकर लोगों को बचाने का कार्य भी इसी सरकार में संभव हो पाया।

देश की बदहाली और केन्द्र की भाजपा सरकार के विफलता का नौ साल : गगन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। केन्द्र में भाजपा सरकार के नौ वर्ष पुरा होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि इसे देश की बदहाली और सभी मोर्चे पर सरकार की विफलता के रूप में याद किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि 26 मई 2014 को हीं केन्द्र में भाजपा सरकार का गठन हुआ था। राजद प्रवक्ता ने कहा कि आज मोदी सरकार के 9 साल पूरे हो गए। इन 9 सालों में लोगों को महंगाई, बेरोजगारी और तानाशाही फैसलों का दंश झेलना पड़ा। केन्द्र की भाजपा सरकार जो जुमलों के बल पर सत्ता में आई, उसने एक भी वादा पूरा नहीं किया। सारे के सारे वादे जुमले बन कर रह गए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सत्ता में आने के पूर्व देश के नौजवानों को भरोसा दिया गया था कि प्रति वर्ष दो करोड़ नौजवानों को नौकरी दी जाएगी। पर नौ वर्षों में नौ लाख नौजवानों को भी नौकरी नहीं मिली जबकि इस काल खंड में केन्द्र सरकार के अधीन चालीस लाख से ज्यादा पद खाली हुए। इसी प्रकार वादा किया गया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी। पर आन्दोलन कर रहे किसानों के साथ पिछले वर्ष हुए समझौते को भी अभी तक लागू नहीं किया गया और न एमएसपी की घोषणा हुई। 2022 तक सबको पक्का मकान देने का वादा आज तक पुरा नहीं हुआ। इसी प्रकार 2022 तक गंगा को पूरी तरह साफ कर देने की घोषणा की गई थी पर आज भी गंगा की सफाई नहीं हुई। राजद प्रवक्ता ने कहा कि वादा किया गया था कि विदेशों में जमा काले धन को वापस लाकर सभी के खाते में 15 - 15 लाख रुपए भेज दिया जाएगा। लोगों को खाता चेक करते नौ साल गुजर गए आज तक एक पैसा नहीं आया। इसके उलट एलआईसी और बैंकों में जमा हजारों करोड़ रुपए लेकर सत्ता संरक्षित पूंजीपति विदेश फरार हो गए तो कुछ अपना आर्थिक साम्राज्य को बढ़ा लिए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि 9 वर्ष पहले गरीबी रेखा से जीवन वसर करने वाले जहां 51 प्रतिशत थे उनका प्रतिशत बढ़कर 62 प्रतिशत हो गई। इन नौ वर्षों में लोगों को नोटबंदी, जीएसटी और अग्निवीर जैसे अदूरदर्शी फैसलों ने भारी तबाही का सामना करना पड़ा। करोना जैसे महामारी में देश को लाखों बच्चे अनाथ हो गए और लाखों महिलाएं विधवा हो गई पर घोषणा के बावजूद उन्हें अबतक कोई राहत और मुआवजा नहीं मिला। विभिन्न आतंकी हमले में हमारे जवान शहीद हुए पर सत्ता के शीर्ष नेतृत्व द्वारा संवेदना के दो शब्द भी नहीं निकले। यदि केन्द्र की भाजपा सरकार का 9 वर्षों का मूल्यांकन किया जाए तो सरकार के गलत नीतियों का विरोध करने वालों के खिलाफ सीबीआई, ईडी और आईटी का इस्तेमाल करना,भाजपा विरोधी सरकारों को गलत हथकंडों के द्वारा अपदस्थ करने के साथ हीं पोर्ट , एअरपोर्ट एवं अन्य सरकारी प्रोजेक्टों को निजी हाथों में बेचने के अलावा और कुछ भी नहीं है। महंगाई और बेरोजगारी तो इस सरकार के एजेंडे में है हीं नहीं।

केंद्र सरकार के 9 साल में जनता हुई बेहाल : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज कहा कि मोदी सरकार के 9 वर्षों के सफर को देखें तो इन सालों में देश को नाकामी और बदहाली के सिवाए कुछ नहीं मिला। जिन वादों के दम पर मोदी सरकार सत्ता में आयी उनमें से एक भी पूरे नहीं हुए। भाजपा को वादों की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रमुख वादों में 2022 तक किसानों की आमदनी दुगनी करने और सबको घर देना शामिल था। इसके अलावा इन्होने 2 करोड़ रोजगार हर वर्ष देकर देश से बेरोजगारी मिटाने और विदेशों में छिपा देश का कालाधन लाकर सबके खातों में 15-15 लाख रु भेजने के वाडे भी किये थे। लेकिन यह सारे वादे जुमले साबित हुए हैं। उलटे इनके राज में बेरोजगारी और बढ़ गयी। मंहगाई ने लोगों की कमर तोड़ कर रख दी है। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनता को अच्छे दिनों का वादा किया था, लेकिन गिरती अर्थव्यवस्था के कारण लोगों के बुरे दिन आ गये। इन वर्षों में न केवल लोगों का रोजगार छीन गया बल्कि आमदनी में भी गिरावट देखी गयी। वहीं मध्यम वर्ग को सरकार के हर बजट में नाउम्मीदी हाथ लगी है। बजट में जहां पूंजीपतियों को रियायत मिलती गयी वहीं मध्यम वर्ग सिर्फ टैक्स देने और मंहगाई का बोझ ढ़ोने के लिए रह गया। उन्होंने कहा जुमलेबाजी की इस सरकार ने लोगों से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने का भी वादा किया था, लेकिन आज भी इनके मूल्य 100 रु से ऊपर है। हालात ऐसे हैं कि कच्चे तेलों के 15 महीने के न्यूनतम स्तर पर आने पर भी इन्होने उसका लाभ जनता को नहीं दिया। रसोई गैस की भी लगातार मूल्यवृद्धि की गयी, जिससे इनकी बहुप्रचारित उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों ने भी सिलिंडर छोड़ दिया। सवाल पूछते हुए जदयू महासचिव ने कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि आखिर सारे वादे फेल होने पर भी वह 9 वर्षों की खुशियां कैसे मना सकते हैं। उन्हें बताना चाहिए कि आखिर अच्छे दिनों का क्या हुआ?

पटना एवं गया से आनंद विहार के लिए चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मुहैया कराने के लिए रेलवे द्वारा पटना एवं गया से आनंद विहार के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है। जिनका विवरण निम्नानुसार हैः-

गाड़ी संख्या 03255/03256 पटना-आनंद विहार-पटना सुपरफास्ट समर स्पेशल (सप्ताह में दो दिन) गाड़ी सं. 03255 पटना-आनंद विहार सुपरफास्ट समर स्पेशल दिनांक 28 से 15 जून तक प्रत्येक गुरूवार एवं रविवार को पटना से 22.20 बजे प्रस्थान करेगी तथा विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 15.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

वापसी में, गाड़ी संख्या 03256 आनंद विहार-पटना सुपरफास्ट समर स्पेशल 29 से 16 जून तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को आनंद विहार से 23.30 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 17.20 बजे पटना पहुंचेगी । अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज जं, कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर रूकेगी।

गाड़ी संख्या 02391/02392 पटना-आनंद विहार-पटना सुपरफास्ट समर स्पेशल (सप्ताहिक): गाड़ी सं. 02391 पटना-आनंद विहार सुपरफास्ट समर स्पेशल 27 से 10 जून तक प्रत्येक शनिवार को पटना से 22.20 बजे प्रस्थान करेगी तथा विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 15.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 02392 आनंद विहार-पटना सुपरफास्ट समर स्पेशल दिनांक 28 से 11 जून तक प्रत्येक रविवार को आनंद विहार से 23.30 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 17.20 बजे पटना पहुंचेगी । अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज जं, कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर रूकेगी ।

गाड़ी संख्या 03635/03636 गया-आनंद विहार-गया सुपरफास्ट समर स्पेशल सप्ताह में तीन दिन : गाड़ी सं. 03635 गया-आनंद विहार सुपरफास्ट समर स्पेशल दिनांक 29 से 14 जून तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को गया से 14.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 05.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

वापसी में, गाड़ी संख्या 03636 आनंद विहार-गया सुपरफास्ट समर स्पेशल 30 मई से 15 जून तक प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को आनंद विहार से 07.00 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए उसी दिन 20.45 बजे गया पहुंचेगी । अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज जं, कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर रूकेगी।

लोकसभा क्षेत्रों में व्यापार सम्मेलन आयोजित किया जाएगा: भाजपा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा प्रदेश प्रदेश कार्यालय में आयोजित व्यापार प्रकोष्ठ की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसानिया ने कहा कि केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर आगामी 30 मई से 30 जून तक आयोजित कार्यक्रम में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के द्वारा बिहार के सभी लोकसभा क्षेत्रों में व्यापार सम्मेलन आयोजित होगा। इस सम्मेलन में सभी तरह के व्यवसाय से जुड़े लोग भाग लेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा व्यवसायियों के लिए किए गए कार्यों से उन्हें अवगत कराया जाएगा बिहार सरकार के पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी के कार्यकाल में व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों को अनेकों सुविधाएं दी गई। देश व्यापार के क्षेत्र में भी काफी आगे बढ़ रहा है। बिहार में एनडीए सरकार के समय बिहार में उद्योग लगने प्रारंभ हुए थे किंतु जब से महागठबंधन की सरकार बनी है बिहार में भय का वातावरण बना है। व्यापारी सहम गए हैं अब फिर से व्यापारी बिहार से पलायन करने को मजबूर हो गए हैं ' भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान पार्षद प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि आगामी 30 मई से 30 जून तक आयोजित कार्यक्रम में व्यवसाय से जुड़े लोग बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लोकसभा में व्यापार सम्मेलन आयोजित करने के लिए कमेटी बनेगी तथा व्यापारियों को बताया जाएगा कि नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा छोटे उद्योग लगाने से लेकर बड़े व्यवसाई के लिए सरकार ने किस प्रकार के कदम उठाएं । बैठक का संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के संजय कावड़ा ने किया ' बैठक में मुख्य रूप से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधान पार्षद राधा मोहन शर्मा भाजपा के प्रदेश मंत्री अमृता भूषण सहित सभी जिलों के संयोजक उपस्थित थे।

9 साल में जनता महंगाई से बेहाल : भाई अरूण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। 26 मई को मोदी सरकार के 9 साल पूरा होने के उपलक्ष्य में राजद नेताओं ने भाजपा से 9 सवाल पूछे हैं। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव महासचिव निराला यादव भाई अरुण कुमार एवं चौटाला यादव की ओर से धिक्कार दिवस के तहत बैनर लगाया गया है। भाई अरूण ने कहा है कि केन्द्र के 9 साल में जनता महंगाई से बेहाल है। देश में अघोषित आपातकाल लागू है। सरकार ने एक भी वादे को पूरा नहीं किया। केन्द्र का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सिर्फ नारा ही बनकर रह गया। भाई अरूण ने कहा कि पोस्टर में दिखाया गया है कि किस प्रकार देश की बेटियां जोकि दिल्ली के जंतर मंतर पर बैठी है, उसे न्याय कब मिलेगा। इन सभी तथ्यों का चित्रांकन पोस्टर में किया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टर के माध्यम से केन्द्र से कई सवाल पूछे गये हैं। प्रत्येक साल दो को नौकरी देने का वादा का क्या हुआ। सरकार बनने के 30 दिन बाद महंगाई कम होगी परंतु महागाई अभी तक कम नहीं हुई क्यों। प्रधानमंत्री ने कहा था मेरी सरकार बनी तो पेट्रोल 30 प्रति लीटर मिलेगा परंतु आज क्या है यह सब जनता देख रही है। भारतीय जनता पार्टी गैस सिलेंडरए लेकर प्रदर्शन करती थी और कहती थी मेरी सरकार बनी तो शैलेंद्र सस्ता होगा परंतु आज वही गैस सिलेंडर 1200 में बिक रही है। गोल्ड मेडलिस्ट बेटियां इंसाफ के लिए जंतर मंतर पर बैठी है उनका न्याय कब मिलेगा ? काला धन कब तक वापस आएगा? पुलवामा के शहीदों को इंसाफ कब मिलेगा? राष्ट्रीय जनता दल नौ प्रमुख सवालों के साथ अधिकार दिवस के रूप में मनाया और भारतीय जनता पार्टी के इन 9 सवालों का जवाब मांगा।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा : विधि-व्यवस्था संधारण तथा सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का आयुक्त ने दिया निदेश

स्वच्छ व कदाचारमुक्त परीक्षा सम्पन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता : आयुक्त

- रविवार को पटना केंद्र के 91उप केंद्रों पर 44,056 अभ्यर्थी परीक्षा में होंगे शामिल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। प्रमंडलीय आयुक्त सह सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 के समन्वयी पर्यवेक्षक कुमार रवि ने कहा है कि स्वच्छ, कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण माहौल में सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2023 आयोजित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को इसके लिए सजग, तत्पर तथा प्रतिबद्ध रहना होगा। वे शुक्रवार को श्री कृष्ण स्मारक भवन में इस विषय पर आयोजित ब्रीफिंग में प्रतिनियुक्त स्थानीय निरीक्षण अधिकारियों, दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं अन्य को संबोधित कर रहे थे। आयुक्त श्री रवि ने उत्कृष्ट भीड़-प्रबंधन, सुदृढ़ विधि-व्यवस्था संधारण तथा सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निदेश दिया है। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। विदित हो कि संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2023 28 मई रविवार को पटना केंद्र के 91उप केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। कुल अभ्यर्थियों की संख्या 44,056 है। आयुक्त श्री रवि ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु भारतीय प्रशासनिक सेवा के पाँच वरीय पदाधिकारियों को प्रेक्षक के तौर पर नामित किया गया है। आयुक्त श्री रवि ने कहा कि अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षा की गरिमा एवं महत्ता को ध्यान में रखते हुए सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पदाधिकारियों को सक्रिय रहना होगा। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु केन्द्रवार स्थानीय निरीक्षण अधिकारियों, स्टैटिक दण्डाधिकारियों-सह-सहायक पर्यवेक्षकों, जोनल दंडाधिकारियों-सह-सहायक समन्वय पर्यवेक्षकों, सुरक्षित दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। 91 परीक्षा उप केन्द्रों के लिए 30 जोन निर्धारित किया गया है। केन्द्रवार 91(एकान्वे) स्थानीय निरीक्षण अधिकारियों तथा 91(एकान्वे) सहायक पर्यवेक्षक-सह-स्टैटिक दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। 30 जोनल दंडाधिकारियों, 17 सुरक्षित दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। इनके साथ पुलिस बल को भी लगाया गया है। आयुक्त श्री रवि ने पुलिस अधीक्षक, यातायात को परीक्षा के दिन सुगम यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने का निदेश दिया। वे परीक्षार्थियों के आवागमन एवं प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के गमनागमन के मद्देनजर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपने स्तर से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

परीक्षा प्रारंभ होने से 10 मिनट पहले केन्द्र पर पहूंचें

आयुक्त श्री रवि ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग के निदेश के आलोक में परीक्षा हॉल/परीक्षा केन्द्र के परिसर में मोबाईल फोन प्रतिबंधित है। अतएव परीक्षा में किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन, पेजर, आईटी गैजेटस, ब्लूटुथ एवं अन्य प्रकार के किसी संवाद उपकरण परीक्षा भवन में ले जाने की अनुमति नहीं है। साथ ही परीक्षा केन्द्र में पर्यवेक्षक, सहायक पर्यवेक्षक, वीक्षक एवं परीक्षा से जुड़े कर्मी को भी परीक्षा हॉल/कमरे में मोबाईल फोन या अन्य प्रकार के किसी संवाद उपकरण को अंदर ले जाने की अनुमति नहीं है। आयुक्त श्री रवि ने कहा कि सभी स्टैटिक दंडाधिकारी परीक्षा के मुख्य द्वार पर बार-बार उद्घोषणा करेंगे कि कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कमरों में बैग्स, मोबाईल फोन, ब्लूटूथ तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस नहीं ले जाएंगे। साथ ही वे परीक्षा के दौरान परीक्षा हॉल/कमरों तथा अन्य कक्षों आदि का लगातार निरीक्षण करते रहेंगे एवं यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी परीक्षार्थी के पास प्रतिबंधित सामग्री नहीं है एवं वे इसका उपयोग नहीं कर रहे हैं। आयुक्त श्री रवि ने कहा कि किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी परिस्थिति में परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 10 मिनट पूर्व यानि प्रथम पाली 09.20 बजे पूर्वाह्न एवं द्वितीय पाली 02.20 बजे अपराह्न के बाद परीक्षा उपकेन्द्र के परिसर में प्रवेश की एवं उपस्थित परीक्षार्थी को परीक्षा समाप्ति के पूर्व परीक्षा हॉल / कमरा छोड़ने की अनुमति नहीं है। इस अवसर पर आयुक्त जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा एवं अन्य उपस्थित थे।

लापरवाही के कारण तीन अधिकारियों एवं कर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई

डीएम ने की लोक शिकायत एवं सेवा शिकायत के 15 मामलों की सुनवाई

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने शुक्रवार को अपने कार्यालय-कक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में तथा बिहार सरकारी सेवक शिकायत निवारण नियमावली, 2019 के तहत प्रथम अपील में शिकायतों की सुनवाई की गयी और उसका निवारण किया । लोक शिकायत निवारण में शिथिलता, संवेदनहीनता एवं अरूचि प्रदर्शित करने के आरोप में तीन अधिकारियों तथा कर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई की । सम्पतचक में पदस्थापित तत्कालीन राजस्व कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। साथ ही अंचल अधिकारी मोकामा के विरूद्ध पाँच हजार रूपया तथा अंचल अधिकारी पुनपुन के विरूद्ध ढाई हजार रूपया का अर्थदंड लगाया गया।

डीएम डॉ. सिंह द्वारा शुक्रवार को लोक शिकायत एवं सेवा शिकायत के

संक्षिप्त खबरें

बाइक चोरी को लेकर थाने में दिया आवेदन

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। हथौड़ी थाना क्षेत्र के बल्लीपुर गांव से अज्ञात चोरों ने प्रदीप कुमार राय उर्फ राजेश राय की बाइक की चोरी कर ली। पीड़ित के अनुसार वह बाइक बल्लीपुर गांव के विश्वकर्मा मंदिर के सामने पक्की सड़क किनारे स्थित अपने दरवाजे पर रात 8:30 बजे लगाकर अंगना गया था। उसी क्रम में अज्ञात चोरों ने बाइक चोरी कर लिया। गाड़ी मालिक प्रदीप कुमार राय ने उक्त घटना के बारे में हथौड़ी थाना को लिखित आवेदन दिया है। उन्होंने आवेदन में लिखा है कि गुरुवार को करीब रात 8:30 बजे अपने दरवाजे पर बाइक लगाया था, और वह आंगन गया था, जब आंगन से आया तो उक्त मोटरसाइकिल गायब था। मोटरसाइकिल का नंबर बीआर-7जे 2939 इंजन नंबर सहित चेचिस नंबर दशार्ते हुए उन्होंने अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिए जाने पर आवेदन दिया है। वहीं हथौड़ी अपर थानाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया कि बल्लीपुर गांव से बाइक की चोरी को लेकर बाइक के स्वामी द्वारा लिखित आवेदन दिया गया है, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विभूतिपुर में मुखिया पद के प्रत्याशी हार जीत का कर रहे हैं आकलन, मतगणना आज

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत सिंघिया बुजुर्ग दक्षिण पंचायत के लिए मुखिया उपचुनाव में मतदान के बाद प्रत्याशी हार जीत के आकलन में जुटे हुए हैं। शनिवार को मतगणना के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा की किसने मारी बाजी। बता दें कि विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत पंचायत उपचुनाव मुखिया पद के लिए सिंगापुर दक्षिण पंचायत में एक पद के लिए तीन उम्मीदवार रानी देवी, ममता देवी एवं रितु कुमारी मैदान अंततः डटे रहे। वहीं ग्राम कचहरी के तीन अलग-अलग पद के लिए 6 उम्मीदवार मैदान में डटे रहे। वहीं मतदान के बाद खास करके मुखिया के तीनों प्रत्याशी हार जीत के आकलन में जुटे हुए हैं। वैसे विभूतिपुर में कुल 17 बूथों पर 67.53 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। जिसमें पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाता बढ़-चढ़कर मताधिकार का प्रयोग किया है। 65.60 प्रतिशत पुरुष जहां मताधिकार का प्रयोग किया है वहीं 69.69 प्रतिशत महिलाएं वोट डाली है। महिलाओं के वोट से ही खास करके मुख्य प्रत्याशियों के भाग का फैसला होना तय बताया जा रहा है। सभी प्रत्याशी अपना अपना दावा ठोक रहे हैं। इसका निर्धारण तो आज मतगणना के बाद स्पष्ट हो जाएगा।

महात्मा गांधी स्मारक उच्च विद्यालय के खेल मैदान में एस्कॉर्ट गाईड प्रशिक्षण में शामिल छात्राएं

मधुबनी खजौली महात्मा गांधी स्मारक + 2 उच्च विद्यालय के खेल मैदान परिसर में तीन दिवसीय एस्कॉट गाइड का प्रशिक्षण के अंतिम दिन बीडीओ मनीष कुमार प्रखंड प्रमुख कुमारी उषा एव विद्यालय के एचएम मंजू सिंह ने सभी छात्रों को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया.इस प्रशिक्षण के दौरान महात्मा गांधी स्मारक उच्च विद्यालय के छात्रा ने एस्कॉर्ट गाइड की प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के कला को सिखाया गया.उन्होंने कहा कि विद्यालय में पठन पाठन के अलावे सभी छात्र,छात्राओं को एस्कॉर्ट गाइड की प्रशिक्षण प्राप्त होने से उन छात्र में आत्म विश्वास जगाता है.वही प्रखंड़ प्रमुख कुमारी उषा ने कहा कि विद्यालय में छात्र,छात्राओं को एस्कॉट गाइड की प्रशिक्षण में ट्रैफिक नियम सहित लड़की को अपने सुरक्षा का सभी तौर तरीके का प्रशिक्षण प्राप्त किया गया. वही महात्मा गांधी स्मारक उच्च विद्यालय के एचएम मंजुला सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण भारत सरकार द्वारा सभी उच्च विद्यालय के छात्र,छात्राओं को प्रशिक्षण देकर स्वावलंम्बी बनाने का काम किया जा है.इस प्रशिक्षण के मौके पर शिक्षक विनोद सिंह सहित सभी शिक्षक एव शिक्षिका मौजूद थे।-

समस्तीपुर में अपराधियों ने मचाया गदर, दिनदहाड़े बड़ी लूट का दिया अंजाम

ग्रामीण बैंक से दो लाख 38 हजार की लूट

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन थाना क्षेत्र के खालिसपुर गांव स्थित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक में शुक्रवार की दोपहर हथियार के बल पर आधा दर्जन अपराधियों ने बैंक के अंदर प्रवेश कर बैंक कर्मी व ग्राहकों को गन पॉइंट पर रखकर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद सभी अपराधी फरार हो गए। बैंक मैनेजर रविशंकर हैवरम ने बताया कि करीब 2:25 मिनट पर हेलमेट व नकाबपोश पहने अपराधी बैंक के अंदर घुस गए जब तक लोग समझ पाते तब तक सभी को गन पॉइंट पर ले लिया।

वहीं कैश काउंटर से कैश भी लूट लिया। हालांकि मैनेजर ने बताया कि अभी राशि का मिलान करने के बाद दो लाख 32 हजार 540 रुपए लूट की गई है। वहीं बैंक में पदस्थापित जीविका दीदी पुनीता देवी से 37 सौ व रेखा देवी से 22 सौ रुपए भी लूट लिया।

ग्राहकों व बैंक कर्मियों ने इसका विरोध किया तो अपराधियों ने जान से मारने की धमकी देकर डरा दिया। बैंक से भागने के दौरान अपराधियों ने बैंक की महिला सुरक्षाकर्मी को जान से मारने की धमकी दी है।

वहीं घटना के बाद लोगों में काफी दहशत फैल गया है। मैनेजर के द्वारा घटना की जानकारी सरायरंजन पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष आरके सिंह मौके पर पहुंचकर घटना की छानबीन में जुट गए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल उत्पन्न है। सदर डीएसपी संजय कुमार पांडे ने बताया कि लूट की वारदात हुई है। अपराधियों की पहचान की जा रही है। पुलिस कप्तान के निर्देश पर नाकेबंदी कर दी गई है।

पेट्रोल पंप पर एक लाख 87 हजार की लूट

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले में एक बार फिर से अपराधियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं। एक ही थाना क्षेत्र में करीब दो किलोमीटर की दूरी के के फासले पर अपराधियों ने लूट की दो बड़ी घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस के अपराध नियंत्रण के दावों की कलई खोलकर रख दी। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को आधा दर्जन हथियारबंद अपराधियों के द्वारा सरायरंजन थाना क्षेत्र के किशनपुर युसूफ गांव के समीप एसएच 88 के किनारे स्थित सुंदरम फ्यूल सेंटर में लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जहां अपराधियों ने हथियार के बल पर पेट्रोल पंप के कैश काउंटर से एक लाख 87 हजार रुपए लूट लिए। अपराधियों ने पंप पर मौजूद सात ग्राहकों से भी 20 हजार रुपए लूट लिए। वहीं अपराधी सीसीटीवी का हार्डडिस्क भी लूटकर अपने साथ ले गए। उसके बाद अपराधियों ने अपनी बाइक में पेट्रोल भरवा लिया। दहशत फैलाने के लिए अपराधियों ने दो राउंड हवाई फायरिंग भी की। इसके बाद सभी वरुणा पुल होते हुए दक्षिण दिशा में भाग निकले। गोली की आवाज सुनकर जब तक स्थानीय ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे तब तक सभी अपराधी फरार हो चुके थे। पंप पर मौजूद नोजल मैन अमरजीत कुमार एवं मनीष कुमार ने बताया कि एक लाख 77 हजार 375 रुपए कैश काउंटर से लूटा एवं अमरजीत कुमार एवं मनीष कुमार के पास से चार-चार हजार रुपए लूट लिए। वहीं ग्राहकों से भी करीब 20 हजार रुपए लूट लिया। लोगों के द्वारा घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रविकांत कुमार एवं सदर डीएसपी संजय कुमार पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की छानबीन करते हुए पंप कर्मियों से भी पूछताछ की। हालांकि खबर संप्रेषण तक अपराधियों की पहचान नहीं हो पायी थी। पंप के मालिक दीपशंकर कुमार ने बताया कि इस तरह की घटना उनके पंप पहली बार हुई है। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। क्षेत्र में हुई दो-दो घटनाओं को लेकर कई तरह की चचाएं भी हो रही है। वहीं लोगों का कहना है कि अब पुलिस इसमें क्या सफलता हासिल करती है यह तो समय बताएगा। इधर सदर डीएसपी संजय कुमार पांडे ने कहा कि दो-दो घटनाएं हुई है। इस तरह की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बैजनाथ सहनी, मुकेश कुमार, पूर्व जिला पार्षद हरेराम सहनी, राम कुमार झा आदि ने पुलिस से सभी अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है।

सब्जी उत्पादक सहयोग समिति के चुनाव में विभिन्न पदों के लिए प्रथम दिन 12 प्रत्याशियों ने भरा नामांकन पर्चा

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहयोग समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य पद के लिए चुनाव होना है। जिसमें अध्यक्ष के एक पद, उपाध्यक्ष के एक पद, सचिव के एक पद एवं सदस्य के 9 पद सभी मिलाकर कुल 12 पद निर्धारित किया गया है। सभी सीट अनारक्षित है। निर्वाचन 8 जून 2023 को होगी। सभी पदों के लिए नामांकन प्रारंभ है। 26 मई एवं 27 मई को नामांकन पर्चा दाखिल किया जा सकता है। नामांकन के प्रथम दिन कुल 12 प्रत्याशियों ने नामांकन पर्चा दाखिल किया है। जिसमें अध्यक्ष के लिए पूनम देवी पति शंभू प्रसाद एवं राम कुमार रंजन उपाध्यक्ष के लिए हरि नारायण सिंह एवं रामकरण महतो सचिव के लिए प्रवीण कुमार तथा सदस्य पद के लिए राम सजीवन महतो, विजेंद्र कुमार, रंजीत कुमार यादव, छोटन राय, विनोद महतो, प्रमोद कुमार रजक, रामबाबू दास ने नामांकन पर्चा दाखिल किया है। नामांकन पर्चा की समीक्षा 29 एवं 30 मई को किया जाएगा। वहीं 1 जून को पर्चा वापसी की तिथि निर्धारित की गई है। वहीं 8 जून को मतदान होना। मतदान के लिए सिर्फ एक केंद्र प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी विभूतिपुर निर्धारित की गई है।

सांसद निधि से विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र में लगेंगे 35 वाटर एटीएम

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अलग-अलग पंचायतों के सार्वजनिक स्थल एवं विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल हेतु सांसद निधि से 35 वाटर एटीएम लगाया जाएगा। जिसकी अनुशंसा उजियारपुर सांसद सह गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने की है। यह वाटर एटीएम उत्क्रमित मध्य विद्यालय देशरी, मध्य विद्यालय साखमोहन वार्ड 11, उत्क्रमित मध्य विद्यालय दियानतपुर वार्ड 16, उत्क्रमित मध्य विद्यालय भुसवर डीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय विभूतिपुर वार्ड 15, राजकीय मध्य विद्यालय नरहन वार्ड 02, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोनवारचक वार्ड 01, उत्क्रमित मध्य विद्यालय एकडारा वार्ड 13, राजकीय मध्य विद्यालय मनाराय टोल वार्ड 02, राजकीय मध्य विद्यालय शंकर चौक पेट्रोल पंप के पास, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सलखन्नी, प्राथमिक विद्यालय भिड़ी सिंघिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय महथी टोल आलमपुर, प्रखंड मुख्यालय पंचायत समिति भवन के पास विभूतिपुर, मध्य विद्यालय बेलसंडी डीह वार्ड 8, प्राथमिक विद्यालय महिषी डीह दुर्गा मंदिर के पास, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरपति केराई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहबीब टोला फकीरना, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पटपारा उत्तर वार्ड एक, प्राथमिक विद्यालय बरैया गाछी, प्राथमिक विद्यालय जगन्नाथपुर वार्ड आठ, कल्याणपुर दक्षिण राजकीय मध्य विद्यालय समर्था वार्ड 14, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बन्हैती, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कल्याणपुर मिल्की भूमिहार टोल, मध्य विद्यालय कोरबाद्धा टभका वार्ड 05, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकफतेहगंज, प्राथमिक विद्यालय झहूरा वार्ड 12, उत्क्रमित मध्य विद्यालय दामोदरपुर, मध्य विद्यालय गंगोली वार्ड 3, मध्य विद्यालय मकदमपुर वार्ड 4, मध्य विद्यालय मालपुर वार्ड 4, मध्य विद्यालय रामपुर जलालपुर वार्ड 21, प्राथमिक विद्यालय भटगामा वार्ड 27, प्राथमिक विद्यालय कमरावं वार्ड 1, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंबइया हरलाल में वाटर एटीएम लगाया जाएगा। वहीं जिला योजना पदाधिकारी ने विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी को पत्र भेजते हुए कहा है कि उजियारपुर सांसद सह केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के द्वारा अनुशंसित योजना सामुदायिक वाटर एटीएम लगाने हेतु भूमि उपलब्ध, परिचालन, रखरखाव एवं विद्युत आपूर्ति के लिए सहमति के साथ प्रतिवेदन की मांग की है।

भाजपा मंडल कार्यसमिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। खानपुर उत्तरी मंडल एवं दक्षिणी मंडल कार्यसमिति की बैठक खानपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय कुमार सिंह एवं दीपक कुमार सहनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक ने राज्य महिला आयोग के पूर्व सदस्य सह भाजपा नेत्री नीलम सहनी भी उपस्थित थीं। भाजपा नेत्री नीलम सहनी ने बताया कि केंद्र सरकार के द्वारा चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाएं को आम जनों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। ताकि देश के चहुंमुखी विकास के बारे में लोग जान सकें। भाजपा प्रखंड कार्यसमिति की बैठक में विशेष जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम 30 मई से 30 जून तक की योजना बनाई गई है। बैठक में राज्य महिला आयोग के पूर्व सदस्य सह भाजपा नीलम सहनी, सुरेश शर्मा, भोला झा, रमाकांत यादव, अजय सहनी, अशोक झा, प्रमोद पोदार, कौशल झा, विजय सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बैंकों को राज्य स्तर से कम साख जमा अनुपात को अगली बैठक से पूर्व मानक तक पहुंचाने का निर्देश

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर समाहरणालय सभागार में बैंकर्स के लिए शुक्रवार को जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने पीएमईजीपी, पीएमएफएमई, सीडी रेशियों, वार्षिक साख योजना की समीक्षा करते हुए 2023-24 में पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई द्वारा ग्राम पंचायत को अच्छादित करने का निर्देश दिया। पंचायत सरकार भवन में एक ग्राहक सेवा केंद्र का स्थानांतरण करने या नए खोलने के लिए सभी बैंकों से अपील किया। डीएम श्री सिंह ने कहा कि जिन-जिन बैंकों का साख जमा अनुपात राज्य स्तर से कम है, उनको अगली बैठक से पूर्व उस मानक तक पहुंचने का निर्देश दिया। एलडीएम पीके सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी बैंक से आग्रह किया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर जिला का नाम राज्य स्तर पर रौशन करें। डीडीएम नाबार्ड अभिनव कृष्ण ने नाबार्ड की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि नाबार्ड की योजनाओं से ज्यादा से ज्यादा लाभ आम लोगों तक पहुंचाकर लाभान्वित करने का अपिल किया। नाबार्ड द्वारा अनमोल उपहार सेवा फाउंडेशन एवं जय माता दी एसएचजी को स्वीकृत मिथिला पेंटिंग के लिए रूलर मार्ट की स्वीकृति पत्र जिलाधिकारी द्वारा अनमोल उपहार सेवा फाउंडेशन के निदेशक देव कुमार को देकर प्रोत्साहित किया। जिले में वित्तीय वर्ष 2022-23 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंक को जिलाधिकारी ने पीएमएफएमई, केसीसी क्रॉप लोन में केनरा बैंक, पीएमईजीपी, केसीसी पशुपालन में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, समग्र गव्य विकास योजना में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पीएम स्वनिधि योजना में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, डे-एनयूएलएम में यूको बैंक, सीडी रेशियों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बंधन बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, जीविका एसएचजी में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, वार्षिक साख योजना में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, कॉपरेटिव बैंक, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर डीडीसी अखिलेश कुमार सिंह, नगर आयुक्त, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पंचायती राज पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता बैंकिंग अमृता प्रीतम, आरबीआई प्रतिनिधि रोहित चौधरी, जिले का अग्रणी बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्र प्रमुख समीर कुमार साई, डीपीएम जीविका, एलडीएम कार्यालय प्रबंधक विकास कुमार एवं सभी बैंकों के वरीय पदाधिकारी तथा जिला समन्वयक मौजूद थे।

आईओसीएल के सौजन्य से हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के रूपौली बुजुर्ग में शुक्रवार की दोपहर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के तत्वावधान में मानव जनित आपदा पर नियंत्रण को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। इस दौरान जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आपदा प्रबंधन अधिकारी निलेश कुमार ने कहा कि दलसिंहसराय से मुजफ्फरपुर तक जो गैस पाइपलाइन बिछाई गई है, वह 24 इंच वृत्ताकार है। वहीं उसकी लंबाई 102 किलोमीटर है। गैस की आपूर्ति के दौरान आग लगने की संभावना बनी रहती है। इसलिए आपदा को कम करने के लिए आज यहां जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। गैस लीकेज के पश्चात आगजनी की घटना पर क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए, यह मॉक ड्रिल से बताया गया है। आपदा के समय घबराने के बजाय साहस से काम लेना चाहिए। इसके पूर्व मॉक ड्रिल के माध्यम से बताया गया कि पाइप लाइन से गैस लीकेज होने पर अचानक आग लग जाती है। स्थानीय अग्निशमन दस्ता द्वारा आग पर काबू पाने की कोशिश की जाती है। पर आग बेकाबू होने लगती है। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाकर आग को नियंत्रित किया जाता है। आग को नियंत्रित करने के दौरान एक कर्मी जख्मी भी हो जाता है, जिसे तुरंत एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा जाता है। अंत में अथक परिश्रम के बाद आग पर नियंत्रण पाया जाता है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान टोल फ्री नंबर 1800 180 7788 ग्रामीणों के साथ साझा किया गया। इस कार्यक्रम में अग्निशमन अधिकारी दिनेश कुमार ठाकुर, एसडीआरएफ की टीम के कमांडेंट संजय कुमार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन मुजफ्फरपुर के मुख्य प्रबंधक अनीश कुमार, पावर एवं सेफ्टी कोऑर्डिनेटर पवन कुमार, थानाध्यक्ष मुसरीघरारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार के अलावा दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

रामजानकी ठाकुरबाड़ी गाहर के महंत के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

खानपुर प्रखंड अंतर्गत गाहर गांव के राम जानकी मंदिर ठाकुरबाड़ी के महंत श्री श्री 108 रामचंद्र दास महाराज का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे और काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। महंत महाराज के आकस्मिक निधन की सूचना मिलने के बाद दूसरे जिलों से भी उनके अनुयायी उनके आखिरी दर्शन को आ रहे थे। महंत रामचंद्र दास महाराज के अंतिम दर्शन के लिए उनके शिष्यों का शुक्रवार सुबह से ही तांता लगा रहा। अंतिम दर्शन के लिए हजारों-हजार की संख्या में शिष्यों का आना लगा रहा। अंतिम संस्कार के लिए उन्हें बेगूसराय जिला के सिमरिया धाम ले जाया गया। जहां उनके संस्कार में सैकड़ों लोग सम्मिलित हुए। उत्तराधिकारी के रूप में उनके शिष्य सदानंद दास ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनके दाह संस्कार में उनके शिष्य भाजपा प्रदेश महामंत्री सुशील चौधरी, अशोक कुमार झा, भाजपा नेता सीताराम झा, अनुज कुमार चौधरी, रामाकांत झा, रामनरेश चौधरी, मनोज कुमार झा, शंभू, राम गोविंद चौधरी, राम उदित दास, मोनी बाबा, विटामिन नरेश कंपनी धापु राय, अवध किशोर दास, विनोद दास, दुगानंद दास, शिवराम दास, रमेश दास, सहित सैकड़ों शिष्य अंतिम संस्कार में मौजूद थे।

हकीमाबाद-नागरबस्ती के बीच बूढ़ी गंडक नदी पर 41 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा पुल

- समाधान यात्रा पर मुख्यमंत्री के समस्तीपुर पहुंचने पर विधायक शाहीन ने सौंपा था मांग से संबंधित ज्ञापन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हकीमाबाद स्थित राजघाट के पास बूढ़ी गंडक नदी पर पुल की मांग काफी समय से समस्तीपुर, उजियारपुर तथा वारिसनगर प्रखंड के ग्रामीणों द्वारा की जा रही थी। जिसको देखते हुए समस्तीपुर विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन के प्रयास से ग्रामीणों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए विधायक ने लगभग 40 करोड़ रुपये के बजट से बूढ़ी गंडक नदी पर पुल के प्रस्ताव को पास करवाया। परसो बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने हकीमाबाद के राजघाट से वारिसनगर प्रखंड के नागरबस्ती के बीच लगभग 40 करोड़ रुपये लागत से पुल निर्माण कराने हेतु विभागीय स्वीकृति प्रदान की। तदुपरांत आज इसकी निविदा दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित की गयी है। जिसको लेकर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। पुल के निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने बताया इस पुल से समस्तीपुर प्रखंड और वारिसनगर प्रखंड की दूरी 10 किलोमीटर कम हो जाएगी। अब कुछ मिनटों में लोग समस्तीपुर से वारिसनगर, खानपुर, बहेरी पहुंच जाएंगे। समय की काफी बचत होगी। पुल के बनने की वजह से क्षेत्र के लगभग चार दर्जन गांव में रहने वाले 80 हजार से अधिक लोगों को सहूलियत मिलेगी। स्थानीय लोगों ने लगातार इस पुल के निर्माण को लेकर के आवाज उठाते रहे हैं। जिसको विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने साकार किया है और लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने प्रेस को बताया कि पुल की लम्बाई 334 मीटर तथा कुल लागत लगभग 41 करोड़ रुपये होगी। पुल का टेंडर 19 जून 2023 को होगा तथा इसका निर्माण कार्य 24 महीने में पूर्ण करना होगा। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण की मांग को लेकर बिहार विधानसभा में कई बार आवाज बुलंद की थी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समाधान यात्रा के समय समीक्षा बैठक में भी ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से इस ओर अपेक्षित पहल करने का अनुरोध किया था। पुल की स्वीकृति मिलने तथा निविदा आमंत्रित किये जाने पर जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, राजद नगर अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार शोले, मुखिया राजीव राय, सरपंच शिवसागर महतो, उप प्रमुख राजेश कुमार, मुखिया लक्ष्मण पासवान, पूर्व प्राचार्य राजकुमार राय राजेश, साहित्यकार रामाश्रय राय राकेश, पूर्व जिला पार्षद रमेश राय, पूर्व मुखिया चन्दन कुमार, पूर्व मुखिया प्रेम कुमार राय, पूर्व मुखिया वृजनंदन राय, पूर्व मुखिया मुकेश कुमार, पूर्व मुखिया राजेन्द्र सिह, मुखिया जागेश्वर बैठा, मुखिया अजय कुमार, पूर्व सरपंच सियाशरण पासवान, राजद अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश महासचिव मो० परवेज आलम, राजद जिला महासचिव रामकुमार राय, जिला सचिव राकेश यादव, कांग्रेस नगर अध्यक्ष डोमन राय, राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष यादव, छात्र राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष शशि यादव, राजद नेता प्रोफेसर रजनीश कुशवाहा, रविन्द्र कुमार रवि, ज्योतिष महतो, मनोज पटेल, रंजीत कुमार रम्भू, प्रमोद कुमार पप्पू, मनोज कुमार राय, जयलाल राय, सैयद शाहनवाज हसीब, सैयद फैसल आलम मन्नू, राकेश कुशवाहा, अरुण कुशवाहा, रवि आनंद, मो० आसिफ इकबाल, अंकित वर्धन, धर्मेन्द्र महतो, गुड्डू सिह, डॉ० अमरजीत कुशवाहा, मो० अमरोज, डॉ० रामपुकार सिह आदि ने विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन को बधाई देते हुए पथ निर्माण मंत्री सह उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के पार्टी आभार व्यक्त किया है। राजद जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन के अथक प्रयास से क्षेत्र के लोगों की चिरप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। यह समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास मॉडल की चर्चा आज सूबे बिहार में हो रही है। सच तो यह है कि विधयक अख्तरुल इस्लाम शाहीन विकास पुरुष की पर्याय बन चुके है। यह समस्तीपुर के लिए सुखद व गौरव का क्षण है। समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को अपने विधायक पर नाज है।

अनुमंडलाधिकारी कुमार रविंद्र बने निक्षय मित्र, 32 मरीजों को लिया गोद

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी । पकड़ीदयाल के अनुमंडलाधिकारी कुमार रविन्द्र ने निक्षय मित्र बनकर एक बेहतरीन सामाजिक चेतना का बिगुल फूंका है। इसीके तहत उन्होंने 32 टीबी मरीजों को गोद लिया है। अनुमंडलाधिकारी ने कहा कि निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के सहयोग करने की ठानी है। उन्होंने बताया कि टीबी से ग्रसित होने पर मरीजों की सेहत बिगड़ जाती है। ऐसे में उन्हें दवाओं के साथ पौष्टिक आहार की जरूरत होती है। वहीँ आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण टीबी मरीज खाने-पीने में पोषक आहार नहीं ले पाते हैं। जिससे उनके शरीर में पोषक तत्वों की कमी की वजह से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। उन्हीं पोषण की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग के लिए उन्होंने निक्षय मित्र बनने का निश्चय किया है। उन्होंने बताया कि जिले के रेडक्रॉस के चैयरमैन विभूति नारायण सिंह, जिला टीबी अस्पताल के कॉर्डिनेटर ललित कुमार के द्वारा जानकारी मिली कि प्रधानमंत्री निक्षय मित्र योजना के तहत जुड़कर टीबी मरीजों को गोद लेकर सहयोग किया जा सकता है। इसी के मद्देनजर मैंने भी प्रशाशनिक टीम के माध्यम से अनुमंडल क्षेत्र के चयनित 32 टीबी मरीजों का चयन किया व उन्हें गोद लेकर पोषण संबंधित सहयोग किया है।

अनुमंडल के सभी 130 टीबी मरीजों को गोद लेकर पौष्टिक पोषाहार का वितरण शुरू

जिला यक्ष्मा केंद्र के कॉर्डिनेटर ललित कुमार ने बताया कि अनुमंडलीय पदाधिकारी के द्वारा मरीजों के पोषण संबंधित सुधार हेतु सरकार द्वारा निर्धारित सामग्री का वितरण किया गया है। ताकि टीबी मरीजों की सेहत में सुधार हो सके । उन्होंने बताया कि पूर्व में मधुबन विधायक राणा रंजीत सिंह के द्वारा भी टीबी मरीजों को पोषण की पोटली उपलब्ध कराई गई थी। प्रधानमंत्री निक्षय मित्र योजना के तहत अनुमंडल के सभी 130 टीबी मरीजों को गोद लेकर पौष्टिक पोषाहार का वितरण अनुमंडल में शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि निक्षय मित्रों द्वारा टीबी मरीजों को अगले छह महीने तक लगातार फूड बास्केट उपलब्ध करायी जाएगी। निक्षय पोषण योजना के तहत सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है;

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ रंजीत राय ने बताया कि सरकार के द्वारा टीबी मरीजों के लिए मुफ्त जांच, इलाज और दवाइयों के साथ सही पोषण के लिए निक्षय पोषण योजना के तहत प्रत्येक महीने 500 रुपया की सहायता राशि टीबी मरीजों के बैंक खातों में भेजी जाती है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि टीबी मरीजों की मदद के लिए निक्षयमित्र की भूमिका निभाएं और मानवता की सेवा के लिए आगे आएं।

संक्षिप्त खबरें

मजदूरी करने से इंकार करने पर दबंगों का टूटा कहर

गोपालगंज। जिले के सिधवलिया थाने के सरेया पहाड गांव में मजदूरी करने इंकार करने पर दंबगों ने एक ही परिवार के तीन लोगो की बेरहमी से पीटायी कर दी। आसपास के लोगो की मदद से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सकों की देखरेख में तीनों का इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि सरेया पहाड गांव के शंकर राम और तारकेश्वर राम मजदूरी का काम करते है। शुक्रवार की सुबह गांव के ही दबंग लोग आए और मजदूरी करने की बात कहने लगे। जिसपर मजदूरों द्वारा किसी अन्य के यहां मजदूरी करने की बात कहकर इंकार कर दिया गया। इसी बात से नाराज दबंगो ने शंकर राम, तारकेश्वर राम और एक महिला की बेरहमी से पीटायी कर दी। आसपास के लोगो की मदद से घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना पाकर पंहुची पुलिस घायलों का बयान दर्ज कर मामले की छानबीन करने में जुट गयी है।

शराब तस्करी में जप्त 115 वाहनों की हुई नीलामी.

गोपालगंज। उत्पाद विभाग द्वारा शराब की तस्करी में पकड़े गए वाहनों की नीलामी शुक्रवार को की गयी। जिसमें 123 वाहनों की अधिसूचना उत्पाद विभाग व पुलिस के द्वारा जारी की गई थी। इस नीलामी में ट्रक से लेकर ई-रिक्शा तक नीलाम किए गए। उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को कुल 123 वाहनों की नीलामी होनी थी। इन 123 वाहनों पर आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसकी नीलामी समाहरणालय के सभागार में कराया गया। जिसमें 115 वाहनों की नीलामी की गई। उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि जिले में उत्पाद विभाग द्वारा की गयी नीलामी में वाहनों और आवेदकों की संख्या अधिक होने के कारण नीलामी की प्रक्रिया देर शाम तक चलती रही। जिस वजह से नीलामी में आए राशि की गणना नहीं हो सकी। लेकिन अनुमान है कि 1करोड़ 10 लाख रुपये की राजस्व की प्राप्ति विभाग को हुई। उन्होंने बताया कि आवेदकों की अधिक संख्या होने के कारण नीलामी की प्रक्रिया सुबह 11:00 बजे शुरुकी गई। इससे पहले समाहरणालय परिसर में आवेदकों की लंबी कतार देखी गई। जहां उत्पाद विभाग के अधिकारी बारी-बारी से आवेदक को नीलामी प्रक्रिया में शामिल कराते दिखे।

30 करोड़ 41 लाख का लोन किया गया वितरित

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, छपरा नगर निगम एवं प्रशिक्षण सहायक समाहर्ता सारण के साथ शुक्रवार को जिला अग्रणी बैंक के तत्वाधान में ₹मिशन 50₹ के तहत एकता भवन में आयोजित बैंक लोन मेला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। जीविका समूह के साथ साथ संबंधित योग्य लाभुकों को लोन प्रदान करने से संबंधित चेक प्रदान किया गया। आज के लोन मेला में कुल 30 करोड़41 लाख का लोन वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी महोदय ने बताया कि इस तरह का लोन मेला प्रत्येक महीने आयोजित किया जाएगा इससे इच्छुक व्यक्तियों को लोन आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

काउंटिंग के लिए अभ्यर्थियों का बनाया गया प्रवेश पत्र

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर प्रखंड निर्वाचन कार्यालय में शुक्रवार को अभ्यर्थियों एवं मतगणना एजेंट के लिए पहचान पत्र निर्गत किया गया। आरओ अशोक कुमार ने बताया कि सिरसा मानपुर पंचायत के वार्ड संख्या सात में गुरुवार को वार्ड सदस्य पद के लिए मतदान कराया गया था। दो प्रत्याशियों एवं उनके मतगणना एजेंटों को पहचान पत्र जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि शनिवार को थावे डायट में मतगणना की जाएगी।

पुलिस ने अजबीनगर में ग्रामीणों को किया जागरूक

गोपालगंज। जिले के महम्मदपुर पुलिस ने शुक्रवार को अजबीनगर गांव में चैपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया। थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने चैपाल के माध्यम से महिलाओं से कहा कि क्षेत्र में शराब बिक्री की सूचना तत्काल पुलिस को दें। ग्रामीणों की सूचना पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

पांचवी कक्षा के छात्रों की किताब बीआरसी पहुंची

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र में पांचवी कक्षा के छात्रों का किताब शुक्रवार को उपलब्ध कराया गया। लेखापाल चंद्रभूषण कुमार ने बताया कि पांचवी कक्षा का किताब 3915 सेट उपलब्ध हुए हैं। 46 सेट मिक्स किताबें उपलब्ध करायी गयी है। जबकि उर्दू भाषी छात्रों के लिए 56 सेट किताबें मिली है। उन्होंने बताया कि शनिवार से स्कूलों में पांचवी कक्षा की किताब भेजा जाएगा।

मुखिया सहित चार पदो के प्रत्याशियों का एक साथ जारी होगा रिजल्ट

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के प्रत्याशियों के भाग्य का पिटारा आज खुलेगा। पंचायत उपचुनाव के दौरान गत 25 मई को जिले के 11 प्रखंडों के 102 मतदान केन्द्रों पर वोटरों ने मतदान कर अपने पसंद के पंचायत प्रतिनिधी का चुनाव किया और उनके भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद कर दी। जिनमें ग्राम पंचायत राज के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य और ग्राम कचहरी के सरपंच पद के प्रत्याशी भी शामिल है। मतदान के बाद सभी मतदान केन्द्रों से ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच थावे डायट में बने बज्रगृह में जमा कराया गया। ईवीएम जमा करने का कार्य प्रशासन के वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में चलती रही। वही अंत में बज्रगृह को सील कर सुरक्षाबलों के हवाले कर दी गयी। आयोग के निर्देश पर पंचायत उपचुनाव के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतगणना से आज यानि 27 मई को होगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रभारी डीएम अभिषेक रंजन ने बताया कि पंचायत प्रतिनिधियों के सभी पदों की मतगणना एक साथ शुरू होगी, जिसको लेकर राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा मतगणना शुरू कराने की समय सीमा सुबह आठ बजे निर्धारित की गयी है। जो मतगणना समाप्ति तक निरंतर चलती रहेगी। उन्होने बताया कि पंचायत प्रतिनिधियों के विभिन्न पदों से लगभग 200 की संख्या में प्रत्याशी है जिनके भाग्य का फैसला मतगणना से होगी।

11 कक्ष में 26 टेबलों पर होगा मतगणना का कार्य: आयोग के द्वारा सभी प्रखंडों के मतगणना एक साथ शुरू कराये जाने का निर्देश प्राप्त है। जिसको लेकर थावे शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में 11 मतगणना कक्ष बनाये गये है। जिसमें 26 टेबल भी लगाये गये है। सभी मतगणना कक्ष में अलग-अलग प्रखंडों की मतगणना शुरू होगी। प्रत्येक मतगणना कक्ष में एक निवार्ची पदाधिकारी एवं एक सहायक निवार्ची पदाधिकारी का टेबल होगा। गणना सहायक मतों की गणना प्रत्याशी व उनके गणना अभिकर्ता के समक्ष करेंगे। फिर गणना पर्यवेक्षक के द्वारा मिलान किया जायेगा जिसके बाद सहायक निवार्ची पदाधिकारी के टेबल से होकर गणना निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष पंहुचेंगी, जिसके बाद उनके द्वारा प्रत्याशियों के हार जीत की घोषणा की जायेगी।

संपूर्ण मतगणना प्रकिया की होगी वीडियोग्राफी: जिला निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि पंचायत उपचुनाव की मतगणना पूर्ण रूप से स्वच्छ, निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से कराया जाना है, जिसको लेकर संपूर्ण निर्वाचन प्रकिया की वीडियोग्राफी करायी जायेगी। मतगणना की रिपोर्ट से आयोग को तत्काल अवगत कराने की व्यवस्था भी मतगणना स्थल पर की गयी है।

अधिकारियों को मिला निर्धारित समय से पंहुचने का निर्देश: प्रभारी डीएम ने मतगणना कार्य में लगाये गये सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को निर्धारित समय से पूर्व ही मतगणना स्थल पर पंहुचने एवं कार्य दायित्व को संभालने का निर्देश दिया है, ताकि पंचायत उपचुनाव की मतगणना निर्धारित समय आठ बजे से शुरू करायी जा सके। उनके द्वारा बताया गया कि मतगणना कार्य शुरू होने के बाद समाप्ति होने तक निरंतर चलती रहेगी।

एक साथ आयेंगे सभी प्रखंडों से मतगणना के परिणाम: पंचायत उपचुनाव की मतगणना में अलग-अलग प्रखंडों से एक साथ मतगणना परिणाम आने शुरू हो जायेंगे, इसको लेकर अलग-अलग प्रखंडों के अलग-अलग गणना कक्ष बनाया गया है। सभी गणना कक्ष में अलग-अलग टीम मतों की गणना कर रिजल्ट की घोषणा करेगी।

मतगणना कक्ष में मोबाइल के साथ प्रवेश पर रहेगी पाबंदी : उपचुनाव की मतगणना केन्द्र पर मोबाइल के साथ प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गयी है। आयोग के द्वारा प्रत्याशी, उनके गणना अभिकर्ता के साथ-साथ मतगणना कार्य में लगाये गये कर्मियों को भी मोबाइल लेकर जाने पर पाबंदी लगा दी गयी है। आयोग के द्वारा प्रशासन के वरीय अधिकारियों को ही मोबाइल लेकर मतगणना स्थल पर जाने की अनुमती प्रदान की गयी है।

सुरक्षा के रहेंगे चाक-चैबंद व्यवस्था: उपचुनाव की मतगणना स्थल पर सुरक्षा के चाक-चैबंद व्यवस्था की गयी है। मतगणना स्थल के मुख्य द्वार पर ही प्रत्याशी व मतगणना कार्य से जुडे कर्मियों की प्रवेश पत्र जांच के बाद ही उन्हे प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। वही मतगणना स्थल की सुरक्षा को लेकर प्रयाप्त संख्या में दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है। साथ ही उन्हे अलग-अलग स्थान चिन्हित कर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

जदयू के प्रदेश महासचिव शराब के नशे में गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

बिहार में शराबबंदी कानून के कठोर नियम लागू है मगर इस कानून का मखौल कोई और नहीं बल्कि सरकार के नेता ही उड़ा रहे हैं। गोपालगंज में ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहां एएलटीएफ की टीम ने नशे की हालत में जदयू के प्रदेश महासचिव को गिरफ्तार किया है। प्रदेश महासचिव की पहचान संजय चैहान के रूप में हुई है। वह गोपालगंज जदयू जिलाध्यक्ष भी रह चुके है। बताया जाता है कि जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रदेश महासचिव संजय चैहान शराब के नशे में धुत होकर यूपी की तरफ से आ रहे थे। इसी दौरान यूपी बिहार की सीमा पर सटे एकडंगा तिमुहानी के समीप एएलटीएफ व मीरगंज थाने की पुलिस ने जांच के दौरान जदयू नेता को शराब के नशे में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान जदयू नेता ने सत्ता की खूब हनक दिखायी और पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कराने तक की धमकी दे डाली। लेकिन एएलटीएफ की टीम ने उनकी धमकियों को नजरअंदाज करते हुए मीरगंज थाने की पुलिस को सौंप दिया। जिसके बाद मीरगंज थाने की पुलिस ने जदयू नेता की मेडिकल जांच करायी जिसमें शराब पीने की पुष्टि होने पर उत्पाद अधिनियम के तहत जेल भेज दिया। वही शराब के नशे में जदयू नेता की गिरफ्तारी से शराबबंदी वाले बिहार की पोल खुल गयी है।

मीरगंज में हथियार के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अवैध हथियारों एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत मीरगंज थाने की पुलिस ने वाहन जांच के दौरान हथियार के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक सिक्सर, दो जिंदा कारतूस व चोरी की स्कूटी बरामद की गयी है। गिरफ्तार अपराधी मीरगंज थाने के जिगना भूमिहारी टोला गांव के विक्की सिंह और जिगना गोपाल गांव के राजा कुमार बताए गए है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष छोटन कुमार ने बताया कि मीरगंज थाने की पुलिस जिगना ढाला के समीप वाहनों की सघन जांच कर रही थी। इसी दौरान एक स्कूटी पर सवार दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक सिक्सर पिस्टल, दो जिंदा कारतूस व चोरी की स्कूटी बरामद की गयी है। पुलिस गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ करने में जुटी हुयी है। अपराधियों की गिरफ्तारी में मुख्य रूप से थानाध्यक्ष छोटन कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक विकास कुमार बिट्टु, सहायक अवर निरीक्षक अर्जुन प्रसाद सहित अन्य पुलिस जवान शामिल थे।

टॉप 20 अपराधियों की सूची में शामिल मुन्ना सिंह उर्फ टाइगर गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के उचकागांव थाने की पुलिस ने टॉप 20 अपराधियों की सूची में शामिल कुख्यात अपराधी मुन्ना सिंह उर्फ टाइगर को गिरफ्तार कर लिया है। मुन्ना सिंह उर्फ टाइगर की गिरफ्तारी काजीपुर नहर के समीप से की गई है। इसके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक बाइक, एक मोबाइल व 131 बोतल देशी शराब बरामद किया गया है।

गिरफ्तार अपराधी पर हथुआ व मीरगंज थाने में करीब पांच से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सुबाष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी मुन्ना सिंह उर्फ टाइगर यूपी से शराब की खेप लेकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए काजीपुर नहर के समीप वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने टॉप 20 अपराधियों की सूची में शामिल अपराधी मुन्ना सिंह उर्फ टाइगर को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान इसके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, मोबाइल, एक बाइक व 131 बोतल शराब बरामद की गयी। पुलिस गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ करने में जुटी हुयी है।

रेप समेत 66 आरोपित गिरफ्तार, भेजे गये जेल

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर रेप के एक आरोपित समेत 66 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में रेप के एक, एसटी एससी के तीन, एनडीपीए कांड में एक, आर्म्स एक्ट के मामले में तीन, शराब कांड के मामले में 29, अन्य कांड में 15, 107 के मामले में तीन तथा 11 वारंटी शामिल है। इसके साथ ही पुलिस ने 87 लीटर देशी व 753 ।9 लीटर विदेशी शराब को जप्त किया है। इस दौरान पुलिस के द्वारा 53 वारंट के मामलो का निष्पादन भी किया गया है। वही वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक हजार रुपएं जुमार्ने के रूप में वसूल किया है। इसके साथ ही एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, चार जिंदा कारतुस, चार बाइक, एक कार और एक ग्राम स्मैक भी बरामद किया गया है। इसकी जानकारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होने बताया कि पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

माहवारी जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा डीएम ने किया रवाना

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

महिला एवं बाल विकास निगम के निर्देश पर शुक्रवार प्रभारी डीएम अभिषेक रंजन के द्वारा माहवारी जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

महिला निगम के द्वारा आगामी 28 मई तक स्वच्छता दिवस मनाने का निर्देश वन स्टॉप सेंटर सह महिला हेल्पलाइन को दिया गया है। जिसका उदेश्य माहवारी स्वच्छता के प्रति महिलाओं में जागरूकता लाया जाना है। वही जागरूकता के क्रम में जिला, अनुमंडल व प्रखंड स्तर पर जागरूकता रैली का अयोजन करने, प्रचार प्रसार कराने का निर्देश प्राप्त है। जिसके अनुसार शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर से डीएम के द्वारा जागरूकता रैली को रवाना किया गया। जागरूकता रैली अंबेडकर चैक होते हुए शहर के कई हिस्सों में भ्रमण की। जिसमें मुख्य रूप से आंगनबाडी सेविका, जीविका दीदी, आशा कार्यकर्ता, कॉलेज तथा स्कूलों की छात्राएं एवं शिक्षक आदि शामिल थे। जागरूकता रैली का नेतृत्व एसडीसी रूपा रानी, परियोजना प्रबंधक महिला हेल्प लाइन नाजिया मुमताज, अधिवक्ता कुमारी निधि, कार्यपालक सहायक रिया कुमारी, खुशबु कुमारी, परामर्शी अनील कुमार ठाकुर, मुन्ना राय आदि शामिल थे।

धरती पर पाप व अर्धम बढ़ने पर होता है ईश्वर का अवतार: अंजली द्विवेदी

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के थावे प्रखंड के रामचंद्रपुर शिव मंदिर में सात दिनों तक चलने वाले हनुमत प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ के पहले दिन कथा का उदघाटन सूबे के पूर्व खनन मंत्री जनक राम, भाजपा के जिलाध्यक्ष संदीप कुमार गिरी उर्फ मंटू गिरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उदघाटन के बाद पूर्व मंत्री व भाजपा जिलाध्यक्ष का अंगवस्त देकर स्वागत किया गया। कथा के दौरान प्रवचनकर्ता सुश्री साध्वी अंजली द्विवेदी ने श्रीराम जन्म से कथा की शुरूआत की। उन्होने कहा कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ा है, तब-तब प्रभु ने जन्म लेकर पापियों अधर्मियो का नाश कर धर्म को स्थापित किया है। कथा सुनने के लिए काफी संख्या में महिला व पुरुषों की भीड़ उमड़ रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मुखिया जयराम सिंह, रामायण उपाध्याय, रवि सिंह, गुद्न उपाध्याय, अंशु सिंह, प्रभु उपाध्याय आदि मौजूद थे।

हार्ट अटैक से शिक्षक का निधन, शोक

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर प्रखंड क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिस्टौल में कार्यरत शिक्षक मोहम्मद शमशाद अली गौसी का निधन शुक्रवार को अचानक हाई अटैक से हो गया। नेक दिल दिवंगत शिक्षक सफियाबाद गांव निवासी जदयू के प्रखंड अध्यक्ष नौशाद अली उर्फ मुन्ना जी के अग्रज थे। उनके निधन की सूचना पर शिक्षक समुदाय बीच शोक की लहर दौड़ गयी है। स्कूलों में बच्चों सहित शिक्षकों ने शोक मनाया। शिक्षक के दिवंगत आत्मा की परम शांति का इश्वरीय सत्ता से प्रार्थना की गयी। दिवंगत शिक्षक की मेहनत से उनका पुत्र पिछले साल मैट्रिक परीक्षा में बिहार टॉपर की श्रेणी में आ सका था। स्कूल के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र मांझी ने बेहद शोक जताते हुए बताया कि स्वर्गीय शमशाद अली के निधन से विद्यालय की अपूरणीय क्षति हुई है। निधन पर बीडीओ अशोक कुमार, अनिल सिंह आदि ने शोक जताया।

ग्रामीणों ने हेड मास्टर को किया कमरे में बंद, किया पिटाई

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। भेल्दी थाना क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय किशुनपुर के हेड मास्टर द्वारा 4 नाबाकिल छात्राओं से दुष्कर्म के प्रयास में ग्रामीणों ने एक कमरे में बंधक कर जमकर धुनाई कर दिया और पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस हेड मास्टर को अपने कब्जे में ले जेल भेज दिया। इस संबंध में ग्रामीण प्रमोद महतो बाबू साहेब महतो शैलेश कुमार अजय सिंह रामजीत महतो गोपाल महतो विकेश कुमार अशफीर्लाल सिंह लक्ष्मण महतो सहित अन्य ग्रामीणों ने थाना में आवेदन दिया जिसमें कहा कि शुक्रवार को स्कूल के प्रधानाध्यापक कुमार आनंद बिहारी द्वारा कक्षा 4 की चार नाबालिग छात्राओं को एक कमरे में बंद अंदर ले जाकर के कमरे को अंदर से बंद कर दिया तथा सभी बच्चियों को डरा धमका कर निर्वस्त्र कर दिया। सभी बच्ची के प्राइवेट पार्ट के साथ छेड़खानी कर रहा था। तभी एक बच्ची दरवाजे का कमरा खोल कर शोर मचाने लगी। जिसके बाद आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग दौर पर पहुंचे तो देखा कि सभी बच्ची नग्न अवस्था में खड़ी थी। ग्रामीणों ने बच्ची को जल्दी से कपड़ा पहना कर प्रधानाध्यापक कुमार आनंद बिहारी को कमरे से खींचकर बाहर निकाला और थाने के हवाले कर दिया। वही इस संबंध में प्रधानाध्यापक कुमार आनंद बिहारी ने कहा कि गांव के कुछ लोग द्वारा दारु शराब स्कूल में रखा जाता है। जिसका विरोध करने से गांव के लोग नाराज थे 26 जनवरी को स्कूल में झंडा तोलन भी नहीं करने दिया। ग्रामीणों ने साजिश के तहत उन्हें फंसाने की कोशिश की है। पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद हेड मास्टर को जेल भेज दिया।

28 मई से 3 जून तक चलेगा पल्स पोलियो अभियान का प्रथम चरण

छपरा ।शुक्रवार को पल्स पोलियो अभियान, सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा एवं मिजिल्स रूबेला के उन्मूलन हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक जिला पदाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में सभागार में आहूत की गई ।बताया गया कि पल्स पोलियो अभियान का प्रथम चरण 28 मई से 3 जून तक चलेगा। जिला पदाधिकारी ने अभियान के पूर्व सभी तैयारियां ससमय पूरा करने का निर्देश दिया ।अभियान के दौरान संध्याकालीन बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, सीडीपीओ एवं चिकित्सक की उपस्थिति अनिवार्य बताते हुए जिला पदाधिकारी ने इसका अनुपालन करने का निर्देश दिया। अभियान के पूर्व अभियान से जुड़े सभी कर्मियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त सारण प्रियंका रानी, जिला टास्क फोर्स के सभी सदस्य गण उपस्थित थे।

आशाखैरा में गरीब बच्चों के लिए खुलेगा पुस्तकालय

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के बैकुंठपुर प्रखंड मुख्यालय से 25 किलोमीटर पूरब प्यारेपुर पंचायत के आशाखैरा गांव में निर्धन छात्र छात्राओं के लिए पुस्तकालय खोलने की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी है। 30 मई को यहां पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा। पुस्तकालय का उद्घाटन आयकर विभाग के अपर आयुक्त अजय कुमार सिंह करेंगे। अजय कुमार सिंह ओडिसा के भुवनेश्वर में पदस्थापित हैं। यह जानकारी देते हुए पुस्तकालय के निदेशक एसएनएस जिज्ञासु ने बताया कि अपर आयुक्त अजय कुमार सिंह सारण जिले के डुमरी गांव के रहने वाले हैं। वे इन दिनों विष्णु महायज्ञ में भाग लेने के लिए हमीदपुर आए हैं। जिज्ञासु ने बताया कि आशाखैरा गांव सारण व मुजफ्फरपुर जिलों की सीमा पर है। पुस्तकालय खुलने से तीनों जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों के छात्र- छात्राओं को इसका लाभ मिलेगा। वैसे छात्र जो किताब खरीद कर पढ़ने में अक्षम हैं। उन्हें यहां निशुल्क पठन-पाठन की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। उद्घाटन समारोह के दौरान उदयपुर से सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी भाग्य नारायण सिंह अतिथि होंगे। वे आशा खैरा गांव के रहने वाले हैं। पुस्तकालय शुभारंभ के दौरान कई विशिष्ट अतिथि भी शामिल होंगे।

स्नातक सत्र 2016 -19 के विशेष परीक्षा के नाम पर कई कॉलेज कर रहें हैं धांधली:एआईएसएफ सारण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शुक्रवार को एआईएसएफ सारण ने गंगा सिंह महाविद्यालय के अनियमितता एवं भ्रष्टाचार को लेकर प्रति कुलपति महोदय से की शिकायत। स्नातक सत्र 2016/19 के विशेष परीक्षा आयोजित होने के नाम पर गंगा सिंह महाविद्यालय ने छात्र-छात्राओं से फॉर्म भरवाया। जोकि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अनुचित है ।एआईएसफ जिला सचिव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रति कुलपति से मिलकर इन समस्याओं की ओर आकृष्ट कराया। छात्रों का कहना था कि परीक्षा फॉर्म भरने के बाद छात्रों की परीक्षा आखिर क्यों नहीं? इन सभी बातों को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए प्रति कुलपति महोदय ने इस भ्रष्टाचार को लेकर गंगा सिंह महाविद्यालय प्रशासन पर कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन छात्रों को दिया।

प्रतिनिधिमंडल में एआईएसएफ जिला सचिव अमित नयन, नेहा कुमारी, अजय कुमार, कृष्ण कुमार, राजीव मोहन शामिल थे।

दिघवारा सदर मंडल के कार्यसमिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ।भारतीय जनता पार्टी दिघवारा सदर मंडल के नए कार्यकारणी के गठन के बाद कार्यसमिति की पहली बैठक शुक्रवार को बरुआं पंचायत के आजाद मैदान लक्ष्मीपुर ककढ़ियाँ में आयोजित की गई ।बैठक की शुरूआत मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक विनय कुमार सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया ।बैठक में सर्वप्रथम दिघवारा सदर मंडल के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह तथा सभी सदस्यों को मुख्य अतिथि श्री सिंह द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।बैठक को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक ने आगामी लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी कार्यकताओं को कमर कस कर चुनावी तैयारी में लग जाने की बात कही ।वही उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा विगत नौ साल के कार्यकाल में चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को घर घर जाकर लोगो को जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया ।उन्होंने सभी कार्यकताओं को पंचायत स्तर पर टीम बनाकर लोगो से मिलकर प्रपत्र के माध्यम से योजनाओं से होने वाले लाभ की जानकारी देने की भी बात कही ।बैठक में मुख्य रूप से राजेश ओझा, हेमनारायण सिंह, जयशंकर बैठा, अनिल सिंह, मुखिया अजित कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि कौशल सिंह, सरपंच सच्चिदानन्द सिंह, प्रमोद सिंह, बबलू सिंह, उमाशंकर सिंह के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा मांझी पश्चिमी मंडल की नई कार्यकारिणी की पहली बैठक आयोजित

छपरा। भाजपा मांझी पश्चिमी मंडल की नई कार्यसमिति की पहली बैठक मटियार शिव मंदिर प्रांगण मंडल अध्यक्ष विभूति नारायण तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान मंडल प्रभारी मनोज प्रसाद, भाजपा नेता मनोज पाण्डेय, भाजपा नेता मुकेश कुमार सिंह आदि ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लिए कार्यकर्त्ता देव तुल्य हैं। भाजपा नेता मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि 31मई को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के छपरा आगमन पर भव्य स्वागत किया जायेगा। वहीं भाजपा नेता मनोज प्रसाद ने कहा कि भाजपा के 9 वर्षों का कार्यकाल बेमिसाल रहा है तथा इस कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत 30 मई से 30 जून तक जनता से महा सम्पर्क अभियान की शुरूआत की जा रही है। बैठक में विक्की सावन, मंजेश पाठक, सोहन सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, शैलेश प्रासाद, आदित्य कुमार दुबे, बिरेश कुमार सिंह, कृष्णा नन्द सिंह, परशुराम साह, बलिराम साह, सचिन तिवारी, शत्रुघ्न सिंह, मुन्ना कुमार, राजेश सिंह आदि अन्य शामिल थे।

सम्पादकीय

बेटियों के मील-पत्थर

रानी साहू

संघ लोक सेवा आयोग की अखिल भारतीय सेवाओं में देश की बेटियों ने परचम लहराए हैं। नए क्षितिज छुए हैं और नए आयाम खोले हैं। यह स्वप्न-सा लगता है कि जो बेटियां सामान्य पढ़ाई करते या नौकरी पर जाते दिखती थीं, अब कुछ अंतराल के बाद वे आईएएस अधिकारी होंगी। आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस आदि सेवाओं में भी जाएंगी। जिला मजिस्ट्रेट, एसडीएम या सरकार में प्रथम श्रेणी के समकक्ष पदों पर आसीन होंगी। देश की व्यवस्था संचालित करेंगी, समाज-देश की सेवा भी करेंगी और निजी सम्मान, प्रतिष्ठा, सामाजिक उत्थान भी हासिल करेंगी। इस बार अखिल भारतीय सेवाओं में करीब 34 फीसदी सफलता बेटियों ने अर्जित की है। एक-तिहाई से अधिक सफल चेहरों में वे शुमार हैं। अखिल भारतीय स्तर पर पहले चार सर्वश्रेष्ठ स्थान भी बेटियों ने ही प्राप्त किए हैं।

शीर्ष 20 सफल युवाओं में 12 बेटियां ही हैं। कुल 933 सफल चेहरों में 320 महिला-चेहरे हैं। यह आंकड़ा साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है। बेटियों ने न केवल नए मील-पत्थर स्थापित किए हैं, बल्कि लैंगिक प्रतिनिधित्व को भी विस्तार दिया है, लेकिन घर और कार्यस्थल पर समानता और लैंगिक फासले आज भी गंभीर चुनौती हैं। बेटियों की यह मेहनतकश और बौद्धिक सफलता तात्कालिक नहीं होनी चाहिए। गर्व और गौरव का एहसास भी क्षणिक नहीं होना चाहिए। बेटियों ने नए रास्ते बनाए हैं। नई मंजिलें तय की हैं। वे औरत सिर्फ घर की चारदीवारी के लिए नहीं हैं। हमने भारत सरकार में सचिव के सर्वोच्च स्तर पर महिला अधिकारियों को देखा है।

वे विदेशों में भारत की राजदूत या उच्चायुक्त जैसे संवेदनशील, कूटनीतिक पदों पर भी कार्यरत रही हैं। परमाणु और अंतरिक्ष विभागों में वैज्ञानिक भी हैं, लेकिन सरकार के ही भीतर मध्य से शीर्ष स्तर तक लैंगिक फासले कम किए गए हों, ऐसे सकारात्मक प्रयास बहुत कम किए गए हैं। ये सफल बेटियां, जो आईएएस चुनी गई हैं, भी कई वर्जनाओं से संघर्ष कर यहां तक पहुंची हैं। यदि देश के समूचे कार्य-बल को देखें, तो कामकाजी उम्र की बेटियों और महिलाओं की भागीदारी घट रही है। विश्व बैंक के आंकड़े हैं कि भारत में 2005 में यह औसत भागीदारी करीब 32 फीसदी थी, जो 2021 में घटकर 25 फीसदी तक लुढक आई है। यह अनौपचारिक क्षेत्र के आंकड़े ज्यादा हैं, जिनकी गिनती कम होती है या वे नियमित नौकरी पर नहीं रखी जातीं। आईएएस अधिकारी के नाते सभी को तय वेतनमान मिलेगा, लेकिन कॉरपोरेट आज भी वरिष्ठ स्तर पर, लैंगिक विविधता और समान वेतनमान के लिए संघर्ष कर रहा है।

पितृसत्तात्मक व्यवस्था और कार्य-संस्कृति में महिलाओं की उपस्थिति और भागीदारी, बिना किसी भेदभाव के, होनी चाहिए। यह सरकार ही तय कर सकती है। यदि नई आईएएस बेटियां लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, साक्षरता और पुरुष वर्चस्व के माहौल के बावजूद महिलाओं की राष्ट्रीय कामकाजी भागीदारी के लिए कुछ भूमिका निभा पाईं, तो उनका चयन सार्थक होगा। आज हम 21वीं सदी में हैं, लिहाजा बेटी को लेकर संकीर्ण मानसिकता अब कारगर नहीं होगी।

मन की थोड़ा हंसते-खेलते जीना सीखना चाहिए

विजय गर्ग,
सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य

नई चीजों, नए लोगों, नई मुलाकातों के प्रति उत्सुक रहें और दुनिया के विभिन्न हिस्सों की यात्रा की जाए, उन्हें खोजा जाए। यह खोज, अनुभव उसी तरह से होना चाहिए, जैसे हम किसी बच्चे की तरह इसका अनुभव पहली बार कर रहे हों। अपने भीतर के बच्चे को खुद के साथ एक बार फिर जोड़ लिया जाए। आपने कई बार अपने अतीत का मुआयना किया होगा, लेकिन एक बार फिर कर लेना चाहिए। महसूस करें कि अतीत केवल बुरी स्मृतियों से नहीं भरा है। हममें से कई अपने अतीत को भुला देना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि दुश्चिंताओं की वजह अतीत की वे स्मृतियां ही हैं।

अगर हर परिस्थिति में सकारात्मकता देखना शुरू नहीं किया गया, तो पीछे मुड़कर देखना वास्तव में कठिनतम हो सकता है। अपने अतीत की भूली-बिसरी यादों को खुश रह कर देखना-परखना चाहिए। बचपन की स्मृतियों को याद करने से हम अपने भीतर के बच्चे को उमंग और उत्साह से फिर से जिंदा कर पाएंगे। हमारे भीतर का बच्चा हमेशा हमारा हिस्सा है। वह लघु रूप में कई विराट स्मृतियों को संजोए है। बचपन को याद करते हुए शायद अपने जीने का खोया मकसद भी फिर से मिल जाए, जिस मकसद के साथ हमने यह जीवन शुरू किया था। सोचकर देखिए कि जब हम बच्चे थे, किशोर या युवा थे तो उस वक्त हर अनुभूति को हम पहली-पहली बार महसूस कर रहे थे।

हो सकता है कि हर बार वह अनुभव बहुत अच्छा न रहा हो। कई बार कोई पहला काम करते हुए डर भी लगा होगा, घबराहट भी हुई होगी, दुख भी हुआ होगा या ऐसा भी लगा होगा कि हमारे साथ छल हुआ है, लेकिन हमारे पास खुश रहने के अवसर भी थे। जैसे पहली बार महसूस किया हो कि हमारी रुचि के विषय क्या हैं, शौक क्या है। याद करें कि जब पहली बार पता चला था कि हमें किताबें पढ़ना पसंद है या संगीत सुनना, तब हमने खुद को कितना प्रसन्नचित्त और शांत महसूस किया होगा। सोलह साल की उम्र के पहले प्यार-सा वह सुखद अनुभव रहा होगा!

अपने भीतर के उस भोलेपन, उत्सुकता, प्यार और उत्साह को फिर से जगाएं। अपने बाल स्वरूप को याद करें। बचकाना नहीं होना है, लेकिन बचपना को न भूला जाए। कई बातों को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं। प्यार, खुशी और जीवन के उत्सव को खोजने-संजोने की कोशिश बेहतर है। प्रकृति याद दिलाती है कि अपने बचपन में लौटें, तितली के पीछे भागें, हिरण की तरह छलांग लगाएं। इस तरह के उन सारे पलों को याद किया जाए, जो जीवन में उत्साह जगाते थे। अपने मन के द्वार को खोल दें और प्रेरित हो जाएं। याद किया जाए, जब उस समय कोई बड़ा हमसे पूछता था कि बड़े होकर क्या बनना चाहते हो, तब क्या जवाब देते थे। उस जवाब को प्रेरणा बना लीजिए।

किसी भी क्षण लगे कि थोड़ा बेईमान होने में क्या बुराई है, तो उसी क्षण खुद को तुरंत रोक लेना चाहिए। छद्म आवरण या नकाबपोश जीवन बड़ों के जीवन का हिस्सा हो सकता है, बच्चों का नहीं। झूठ के पैर नहीं होते। बेईमानी के रास्ते पर लंबे समय तक सफलता से नहीं चला जा सकता। उससे बेहतर है पहले ही झटके में सच कहा जाए, सच के साथ रहा जाए। एक बार किसी का भरोसा तोड़ देने पर भरोसा वापस हासिल करने में सालों लग जाते हैं। कभी-कभी तो टूटा विश्वास फिर कभी हासिल भी नहीं किया जा पाता। गहरी सांस लेकर लिखने की आदत डालना अच्छा है। इस मसले पर सोचा-समझा जा सकता है कि ऐसा क्यों लगा कि किसी को धोखा दिया जा सकता है, धोखे में रखा जा सकता है। अगर हमारे आसपास कोई ऐसा है जो समझ सकता है, तो उससे साथ अपनी बात साझा करें। कुछ ऐसा किया जाए, जो आप बचपन में किया करते थे। जगमगाते माल में जाने के बजाय किसी बगीचे में घूम आएं।

आंतरिक जागरूकता, बुद्धि, समझ को बढ़ाने से सफलता अपने आप मिलेगी। सात रंगों के इंद्रधनुष, सप्ताह के सात दिन, सात समुद्र, सात द्वीप पहले इन छोटी-छोटी बातों को भी कितनी उत्सुकता से सुनते-समझते थे, उनका आनंद लेते थे। पांच-सात साल के बच्चे जिस तरह से खुश हो जाते हैं, जिस तरह माफ कर देते हैं, जिस तरह छोटी-छोटी बातों को भुला देते हैं। हम भी ऐसा करके देखें। अधिक बोझ लेकर चलने से जीवन का सफर बोझिल ही होगा। अपने उन सारे बोझ को कम कर दिया जाए, जो तकलीफ दे रहे हैं। थोड़ा हंसते-खेलते जीना सीखना चाहिए। बहुत भाग लिया, अब उस खिलखिलाहट को अपने जीवन में फिर ले आया जाए जो बचपन का हिस्सा थी, जो कभी जीवन का हिस्सा थी।

संसद भवन के उद्घाटन पर मोदी-विरोध की राजनीति क्यों?

नौ वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा विरोध मोदी का हुआ, शायद पहले कभी किसी प्रधानमंत्री का नहीं हुआ। मोदी का विरोध कोई नयी बात नहीं है। आश्चर्य इस बात का है कि विरोध की तीव्रता एवं दीर्घता के बावजूद मोदी के अस्तित्व पर कोई आंच नहीं आयी। हां, इन स्थितियों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेदों की खाई बहुत ज्यादा चौड़ी हो चुकी है। दोनों के बीच विश्वास का संकट पैदा हो गया है। यही चिंता की सबसे बड़ी बात है और एक आदर्श एवं सफल लोकतंत्र को कमजोर करने की द्योतक हैं। प्रधानमंत्री की आलोचना करना विपक्ष के लिए आसान हो सकता है लेकिन उनके त्याग को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है। ऐसे में विपक्ष को भगवान सद्बुद्धि दें।

ललित गर्ग
स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान बढ़ रहा है, वहीं भारत में लोकतंत्र के इतिहास की एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक घटना का बहिष्कार करते हुए समूचा विपक्ष भारतीय लोकतांत्रिक उजालों पर कालिख पोतने का प्रयास कर रहा है। यह समय न केवल नये संसद भवन के उद्घाटन बल्कि लगातार दुनिया में भारत एवं उसके महानायक के सम्मान की घटनाओं को लेकर गर्व एवं गौरव करने का है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन ऐतिहासिक क्षणों को यादगार बनाते हुए विपक्ष विवेक एवं परिपक्व सोच का परिचय देने की बजाय संकीर्ण, बिखरावमूलक एवं विनाशकारी राजनीति का परिचय दे रहा है। अब यह लगभग तय हो चुका है कि लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह से विपक्ष के 19 दल गायब रहेंगे। इन विपक्षी दलों ने बाकायदा घोषणा कर दी कि वे रविवार को होने वाले इस समारोह का बहिष्कार करेंगे। कारण यह है कि संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों करना तय किया गया है, जबकि विपक्षी दलों के मुताबिक यह काम राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी जापान, पापुआ न्यू गिनी और आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सम्मान मिला, वह हर भारतीय को अभिभूत कर देने वाला है। यह सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। यह सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दशार्ता है। सौ साल में आई भयंकर कोरोना महामारी, दूसरी तरफ युद्ध की स्थिति में बंटा हुआ विश्व और संकट भरे माहौल को प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से सम्भाला इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा। पूर्व के छोर पर स्थित छोटे से देश पापुआ न्यू गिनी जैसे अनेक जरूरतमंदों देशों की भारत ने मदद कर मानवता का उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पापुआ न्यू गिनी पहुंचने पर सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी राष्टाध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हैं। किसी जमाने में पेशावर से पापुआ न्यू गिनी तक हिन्दू संस्कृति का साम्राज्य था। पांव छूने की इस घटना ने हमारी उस प्राचीन संस्कृति को एक बार फिर से मजबूत कर दिया। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। उनको मिले सम्मान से हर भारतीय अभिभूत एवं गौरवान्वित हैं, स्वस्थ राजनीतिक धर्म का पालन करते हुए तमाम विवादों के रहते विपक्ष को उनको मिल रहे सम्मान का स्वागत करना चाहिए। लेकिन सम्मान तो दूर की बात उनके द्वारा संसद भवन के लोकार्पण करने के कारण ही इस ऐतिहासिक घटना का बायकाट कर विपक्ष ने अपने विपक्षी धर्म को धुंधलाया है, जो शर्म एवं लज्जाजनक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन में जबरदस्त बोडिंग दिखी। बाइडेन और मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि ह्यह्यआप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। अमेरिका में आपके कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अनेक बड़ी-बड़ी हस्तियां मेरे से टिकट उपलब्ध करने के लिए सिफारिशें कर रही हैं। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए। ह्ह्ह आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर पूरा स्टेडियम इंडिया-इंडिया के शोर से गूंज उठा उसे देखकर आस्ट्रेलियाई पीएम को भरे मंच से कहना पड़ा की मोदी ही बॉस हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियां जिसे इतना सम्मान दे रही है, ऐसे युगपुरुष के करकमलों से संसद भवन का उद्घाटन होना सौभाग्य की बात है। इस सौभाग्य को घटित होते हुए देखना एवं उसमें शामिल होने का भाव विपक्ष में जागना, कहीं-न-कहीं विपक्ष को उजाले साये ही देता। लेकिन जो अंधेरे सायों से प्यार करते हैं, उनकी आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से ही एलर्जी है। तरस आता है विपक्ष की बुद्धि एवं विवेकहीनता पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करता है, आकाश में पैबंद लगाना चाहता हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीति रूपी सागर की यात्रा करना चाहता हैं।

नरेन्द्र मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है। विरोध करने वाले दल एवं राजनेता स्वयं भी इस बात को महसूस करते हैं। फिर भी वर्ष 2024 के चुनावों के मध्यनजर जनता को गुमराह करने के लिये और उसका मनोबल कमजोर करने के लिये वे उजालों पर कालिख पोत रहे हैं, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावना है। विपक्षी दल एवं उनके नेताओं को सद्बुद्धि आए, वे अपना श्रम एवं श्रम सार्थक एवं उद्देश्यपरक राजनीति को मजबूत करने में लगाये तो भारत का लोकतंत्र ज्यादा सुदृढ़ होगा। विरोध ही करना हो तो स्तर का विरोध करें, क्योंकि लोकतंत्र में स्तर का विरोध एवं आलोचना का स्वागत है और इससे लोकतंत्र को मजबूती ही मिलती हैं। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति द्वारा नये संसद भवन के उद्घाटन का सुझाव दिया, सही है। लेकिन इसको लेकर जो जड़ता एवं हठधर्मिता का प्रदर्शन किया, वह गलत है। विपक्ष का यह कहना है कि प्रधानमंत्री सदन का हिस्सा और शासन प्रमुख होने के नाते अक्सर विपक्ष के निशाने पर रहते हैं और उन्हें उस तरह की निर्विवाद हैसियत हासिल नहीं होती, जो संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राष्ट्रपति को प्राप्त होती है। लेकिन यहां बड़ा सवाल यह है कि इस सुझाव पर विपक्ष को सामान्य स्थिति में कितना जोर देना चाहिए था। क्या इसे इस सीमा तक खींचना जरूरी था कि उस आधार पर समारोह का ही बहिष्कार कर दिया जाए? निश्चित रूप से विपक्ष की यह हठधर्मिता सहज-स्वाभाविक नहीं कही जा सकती। यह इस बात का सबूत है कि लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने की बजाय प्रधानमंत्री का विरोध ही विपक्ष की नियति बन गयी।

पंजाब का टीचिंग फेलो घोटाला, अटकी जांच

यदि ऐसी वेबसाइट बनाई गई होती तो सतर्कता ब्यूरो को पात्र और कुपात्र उम्मीदवारों का विवरण एकत्रित करने में कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता। साफ है कि शिक्षक भर्ती घोटाले में नीचे से ऊपर तक नियमों का उल्लंघन किया गया है। इस पुराने घोटाले में अगर विजिलेंस अब भी सिर्फ रिकॉर्ड जुटाने में लगा रहेग६ा तो कुछ हाथ नहीं आएगा। घोटाले की जड़ तक पहुंचने के लिए विजिलेंस को इस घोटाले की बारीकियों पर भी गौर करना होगा, जिससे विजिलेंस ब्यूरो घोटाले में शामिल बड़ी मछलियों तक पहुंच सके।

रजनीश कपूर
लेखक

प्रादेशिकी-केवल छोटी मछलियों को ही सजा मिलती है और बड़ी मछलियाँ निडर हो कर खुलेआम घूमती हैं। जब भी कोई बड़ा घोटाला सामने आता है तो आम जनता को इस बात का भरोसा नहीं होता कि घोटाले में लिप्त बड़ी मछलियाँ कानून के शिकंजे में कैद हो पायेंगी। इस बात के सैंकड़ों उदाहरण आपको बड़ी आसानी से मिल जाएँगे। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि प्राथमिक जाँच क्रेन वाले अधिकारी ही जाँच का रुख गलत दिशा में मोड़ देते हैं। नतीजतन घोटाले में लिप्त केवल छोटी मछलियों को ही सजा मिलती है और बड़ी मछलियाँ निडर हो कर खुलेआम घूमती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ 2007 के पंजाब के टीचिंग फेलो भर्ती घोटाले में। टीचिंग फेलो घोटाला पिछले कई दिनों से पंजाब में चर्चा में है। कारण है, इस घोटाले में पंजाब विजिलेंस विभाग द्वारा कार्यवाही करना। विजिलेंस विभाग ने टीचिंग फेलो घोटाले में लिप्त शिक्षा विभाग के 5 कर्मचारियों को रिमांड पर लेने के बाद जेल भेज दिया। गौरतलब है कि कि चार साल पहले शुरू हुई विजिलेंस की जांच टीम आज तक मामले के रिकॉर्ड जुटाने में ही अटकी हुई थी।

यदि टीचिंग फैलोशिप भर्ती प्रक्रिया का रिकॉर्ड तैयार करने में शुरू से ही पारदर्शिता बरती गई होती तो भर्ती प्रक्रिया में शामिल हर अधिकारी और कर्मचारी के साथ-साथ भर्ती किए गए हर शिक्षक का पूरा रिकॉर्ड और ब्योरा विजिलेंस ब्यूरो के पास होता। परंतु कड़वा सच यह है कि इस मामले की शुरूआत से, यानी 2007 से ही घोटाले के सूत्रधारों द्वारा ऐसी कोशिशें शुरू कर दी गई थी कि भविष्य में अगर कोई जांच हो तो इस घोटाले की कड़ियाँ आसानी से न जुड़ सकें। इस घोटाले के दस्तावेजों से यह पता चलता है कि मामले की शुरूआत में ही निदेशक शिक्षा विभाग (एलिमेंट्री) द्वारा जारी निदेशों के तहत 18 जनवरी 2008 को विभिन्न जिलों के शिक्षा अधिकारियों (प्रारंभिक) को टीचिंग फेलो की चयन समितियों के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद पंजाब के शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को चयन समितियों के गठन का जिम्मा सौंपा। सूत्रों के अनुसार विभिन्न जिलों में गठित चयन समितियों के सभी सदस्यों के नाम शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा ही भेजे गए थे।

विभिन्न जिलों में चयन समिति के सदस्यों की संख्या अलग-अलग थी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अलावा उपायुक्त कार्यालय से संबंधित प्रथम श्रेणी के अधिकारी, जिला सैन्य कल्याण बोर्ड से संबंधित अधिकारी या उनके प्रतिनिधि, जिला कल्याण बोर्ड का कोई प्रतिनिधि या अधिकारी और जिला खेलकूद विभाग का कोई प्रतिनिधि या अधिकारी भी चयन समिति के सदस्य के रूप में भर्ती प्रक्रिया की निगरानी और चुनावी प्रक्रिया में धोखाधड़ी की गुंजाइश को रोकने के लिए नियुक्त किया गया था। आवेदकों के चयन एवं पात्रता की जांच के लिए पंजाब शिक्षा विभाग द्वारा चयन समिति के अलावा प्रति हजार आवेदकों पर दो मूल्यांकनकर्ता एवं दो चेकर भी नियुक्त किये गये थे। जिनका कार्य प्रतिदिन कम से कम एक सौ आवेदन पत्र एवं आवेदकों द्वारा दिये गये प्रमाण पत्रों की जांच करना था। यह टीचिंग फेलो के आवेदनकताओं की योग्यता सुनिश्चित करने के लिए था। लेकिन यदि इन मूल्यांकनकताओं और चेकर्स ने अपना काम ईमानदारी से किया होता तो फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर नौकरी पाने की कोई गुंजाइश न होती। उम्मीद है कि अब तक चयन समिति में नियुक्त शिक्षा विभाग के कर्मचारियों, मूल्यांकनकताओं, चेकर्स और विभाग के बाहर नियुक्त अधिकारियों का विवरण विजिलेंस ब्यूरो द्वारा प्राप्त हो गया होगा। लेकिन यह विवरण विजिलेंस द्वारा अपनी जांच को आगे बढ़ाने के लिए एक कदम तो हो सकता है परंतु मंजिल नहीं। क्योंकि इस भर्ती प्रक्रिया में जिस तरह से नियमों की अनदेखी की गई है उससे साफ है कि मामले में बड़ी मछलियों की संलिप्तता और भागीदारी ज्यादा अहमियत रखती है। यह तो नहीं कहा जा सकता कि निचले स्तर के अधिकारियों ने इस मामले में फायदा नहीं उठाया। परंतु इस बात को भी नहीं नकारा जा सकता कि निचले स्तर के अधिकारियों ने उच्च स्तर के अधिकारियों के दबाव में काम न किया हो।

टीचिंग फेलो की भर्ती प्रक्रिया के संबंध में तत्कालीन राज्यपाल द्वारा 16 जनवरी 2008 को दिए गए लिखित आदेशों की प्रथम पंक्ति में यह बात स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि भर्ती प्रक्रिया के कोऑर्डिनेटर शिक्षा विभाग के निदेशक होंगे। भर्ती प्रक्रिया की पूर्ण जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। इसी आदेश में भर्ती प्रक्रिया के लिए नियुक्त चयन समितियों के संबंध में निर्देश भी दिए गए जिसमें मूल्यांकनकर्ता का काम उम्मीदवारों की योग्यता और प्रमाण पत्रों का मूल्यांकन करना होगा। चेकर्स का काम इन प्रमाणपत्रों की जांच करना होगा।

अगर मूल्यांकनकताओं और चेकर्स यानी जांचकताओं ने अपना काम ईमानदारी से किया होता तो टीचिंग फेलोज भर्ती घोटाला सामने नहीं आता क्योंकि प्रत्येक आवेदक के प्रमाण पत्रों की जांच तभी कर ली गई होती। भर्ती किये गये सभी चयनित टीचिंग फेलोज और प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों का विवरण एक वेबसाइट पर प्रकाशित करने के निर्देश भी दिये गये थे, लेकिन यह वेबसाइट बनाई ही नहीं गई। यदि ऐसी वेबसाइट बनाई गई होती तो सतर्कता ब्यूरो को पात्र और कुपात्र उम्मीदवारों का विवरण एकत्रित करने में कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता।

गुणवत्ता ने बढ़ायी सरकारी स्कूलों की साख

मनोज कुमार

एजुकेशन किसी भी स्तर का हो, हमेशा इस बात की चिंता की जाती रही है कि शिक्षा का स्तर सुधरे कैसे? खासतौर पर कोरोनाकाल के कारण जो स्थितियां उत्पन्न हुई थी, वह भयावह थी। महीनों तक स्कूल का कपाट तक नहीं देख पाने वाले बच्चे स्कूल जाने से डरने लगे थे। उनमें एकाकीपन भर आया था और तिस पर प्रायवेट स्कूलों की मनमानी से पालक चिंता में थे। यह बात भी सच है कि कोरोना काल में लोगों की आय में ना केवल गिरावट हुई बल्कि बड़ी संख्या में लोगों से रोजगार छीन गया। ऐसे में घर चलाने की चुनौती के बीच बच्चों के सुखद भविष्य की कामना से दुविधा की स्थिति में पालक थे। उनके सामने विकल्प के रूप में सरकारी स्कूल था और ज्यादतर पालकों ने मन मारकर निजी स्कूलों की मनमानी से तंग आकर सरकारी स्कूलों में दाखिला दिया। इन सबके बीच उनके मन में कई सवाल थे कि सरकारी स्कूल में उनका बच्चा कैसे पढ़ेगा और कैसे अपने भविष्य को संवारेगा लेकिन जब परीक्षा परिणाम आया तब सारे धुंध छंट गए थे. पालकों की सारी आशंका निर्मूल साबित हुई और बच्चे अच्छे नम्बरों से परीक्षा उत्तीर्ण कर गए। कोरोनाकाल में बच्चों की शिक्षा बाधित ना हो इसके लिए राज्य शासन द्वारा अनेक स्तरों पर नवाचार किया गया। इस कठिन समय में बिना विद्यालय बुलाए बच्चों को उनके घर में ही पढ़ाना एक बड़ी चुनौती थी लेकिन हर संकट का समाधान होता है सो इसका समाधान भी तलाश कर लिया गया। विकल्प के तौर पर हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम संचालित किया गया। इस अभिनव प्रयोग में शिक्षकों द्वारा 4-5 विद्यार्थियों का समूह बनाकर उन्हें उनके द्वारा चिन्हित स्थान पर उनकी आवश्यकता अनुसार शिक्षा दी गई। इसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी हुआ और विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से शिक्षित भी किया जा सका। कार्यक्रम से जनसमुदाय को भी प्रेरणा मिली और पालकों ने पूरा सहयोग दिया। इसी क्रम में ह्यअब पढ़ाई नहीं रूकेगी थीम पर रेडियो प्रसारण तथा डिजिटल ग्रुप के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई के लिये शिक्षक प्रयासरत रहे। प्रतिदिन प्राप्त होने वाली सामग्री छात्रों का उपलब्ध कराकर उनसे गृहकार्य करवाया जाता है। रेडियो स्कूल कार्यक्रम के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ाया गया। जिन ग्रामों और घरों में रेडियो नहीं थे, वहां शिक्षकों ने लाउड स्पीकर के माध्यम से बच्चों तक स्कूल पहुंचाया। कोरोना संक्रमण की परवाह किये बिना विद्यार्थियों के भविष्य के लिये कई शिक्षकों ने आशातीत प्रयास किये हैं। यही नहीं, समाज में शिक्षक का पद सबसे ऊंचा क्यों होता है, इस संकटकालीन परिस्थिति में देखने को मिला। राज्य के कई स्थानों पर शिक्षकों ने अपना दायित्व की पूर्ति करते हुए पीछे नहीं हटे। इनमें उल्लेखनीय कार्य करने वाले खंडवा के शासकीय प्राथमिक विद्यालय भकराड़ा की शिक्षिका ने अपने विद्यार्थियों को घर-घर पहुंचकर पढ़ाया तो रायसेन जिले के ग्राम शालेगढ़ की प्राथमिक शाला के शिक्षक नीरज सक्सेना ने मोहल्ला क्लास लगाकर बच्चों को पढ़ाया। उन्होंने अपने स्कूल की फुलवारी और शैक्षिक वातावरण से सजाया-संवारा जिसके लिये भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय ने उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाया। मंदसौर के बावड़ीकला चंद्रपुर गाँव के प्राथमिक स्कूल के शिक्षक रामेश्वर नागरिया दिव्यांग होने के बावजूद अपनी तिपहिया स्कूटर से अलग-अलग बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को पढ़ाते हैं। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संजय जैन ने टीकमगढ़ जिले के डूंडा माध्यमिक स्कूल के बच्चों को डिजीटल शिक्षा से जोडे के लिये समाज के सहयोग से लैपटॉप एवं अन्य साधन जुटाए, शाला परिसर को सुंदर बनाया जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि जाग्रत हुई। यही नहीं, शिक्षा को विस्तार देने के लिए मध्यप्रदेश में राज्य के आखिरी छोर पर बसे किसी गांव के बच्चे के लिए किसी महंगे प्रायवेट स्कूल में पढे की लालसा एक अधूरे सपने की तरह था। दिल्ली दूर है कि तर्ज पर वह अपनी शिक्षा उस खंडहरनुमा भवन में पूरा करने के लिए मजबूर था जिसे सरकारी स्कूल कह कर बुलाया जाता था। बच्चों के इन सपनों की बुनियाद पर प्रायवेट स्कूलों का मकडजाल बुना गया और सुनियोजित ढंग से सरकारी स्कूलों के खिलाफ माहौल बनाया गया। शिक्षा की गुणवत्ता को ताक पर रखकर भौतिक सुविधाओं के मोहपाश में बांध कर ऊंची बड़ी इमारतों को पब्लिक स्कूल कहा गया। सरकारें भी आती-जाती रही लेकिन सरकारी स्कूल उनकी प्राथमिकता में नहीं रहा। परिवर्तन के इस दौर में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने राज्य में ऐसे स्कूलों की कल्पना की जो प्रायवेट पब्लिक स्कूलों से कमतर ना हों। मुख्यमंत्री चौहान की इस सोच में प्रायवेट पब्लिक स्कूलों से अलग अपने बच्चों के सपनों को जमीन पर उतारने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना हैं। इसी सोच और भरोसे की बांहें थामे मध्यप्रदेश के सुदूर गांवों से लेकर जनपदीय क्षेत्र में सीएम राइज स्कूल की कल्पना साकार होने चुकी हैं। अनादिकाल से गुरुकुल भारतीय शिक्षा का आधार रहा है लेकिन समय के साथ परिवर्तन भी प्रकृति का नियम ह। इन दिनों शिक्षा की गुणवत्ता पर चिंता करते हुए गुरुकुल शिक्षा पद्धति का हवाला दिया जाता है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में गुरुकुल नए संदर्भ और नयी दृष्टि के साथ आकार ले रहा हैं। सरकारी शब्द के साथ ही हमारी सोच बदल जाती है और हम निजी व्यवस्था पर भरोसा करते हैं। हमें लगता है कि सरकारी कभी असर-कारी नहीं होता हैं।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा पश्चिमी मंडल की बैठक आयोजित

मुजफ्फरपुर गायघाट प्रखंड क्षेत्र के बाघाखाल पंचायत में भाजपा पश्चिमी मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत वंदे मातरम् गान के से किया गया। इसके बाद पंडित दीन दयाल उपाध्याय एवं श्यामा मुखर्जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर बैठक की शुरूआत की गई। इस मौके पर विधान सभा के संयोजक अशोक कुमार सिंह ने केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। बैठक उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 30 मई से लेकर 30 जून तक क्षेत्र में महा जनसंपर्क अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कार्यकताओं से पुरी ऊर्जा एवं निष्ठा से लगने के आह्वाहन किया। इस मौके पर भाजपा नेता विजय कुंवर राघवेंद कुमार सिंह, महामंत्री अभय कुमार सिंह, भिखारी सिंह, विजय सिंह जय शंकर सिंह ओमप्रकाश चौधरी, सुखचन राम, किशोर ठाकुर आदी मौजुद थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोशाक राशि वितरित

बखरी, बेगूसराय। राटन पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 84, 85, एवं 86 पर बच्चों के बीच पोशाक राशि का वितरण किया गया। इस दौरान बाल विकास कार्यालय से महिला पर्वेक्षिका रंजिता कुमारी, प्रखण्ड समन्वयक राज कुमार, सेविका जयंती कुमारी, अनिता कुमारी एवं कोमल कुमारी, उप मुखिया अजीत कुमार, वार्ड सदस्या रीता देवी की उपस्थिति में प्रत्येक केंद्र के 40-40 बच्चों के बीच 400 सौ रुपए के दर से वितरण किया गया। मौके पर ममता कुमारी, काजल कुमारी, किरण देवी, सुशीला देवी, रीना देवी, बबिता देवी, सीमा देवी, बुलबुल कुमारी, राजदीप कुमार, साहेब महतों आदि के अलावे पोषक क्षेत्र के बच्चे मौजूद थे।

बाबा साहेब अम्बेडकर पर परिचर्चा का आयोजन

मुजफ्फरपुर गायघाट प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में राजद का एक दिवसीय अंबेडकर परिचर्चा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य रूप से बाबा साहेब डॉ भीम राव अम्बेडकर की मनोस्मृति एवं लोकतंत्र पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक निरंजन राय ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी नीति सिर्फ लड़ाने वाली है। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी सिर्फ एक धर्म को लेकर चलने वाली पार्टी है वह भूल गई हैं कि अपना राष्ट्र धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री के 9 वर्ष पूरे होने के बाद बीजेपी क्या गुणगान करेंगे, जहां रसोई गैस का दाम आसमान छू रहा हो पेट्रोल की कीमतें कई गुनी बढ़ गई हो युवा बेरोजगार हैं। अपराध का ग्राफ चरम सीमा पर है पूरा देश कर्ज में डूब रहा है हर विभाग को निजी करण करके भारतवर्ष को खोखला करने का काम किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रखंड अध्यक्ष पांचू महासेठ एवं संचालन प्रखंड महासचिव राहुल कुमार यादव ने किया। इस मौके पर आपदा प्रबंधन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ पीके चौधरी, प्रदेश महासचिव डॉ विनोद प्रसाद यादव, जिलाध्यक्ष रमेश गुप्ता, सुनील राय, अरविंद राय, मो इफ्तेखार, रेहान शेख, आदर्श सिंह, आदि उपस्थित थे।

बच्चों से काम कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध होगी कठोर कानूनी कारवाई

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिला पदाधिकारी मधुबनी के द्वारा बाल श्रम के विरुद्ध जन जागरूकता हेतु चार प्रचार वाहनों एवं मधुबनी सदर अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत बाल श्रमिकों की विमुक्ति हेतु विशेष धावा दल टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने कहा की 14 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को अनिवार्य शिक्षा दिलाने की जिम्मेवारी हम सबकी है तथा समाज के सभी व्यक्तियों को इस संबंध में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी तभी सब बच्चों का बचपन एवं भविष्य सुरक्षित हो सकता है। इस मौके पर श्रम अधीक्षक राकेश रंजन, सभी प्रखंडों के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी तथा विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि बच्चों से काम कराना अपराध है तथा बच्चों से काम कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध कठोर कानूनी कारवाई की जाएगी। उन्होंने कहा की बच्चों का स्थान स्कूल एवम खेलकूद के मैदान में है न की किसी होटल ढावा मोटर गैरेज एवं फैक्ट्री आदि में है। जिलाधिकारी ने मधबनी जिलें के सभी लोगों से अपील किया की वे किसी भी बच्चें से काम नहीं कराएं। जिला पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मधुबनी जिले में बाल श्रमिकों की विमुक्ति हेतु धावा दल गठित है तथा श्रम अधीक्षक के पर्यवेक्षण में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्डलाइन, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं की समेकित टीम के द्वारा धावा दल के माध्यम से अलग-अलग प्रखंडों में निरीक्षण की कार्रवाई की जाती है तथा बाल श्रमिक के नियोजित पाए जाने पर उन्हें नियमानुसार बिमुक्त कराकर बाल कल्याण समिति मधुबनी के समक्ष उपस्थापित कर उनके पनर्वास की अग्रेतर कार्रवाई की जाती है। साथ ही दोषी नियोजकों के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जाती है एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा एम सी मेहता बनाम तमिलनाडु सरकार में दिए गए आदेश के आलोक में ऐसी दोषी नियोजकों से 20000 प्रति बाल श्रमिक वसूली की जाती है जिसे जिला बाल श्रमिक पुनर्वास सह कल्याण कोष में जमा कराया जाता है तथा यह राशि जमा नहीं कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध नीलाम पत्र वाद अलग से दायर कर राशि की वसूली की कार्रवाई की जाती है।बाल श्रम उन्मूलन दिवस 30 अप्रैल से बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून तक बाल श्रम के विरुद्ध विशेष जन जागरूकता अभियान तथा बाल श्रमिकों की विमुक्ति हेतु लगातार धावा दल चलाया जा रहा है तथा इस अभियान के तहत अब तक झंझारपुर से तीन बाल श्रमिक, फुलपरास से दो बाल श्रमिक तथा राजनगर एवं जयनगर से एक-एक बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया है। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 22-23 में विभिन्न प्रखंडों के अलग-अलग प्रतिष्ठानों से कुल 21 बाल श्रमिकों को बिमुक्त कराया गया है।

श्रम अधीक्षक राकेश रंजन द्वारा बताया गया कि विमुक्त बाल श्रमिकों को श्रम संसाधन विभाग की तरफ से 3000 की तत्काल आर्थिक सहायता राशि दी जाती है तथा इसके अतिरिक्त माननीय मुख्यमंत्री राहत कोष से 25000 की राशि श्रमायुक्त बिहार के माध्यम से प्राप्त होती है जिसे उक्त बाल श्रमिक के खाते में अंतरित कराकर उसका एफडी की राशि सावधि जमा कराया जाता है तथा जिसकी सूद की राशि प्रतिमाह संबंधित बाल श्रमिक के खाते में जाती है तथा एफडी की राशि उन्हें 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर प्राप्त होता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 15 बाल श्रमिकों को 25000 की राशि दी गई है जबकि 19 बाल श्रमिकों को ₹3000 तत्काल आर्थिक सहायता राशि दी गई है तथा 4 बाल श्रमिकों हेतु 25,000 रु प्रति श्रमिक की दर से आवंटन की मांग की गई है तथा आवंटन प्राप्त होते ही सभी को यथाशीघ्र अनुदान राशि का भुगतान करा दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया की सभी बाल श्रमिको को सर्वप्रथम शैक्षणिक पुनर्वास की कारवाई की जाती है तथा इसके अतिरिक्त विमुक्त बाल श्रमिकों के माता-पिता एवं उनके परिवार को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर आच्छादित किया जाता है ताकि विमुक्त बच्चे और उनका परिवार समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें तथा उनके बच्चे पुनः बाल श्रम की ओर नहीं जाए।जिलाधिकारी ने बताया कि बाल श्रम से संबंधित जिला स्तर पर जिला टास्क फोर्स गठित है जिसके माध्यम से बाल श्रमिकों की विमुक्ति एवं पुनर्वास पर सतत निगरानी रखी जाती है। इसके अतिरिक्त मधुबनी जिले के सभी 21 प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया जा चुका है।

शराब की नशे में टिकट काट रहा बरौनी जंक्शन पर बुकिंग क्लर्क गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

बेगूसराय। बिहार में शराबबंदी के बीच एक रेलवे कर्मी सुबह-सुबह शराब के नशे में धुत होकर टिकट काटने के लिए बुकिंग ऑफिस में बैठा था। दरअसल बिहार के बेगूसराय रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की सुबह कोसी एक्सप्रेस ट्रेन के लिए कुछ यात्रियों के द्वारा न्यू बरौनी जंक्शन पर टिकट कटाने के लिए बुकिंग काउंटर पर पहुंचे, तो वहां टिकट काटने वाला शराब के नशे में धुत था। जिस वजह से टिकट तक नहीं काट पा रहा था। इसके बाद यात्रियों ने उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही बरौनी जीआरपी ने न्यू बरौनी जंक्शन पहुंचकर बुकिंग ऑफिस से क्लर्क को गिरफ्तार कर लिया। टिकट बुकिंग क्लर्क की पहचान मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत कांटी थाना क्षेत्र के इसकारीपुर निवासी शत्रुघ्न साह का पुत्र दीपू कुमार के रूप में की गई है। वहीं जीआरपी ने क्लर्क दीपक दीपू कुमार को हिरासत में लेने के बाद सदर अस्पताल पहुंचकर उसकी जांच कराई, तो उसके शराब पीने की पुष्टि की गई है। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।जिससे टिकट नहीं कट रहा था। टिकट क्लर्क को जांच कराने पहुंचे बरौनी जीआरपी के अधिकारी अश्विन कुमार ने बताया कि शराब के नशे में होने की सूचना पर न्यू बरौनी जंक्शन से टिकट क्लर्क को हिरासत में लिया गया और उसकी जांच कराई जा रही है।

मांगों को लेकर शिक्षक संघ ने विधायक का किया घेराव

प्रात: किरण संवाददाता

बेगूसराय। शिक्षक नियमावली 2023 में सरकार संशोधन करें, बिना शर्त पूर्व से बहाल नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी के रूप में समायोजित करते हुए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू की जाए सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदेश में लगातार बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के द्वारा सत्तारूढ़ दल के विधायक आवास को घेरने का काम लगातार जारी है। शिक्षक अपनी मांगों को विधायक को ज्ञापन के रूप में दे रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के बैनर तले चेरियाबरियारपुर विधायक राजवंशी महतो का घेराव उनके बसही स्थित आवास पर किया। घेराव कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष साकेत सुमन, जिला प्रधान महासचिव राम कल्याण पासवान, साकेत कुमार सिंह कर रहे थे। जिला अध्यक्ष साकेत सुमन ने कहा कि नई शिक्षक नियमावली पहले से बहाल शिक्षकों के मान सम्मान के साथ खिलवाड़ है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा देने का वादा किये थे, लेकिन सत्ता में आते ही वह अपने वादे से मुकर गए। सड़क से सदन तक संघर्ष के लिए तैयार हैं। मौके पर प्रधान महासचिव रामकल्याण पासवान ने कहा कि नीतीश सरकार हमेशा से नियोजित शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। पहले से बहाल नियोजित शिक्षकों की हमेशा अनदेखी की गई है। जिसे बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ बर्दाश्त नहीं करेगा। हम सभी शिक्षक पात्रता एवं दक्षता परीक्षा पास हैं। इसलिए किसी दूसरी परीक्षा की जरूरत नहीं है। वहीं विधायक राजवंशी महतो ने कहा कि शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा की मांग जायज है। लेकिन सरकार से बंधे हुए हैं। हमारी गठबंधन की सरकार है। आप लोगों के मांग को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, शिक्षा मंत्री के यहां रखेंगे। हमारा अगर अकेला राजद का सरकार होता तो हम उसको पूरा कर देते। लेकिन गठबंधन की सरकार है तो गठबंधन के अनुसार मिलाकर चलना पड़ता है। हम आपकी आवाज को बुलंदी से मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री के सामने रखेंगे। मौके पर चेरियाबरियारपुर प्रखंड अध्यक्ष डॉ मोहन कुमार, राजेंद्र प्रसाद, साकेत कुमार सिंह, संजय कुमार हिटलर, गणेश कुमार, रामप्रवेश महतो, नवीन कुमार शर्मा, अमित कुमार, धीरज कुमार, सुमन कुमार, निशांत कुमार समेत सैकड़ों शिक्षक उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकथाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कम उम्र में कर दी जा रही बच्चियों की शादी और समय से पहले मां बन खो रही जिंदगी

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। रामगढ़वा प्रखंड के शिवशंकर सिंह हाई स्कूल के प्रांगण में प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण द्वारा बाल विवाह रोक थाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे सभी जन प्रतिनिधि, ग्रामीण महिलाएं पुरुष स्कूली छात्र एवं छात्रा, शिक्षक गण तथा मानव तस्करी रोधी इकाई क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया एसएसबी 47 वीं वटालियन इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा, प्रधानाध्यापक आशीष कुमार की उपस्थिति में बाल विवाह रोक थाम हेतु प्रयास संस्था की आरती कुमारी द्वारा शपथ दिलाई गई और वहां उपस्थित सभी को बाल विवाह से होने वाली दुष्परिणामों को बता कर जागरूक किया गया। साथ ही प्रयास हेल्प लाइन नंबर 9289692023 बताई गई। वही एसएसबी इंस्पेक्टर मनोज कुमार द्वारा बाल विवाह, बाल यौन शौषण, बाल मजदूरी, मानव तस्करी रोक थाम हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। रघुनाथपुर मुखिया जाने आलम द्वारा बच्चे और बच्चियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब हमारे देश के भविष्य हैं।

बाल विवाह जैसी मुद्दों को जड़ से खत्म करने के लिए आप के सहयोग से ही किया जा सकता है। हम आपके साथ ससमय उपस्थित रहूंगा।

वहीं उपमुखिया मनकेश्वर पचौरी द्वारा वहां उपस्थित बच्चो के शिक्षा से जुड़े रहने की अपील की है, ताकी अगर बच्चो शिक्षा से जुड़े रहेंगे तो ये बाल विवाह कभी नहीं हो पाएगा। प्रधानाध्यापक आशीष कुमार द्वारा बच्चो को बताया गया कि यहां पर उपस्थित सभी गणमान्य लोग आप सभी बच्चियों तथा बच्चो का भविष्य सुरक्षित करने के लिए आप के समक्ष उपस्थित हैं।

बाल विवाह एक सभ्य समाज के लिए कलंक है, जो बच्चो की अधिकार को हनन करता है। मौके पर सरपंच अमर साह, समिति, वार्ड सदस्य, हरिमोहन प्रसाद, राजीव रंजन, मो. हसनैन, मो. शादिक, राकेश कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार, इमरान अली, नगीना राम, सोहेल आलम, ग्रामीण, पूनम देवी, सुंदरमन, सीता देवी, शिक्षक, संजय कुमार, कुमार नीरज, नसीबुल हक, पवन कुमार, विनोद पांडेय, जयप्रकाश पांडेय, एसएसबी से अरविंद कुमार, अनिल शर्मा, मिक्की कुमारी, सीमा कुमारी, प्रयास संस्था से विजय कुमार शर्मा, राज गुप्ता, किरण वर्मा, उमेश कुमार श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार तथा स्कूली बच्चे और बच्चियों तथा अभिभावक उपस्थित थे।

इल्म हासिल करना मुसलमानों का पहला फर्ज मौलाना शौकत मदनी

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मौलाना शौकत मदनी ने कहा है कि इल्म हासिल करना मुसलमानों का पहला फर्ज है। इस्लाम में शारीरिक रूप से मजबूत एवं शिक्षित मुसलमान को बेहतर माना गया है। शिक्षा को समाज में स्थापित करने में ऐसे मुसलमानों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। वे माड़ीपुर बक्शी कॉलोनी में एक दिवसीय सालाना इजलास ए आम सह दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

इस अवसर पर इस वर्ष उत्तीर्ण 16 हाफि ज विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं मोमेंटो प्रदान किया गया...साथ ही पूर्व में उत्तीर्ण हुए 84 हाफि ज विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।मौलाना शौकत मदनी ने कहा के ...इस्लाम में शारीरिक रूप से सबसे मजबूत एवं शिक्षित मुसलमान को बेहतर कहा गया है... शिक्षा को समाज में स्थापित करने के लिए ऐसे मुसलमानों योगदान अति महत्वपूर्ण होता है। मौलाना अनायतुल्लह इस्लाही ने कहा के इस्लाम में मर्द और औरत दोनों को इल्म हासिल करना फर्ज. करार दिया गया है।

यह इल्म का ही देन है कि 1400 साल पहले समाज में फैले अंधकार को इस्लाम में इल्म के जरिए हटाया गया और इस्लाम जैसा एक आधुनिक जीवन संहिता अमल में आया।

हाफि ज मोहमद इरशाद ने कौम ए मिल्लत को नौजवानों की कितनी जरूरत है उसपर प्रकाश डाला...कहा के वेगैर नौजवनो के भागीदारी के कोई क्रांति आ नहीं सकता ...नौजवनो को जागरूक रहने की अपील की ....कौम के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी नौजवानों पर है ।मौलाना मोती उर रहमान चतुवेर्दी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि कैसे हम सब पंथों एवं मतांतर के श्रेष्ठता से उपर उठ कर एक साथ मिल कर काम कर सकते है....कौम मिल्लत के उन्नति का राह आसान कर सकते है।

जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात कर अधिकारियों को त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिले भर से आए परिवादियों से मुलाकात की गई और न केवल उनकी शिकायतों को सुना गया बल्कि, सबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन के निर्देश भी दिए गए। बताते चलें कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में आज कुल 103 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ आए थे। हमेशा की तरह सबसे अधिक शिकायतें भूमि विवाद से संबंधित रहीं। वहीं, कई लोग अपनी निजी समस्यायों के निराकरण हेतु भी आए थे। ऐतिहासिक सौराठ सभा समिति के सचिव डॉ शेखर चंद्र मिश्र द्वारा जिलाधिकारी को आवेदन देकर सौराठ सभा गाछी के सांस्कृतिक इतिहास की संक्षिप्त जानकारी दी गई और सरकारी स्तर पर सौराठ महोत्सव मनाए जाने की मांग की गई। मधेपुर प्रखंड के महियापट्टी के मो कमरूल ने उनकी निजी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराए जाने का अनुरोध किया। रहिका प्रखंड के ग्राम पंचायत राज रहिका के वार्ड नंबर 11 के बाशिंदों द्वारा उनके वार्ड के नल जल को दुरुस्त किए जाने की मांग की गई। मधेपुर प्रखंड के बकुआ निवासी रौशन कुमार यादव द्वारा वार्ड संख्या 02 में विकास कार्यों की अनदेखी की चर्चा करते हुए इसमें प्रगति लाने की गुहार लगाई। राजनगर के बेल्हवार के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से उनके गांव के सरकारी तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने की मांग की। बेनीपट्टी प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय नवटोली करही के विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष द्वारा विद्यालय की भूमि को अतिक्रमण से मुक्ति कराए जाने की गुहार लगाई।जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी बारी सारी शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

मुझे कोई अपराधी कहता है तो दिल में दर्द होता है

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर लम्बे समय बाद जेल से बाहर आए पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा है कि जब उन्हें अपराधी कहा जाता है तो दिल में दर्द होता है। उन्होंने कहा कि यदि मैं जेल से बाहर निकला हूं तो अपने बाप के खेत के लिए नहीं निकला हूं। उसमें भी आपके अस्मिता की लड़ाई थी। वे आगामी नवम्बर महीने में पटना में आयोजित रैली में लोगों को आमंत्रित करने के लिए बिहार के तमाम जिलों में जा रहे हैं।इसी सिलसिले में वे आज मोतीपुर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि हमको कोई कुछ भी कहेगा ,कोई फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन जब अपने कहेंगे जिनके लिए लड़ाई लड़े। जिनके लिए चोरी किए वहीं कहेगा चोरा तो दिल दुखता है। मैं झेलता रहा हूं और आगे भी झेलता रहूंगा मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है।इसके आगे आनंद मोहन ने कहा कि, किसी गरीब से या किसी वंचित से, किसी शोषित से, किसी दलित से मेरी लड़ाई रही है। मैं बगल में शिवहर से था साबित कर दें कि मैंने ऐसा काम किया। मैं महेषी से जहां 7000 वोट थे राजपूतों के वहां आनंद मोहन जीता 62000 वोटों से। इसी गरीब, दलित और वंचित समाज के वोटों से हमें हमेशा आशीर्वाद मिलता रहा है। आनंद मोहन ने कहा कि मैं पूरी तरह से खुली किताब हूं। आप लोगों के सामने हैं। लकिन इतना जरूर कहना है कि अब इन साजिशों के खिलाफ, इन गालियों के खिलाफ, इस अपमान के खिलाफ, इन जिल्लत के खिलाफ, डरने वाले नहीं हैं। हमने तय किया है जो हमसे प्यार करते हैं वह 10 लाख से अधिक भीड़ की संख्या में गांधी मैदान में जुटेंगे। आपको बताते चलें कि, आनंद मोहन ने कहा किनवंबर में पटना के गांधी मैदान में एक बड़ी रैली की तैयारी चल रही है। जिसमें 10 लाख से अधिक लोग शामिल होंगे। नवंबर में होने वाली रैली की तैयारी को लेकर अभी से ही न्यौता दिया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उस रैली में पहुंचे।

भाजपा के नगर और ग्रामीण मण्डल कार्यसमिति कार्यकताओं की बैठक आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर में भाजपा नगर और ग्रामीण मण्डल कार्यसमिति कार्यकताओं की विशेष बैठक विधायक अरुण शंकर प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि सह ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष उद्धव कुंवर और संचालन जिला उपाध्यक्ष अमरेश झा एवं नगर अध्यक्ष सूरज गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यकताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा सरकार 09 वर्ष पूर्ण कर रही है। जो हम सभी के लिए काफी हर्ष का विषय है। केंद्र सरकार के द्वारा सबका साथ सबका विकास के तर्ज बिना भेदभाव के केंद्र सरकार के द्वारा शहर से लेकर गांव तक विभिन्न जन लाभकारी योजनाओं को चला रही है और कई विकास कार्य किये जा चुके है ।जिसका लाभ आम जन ले रहे है एवं कई विकास कार्य निरंतर जारी है। पुनः देश मे भाजपा की सरकार बनेगी। ईस अवसर पर 30 मई से 30 जून तक भाजपा कार्यकताओं के द्वारा क्षेत्र में आम जनों से मिलकर केंद्र सरकार की विकास कार्यों की जानकारी देंगे। 30 मई से 30 जून तक भाजपा संगठन द्वारा मण्डल शक्ति केंद्रों और बूथों पर कार्यक्रम आयोजित कर विशेष जनसंपर्क अभियान क्षेत्र में कार्यकताओं के द्वारा किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार गरीब शोषित एवं वंचितों के कल्याण हेतु समर्पित है। जहां देश का गौरव विश्व पटल पर लगातार बढ़ रहा है वहीं सांस्कृतिक विरासत को प्राथमिकता के आधार पर प्रतिस्थापित होते हुए हम सब देख रहे हैं। आधारभूत संरचना को मजबूत करते हुए नए भारत के सपने को साकार कर रही है।इस अभियान के अंतर्गत व्यापक जनसंपर्क, लाभार्थी संपर्क, समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क, वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क जैसे लोकसभा, विधान सभा एवं बूथ स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे उद्देश्य यही है कि जिनके माध्यम से केंद्र सरकार की नीतियों एवं उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाना है। वही 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 10 लाख बूथों पर सूचना एवं व्यापक संवाद कार्यक्रम भी आयोजित होगी। बैठक में जिला महामंत्री ज्योति नारायण मंडल प्रमिला पूर्वे किशुनदेव सहनी अरविंद तिवारी गणेश पासवान रामकुमार सिंह सुरेश प्रसाद पंकज सिंह राठौड़ राजेश गुप्ता मोतीलाल यादव नागेश्वर सिंह योगेन्द्र साह गोपाल सिंह गीता प्रसाद , रूपमाला देवी,नीलेश सिंह, रमेश झा, शम्भू महतो, अजय पूर्वे, कैलाश झा, सुधीर खर्गा, धीरेन्द्र झा , सुमित कर्ण, गोपाल सिंह, समेत बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया।

झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ कमिटी की बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ की बैठक आर्या होटल लालपुर रांची के सभागार हुई। बैठक की अगुवाई हमारे संघ के मुख्य संरक्षक उदय शंकर प्रसाद के साथ में प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु ने उपस्थित पदाधिकारियों को बताया कि अखिल भारतीय शौंडिक सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन दिनाक 24 सितंबर 2023 को मोराबादी संगम गार्डेन हाल में होगी। राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजक झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ अपने अगुवाई में करेगी। इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए झारखंड प्रदेश के साथ ही दिल्ली, बिहार, उड़ीसा,तेलंगाना, छतीसगढ़,मध्यप्रदेश,बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, और पड़ोसी देश नेपाल के अनेक गणमान्य अतिथिगण अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने वाले हैं, जिसकी सहमती संपर्क करने पर दूरभाष पर हमारे कार्यक्रम प्रभारी को अपनी सहमती दी है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक सुनील साहु ने बताया है की प्रथम चरण में सम्मेलन की तैयारी शुरू हो गई है, जिसमें प्रदेश महामंत्री उमेश साहु जी, कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु,एवम संयोजक बीरेंद्र साहु जी पूरी टिम के साथ सम्मेलन तैयारी पर समन्वय बनाकर कर हर पखवारा में तैयारी की समीक्षा करेगी। समिति कार्यक्रम में आगत अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेज रही है। बैठक में कुछ प्रमुख मुख्य बिंदुओं में शौंडिक संघ का सामाजिक उत्तरदायित्व, वर्तमान राजनीतिक छेत्र में राजनीतिक दलों में हमारी भागीदारी, शौंडिक समाज के युवाओं की दशा और दिशा पर चर्चा, समाज में जरूरतमंद को वैवाहिक सहयोगिता, एवम महिलाओं को संगठित कर जागरूक करने पर कार्य किया जा रहा है।आज के समीक्षा बैठक में मुख्य संरक्षक उदय शंकर प्रसाद जी, संरक्षक दिलिप गुप्ता, बिनोद गुप्ता, कुमुद प्रसाद साहु, अरुण गुप्ता, दुर्गेश प्रसाद साहु, प्रकाश कुमार साहु, प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु,प्रदेश महामंत्री उमेश साहु, प्रदेश कोशाध्यक्ष निशांत गुप्ता, मुख्य कार्यक्रम संयोजक सुनिल साहु, संयोजक बीरेंद्र साहु, मुख्य कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु, रमण कुमार साहु, रमेश प्रसाद साहु, शैलेन्द्र कुमार,मुकेश साहु,प्रेम कुमार, असीम कुमार साहु, मिथिलेश साहु, अजीत साहु, राजन साहु, प्रशान्त गुप्ता, कुणाल शाह बंटी, राज किशोर मंडल, अरुण देव कुमार, ने अपनी उपस्थिति में कार्यक्रम के रुप रेखा पर चर्चा करते हुए कहा की सम्मेलन में महिलाओं की भागीदारी भी होने जा रही है साथ ही शौंडिक समाज अपने राष्ट्रीय सम्मेलन में वैश्य समाज के अन्य उप जाति के एक एक प्रतिनिधिमंडल को अपने कार्यक्रम में निमंत्रित करेगी। प्रदेश के ज़िला मुख्यालय में कार्यक्रम के प्रचार प्रसार के लिए पोस्टर बैनर लगेंगे। धन्यवाद ज्ञापन उदय साहु ने दिया और कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

संक्षिप्त खबरें

सर्जरी विभाग में भर्ती एक महिला की हुई मौत

भागलपुर। मायागंज अस्पताल के सर्जरी विभाग में इलाजरत एक महिला की मौत हो गई हैं। मृत महिला को लेकर बताया जा रहा है कि जगदीशपुर थाना क्षेत्र के खरवा गांव में करंट लगने से रिंकू देवी को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल के सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान अचानक उसकी हालत गम्भीर हो गई और चिकित्सकों की जांच के क्रम में उसे मृत घोषित कर दिया गया है। वही मामले को लेकर मृतका रिंकू के पति का कहना है कि विगत दिनों पड़ोस के चुलाही पासवान के साथ थूक फेंकने को लेकर आपस में विवाद हुई थी, जिसको लेकर उन लोगों के द्वारा जान मारने की धमकी दी थी, वही देर रात चुलाही पासवान के पुत्र के द्वारा खेत में बिजली का तार लगा दिया गया था और जब सुबह मेरी पत्नी खेत में पानी पटावन के लिए निकली थी, जहां उक्त बिजली के तार से उसे करंट लग गया और वह गम्भीर रूप से घायल हो गई। वहीं परिजनों के द्वारा आनन फानन में उसे इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं मृतिका रिंकू के परिजन द्वारा अपने पड़ोसी पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

पूर्णिया पुलिस की उपलब्धि, अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

पूर्णिया। पूर्णिया पुलिस को महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। अकबरपुर थाना अंतर्गत अवैध हथियार के साथ एक 01 अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक देसी कट्टा, लोडेड देसी कट्टा के चैम्बर में एक मिसफायर गोली, एक काला-लाल रंग का हीरो कंपनी का स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल व मोबाईल बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधी में अमित कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक पूर्णिया आमिर जावेद के द्वारा जिले के सभी थानाध्यक्ष, ओपी प्रभारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को अपराध नियंत्रण एवं अवैध शराब बरामदगी हेतु प्रभावी गस्ती करने का निर्देश पर गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धमदाहा रमेश कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष अकबरपुर पुअनि सूरज कुमार एवं अन्य पुलिस बल के सहयोग से गस्ती के क्रम में डेढवा मोड़ भिखना तेरासी मुसहरी स्थित भिखना वासा के सामने कच्चा रास्ता पर पहुंचे तो सामने से आ रहे हीरो कंपनी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर घबरा गया, जिसमे पीछे बैठा व्यक्ति भागने में सफल हो गया तथा मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को पकड़कर घेरा में लिया गया। अपराधी को जेल भेज दिया गया है।

30 मई से 02 जून तक चार दिवसीय नियोजन मेला का होगा आयोजन

पूर्णिया। श्रम संसाधन विभाग के तत्वावधान में जिला नियोजनालय पूर्णिया के द्वारा अनुमंडल स्तरीय चार दिवसीय नियोजन का शिविर 30 मई से 2 जून तक क्रमशः पूर्णिया सदर में 30 मई को डीआरसीसी कैंपस पॉलिटेक्निक चौक में, 31 मई को बायसी हाई स्कूल में, 1 जून को धमदाहा हाई स्कूल में और 2 जून को बनमनखी के धीमा स्थित गवर्नमेंट आई टी आई कैंपस में आयोजित किया जाना है। इस नियोजन शिविर में जो एल एंड टी कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट अहमदाबाद (गुजरात) एवं मदर्सन सूमी (ऑटोमोटिव) गांधीनगर (गुजरात) द्वारा आयोजित होगा में भाग लेने के लिए इस सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है। इसके साथ यह भी बताया जाता है कि इस नियोजन शिविर के नियोजक निजी क्षेत्र के हैं अतः नियोजन के शर्तों के लिए वे ही जिम्मेवार होंगे और नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका में रहेगा। इस सूचना को इसलिए प्रसारित किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक संख्या में बेरोजगार पुरुष इस नियोजन शिविर का लाभ उठा सकें।

सड़क की ढलाई कार्य में बरती जा रही अनियमितता, ग्रामीणों ने जताया विरोध

पूर्णिया/ केनगर। केनगर प्रखंड के परोरा पंचायत में 3054 मरम्मती योजना अन्तर्गत एन एच 107 परोरा से परोरा मध्य विद्यालय तक पीसीसी ढ़लाई एवं पीचिंग सडक का निर्माण करवाया जा रहा है जिसमें संवेदक सुशील कुमार सिंह द्वारा बरती जा रही है भारी अनियमितता। सड़क में अनियमितता को देखते हुए जिला परिषद क्षेत्र संख्या 18 के परिषद देशबंधु उर्फ बुलबुल पासवान एंव परोरा पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित होकर चल रहे सड़क के कार्यों को रूकवा दिया और जमकर नारेबाजी की। जिला परिषद सदस्य देशबंधु उर्फ बुलबुल पासवान ने बताया कि शिलान्यास किए लगभग तीन वर्ष से ज्यादा हो गया परन्तु सड़क का निर्माण नहीं कराया गया परन्तु आज अचानक संवेदक आये और काम को शुरू करवाया दिया। काम को देखकर कुछ ग्रामीणों ने हमको फोन कर बताया कि अभी जो परोरा गांव के वार्ड 13 में जो सडक का निर्माण कराया जा रहा है उसमें भारी अनियमितता बरती जा रही है।

मुखिया पद का उपचुनाव हुआ शांतिपूर्ण संपन्न

जिला प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण माहौल में कराया मतदान, 59 प्रतिशत मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

प्रात : किरण ब्यूरो

शाहकुंड (भागलपुर) ।सुल्तानगंज प्रखंड के कुमैठा पंचायत में लम्बी अवधि के बाद मुखिया पद को भरने के लिए उपचुनाव कराया जा रहा है। जिसके लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्व ही सारी तैयारी कर ली थी। वही कुमैठा पंचायत के मुखिया पद के उपचुनाव को लेकर लिए जिला प्रशासन के द्वारा सुनियोजित तरीके से निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चिन्हित मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ करा दी गई थी, जो शाम 5:00 बजे तक मतदाता द्वारा मतदान जारी रहा था। इस दौरान जिला प्रशासन के द्वारा चप्पे चप्पे पर पुलिस बलों की तैनाती सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की गई थी, पुलिस प्रशासन लगातार क्षेत्र में परिभ्रमण में लगे हुए थे, इस दौरान सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वही प्रत्येक मतदान केंद्रों पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी, साथ ही साथ मतदान केंद्रों को अलग-अलग सेक्टर में बांटकर पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों के द्वारा लगातार गस्ती की जा रही थी। वहीं सदर एसडीओ भागलपुर धनंजय कुमार लगातार पूरी व्यवस्था का मोनिटरिंग करते दिखे सुबह से ही कुमैठा पंचायत के चिन्हित 14 बूथों पर हो रहे मुखिया उपचुनाव को लेकर एसडीएम प्रत्येक मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान कराए जाने को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा किए गए इंतजाम की समीक्षा करते दिखे। इस दौरान चुनाव संपन्न कराने वाले अधिकारियों को उन्होंने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराए जाने को लेकर कई दिशा-निर्देश भी दिए। वही देर शाम तक किये गये मतदान का लगभग 59 प्रतिशत लोगों ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया है।

ज्ञात हो कि कुमैठा पंचायत के तत्कालीन मुखिया अनीता देवी की विगत अप्रैल माह 2022 में अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद कुमैठा पंचायत में मुखिया पद रिक्त रहा था, उक्त रिक्त पद को पूरा करने के लिए उपचुनाव होना सुनिश्चित किया गया है। वही उक्त पद के दावेदारी के लिए 4 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतर कर अपनी ताल ठोक रहे हैं, और यहां सीधा मुकाबला मृतक मुखिया अनीता देवी की बेटी पायल शर्मा और सरोज चौधरी के बीच होता दिख रहा है।

बिजली जाते ही ठप हो जाता हैं कार्य, परेशान उपभोक्ता

प्रात : किरण ब्यूरो

भगलपुर। डाकघर में भले ही लाखों रुपए की लागत से जनरेटर व इनवर्टर रहीत बैटरी का प्रबंध हो लेकिन बिजली कट होते ही आय व्यय सहित कार्य बाधित हो ठप पड़ जाता है। जिसके चलते ग्राहकों को अपने जरूरी कार्य को लेकर घंटों तक इंतजार करने का मामला सामने आया है। मामला भागलपुर के मुख्य डाकघर का बताया जा रहा है, मामले को लेकर कर्मचारियों ने बताया कि जिला का यह मुख्य डाकघर है जहां बिजली व जनरेटर की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं रहने के कारण उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रक्रिया तकरीबन 1 सप्ताह से चल रहा है, जहां बिजली अचानक गुल होते ही पूरा कार्य बाधित हो जाता है, वही परिसर में लगे सभी कंप्यूटर बिजली के कट होते ही कार्य बाधित हो ठप पड़ जाता हैं।

वही काउंटरों पर ग्राहकों की लंबी कतारें लग जाती हैं, और डाकघर में चारों ओर अंधेरा छा जाता है, भीड़ में खड़े लोग भी परेशान हो इस भीषण गर्मी में त्रस्त हो बेहोश होकर गिर जाते हैं। आलम यह है कि काउंटर पर कार्य कर रहे कर्मी भी बिजली के जाते ही काउंटर छोड़कर उठकर इधर उधर चले जाते हैं। जिससे उपभोक्ताओं को काम कराने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डाकघर में कभी इंटरनेट तो कभी बिजली जाने से कार्य बाधित हो रही है।

बोलेरो व स्कॉर्पियो समेत चार तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद नशे के कारोबार में संलिप्त कारोबारी लगातार अपने मंसूबों को अंजाम देने में लगे हुए है। मामले को लेकर प्रशासनिक अधिकारी व पदाधिकारी शराब तस्करों पर नकेल कसने के लिए एड़ी चोटी एक करते दिखते हैं, लेकिन फिर भी शराब तस्कर शराब की तस्करी करने से बाज नहीं आते, ऐसा ही कुछ मामला बरारी थाना क्षेत्र इलाके से सामने आया है। मामले को लेकर मिली जानकारी के तहत बरारी थाना क्षेत्र स्थित विक्रमशिला सेतु पहुंच पथ पर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान जब एक स्कॉर्पियो गाड़ी को रुकने का इशारा किया, तो वह काफी तेज रफ्तार से भागने लगा और इस स्कॉर्पियो को पास देते हुए सहरसा के डीपीओ एमडीएम की गाड़ी की भी संलिप्तता देखी गई, जिसे खदेड़ कर पकड़ा गया। जब स्कॉर्पियो की चेकिंग की गई, तो मौजूद पुलिस कर्मियों को उससे लगभग दो दर्जन शराब से भरी कार्टून बरामद हुई। गौरतलब हो यह शराब तस्करी करने वाले गैंग के 4 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वही गिरफ्तार शराब तस्कर ने बताया कि शराब की यह खेप झारखंड गोड्डा से सहरसा ले जाया जा रहा था, वही पुलिस के लिए एक बड़ा सवाल यह है कि क्या शराब की तस्करी में डीपीओ की भी संलिप्तता है, या डीपीओ की जानकारी के बिना उसकी गाड़ी से शराब ढोई जा रही है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि डीपीओ की गाड़ी भाड़े पर चलती है, जबकि उस गाड़ी में डीपीओ के नेम प्लेट भी लगे हुए हैं। वही पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपनी पहचान सहरसा के रहने वाले हर्षानंद, नीरज कुमार, देवराज और राहुल कुमार बताया हैं। गिरफ्तार राहुल डीपीओ का ड्राइवर है, वही पुलिस सभी लोगों से पूछताछ करने में जुटी हुई है, उम्मीद यह जताया जा रहा है कि यह बड़े सरगना का काम है। वही पुलिस शराब कारोबारी से जुड़ी अन्य जानकारी प्राप्त करने में जुटी हुई है।

वृद्ध का शव गंगा घाट किनारे से किया बरामद

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत मसान घाट स्थित एक अज्ञात अधेड़ का शव बरामद किए जाने से इलाके में कोहराम मच गया है। मामले को लेकर मिली जानकारी के अनुसार घाट किनारे स्थानीय लोग जब पहुंचे तो एक वृद्ध व्यक्ति के शव को घाट किनारे फेंका हुआ पाया। जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस को फोन पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई। वही घटना को लेकर मिली जानकारी के बाद मृतक के परिजनों सूचना स्थल पर पहुंच कर परिजनों ने शव की शिनाख्त की। वही मृतक वृद्ध की पहचान परबत्ता थाना क्षेत्र के राघोपुर गांव के सुरेश मंडल के रुप में हुई है। मामले को लेकर मृतक के पुत्र सिकंदर मंडल ने बताया कि उनके पिता विगत वर्षो से खेत की भौलीदारी करते आ रहे हैं। वहीं स्थानीय इलाके दबंग बौकी यादव की भैंस बीते शाम खेत में घुसकर फसल को नुकसान पहुंचा दिया था। जिसे लेकर मेरे पिता सुरेश मंडल ने उक्त भैंसो को खेत से बाहर निकाल लेकर जानें को कहा था इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी, और देर रात उक्त दबंगों ने उसे अगवा कर बेरहमी से पीट पीटकर मेरे पिता सुरेश मंडल की हत्या कर दी है। वही परिजनों ने मृतक किसान सुरेश के हत्या का आरोप स्थानीय दबंग प्रदीप मंडल, संजय मंडल, बाकी यादव, अरुण मंडल, जनार्दन मंडल, राम मंडल और सुदीन मंडल पर लगाया है। परिजनों ने कहा कि देर रात सुरेश जब घर नहीं लौटे तो उन्हें उनकी चिंता सताने लगी थी। जिसके बाद पुलिस द्वारा खबर दीये जाने पर जब मौके पर पहुंचे तो मृत सुरेश के शव को गंगा घाट के किनारे पाया गया। परिजनों ने कहा कि हत्या में शामिल लोग इसी तरह से सभी भागीदारों से रंगदारी मांगते हैं, और नहीं देने पर उनके साथ मारपीट करते रहते हैं। मृतक सुरेश जिनकी खेत की रखवाली करते थे, उनका नाम इलाके के सूरज यादव बताया जा रहा है। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर औद्योगिक थाना प्रभारी कौशल भारती घटनास्थल पर पहुंचे जहां पुलिस मृतक के परिजनों का लिखित फर्द बयान दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

स्टेट एनुअल मेडिकल कॉन्फ्रेंस ऑफ आईएमए एकेडमी ऑफ मेडिकल स्पेशलिटी बिहार के तहत कार्यक्रम का होगा आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। आगामी 28 मई को आईएमए एएमएससीओएम 2023 बिहार के द्वारा स्टेट एनुअल मेडिकल कॉन्फ्रेंस ऑफ आई एमएस एकेडमी ऑफ मेडिकल स्पेशलिटी बिहार द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम में कई रोगों पर चिकित्सकों द्वारा विस्तृत चर्चा परिचर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रेसिडेंट आईएमए हेड क्वार्टर के डॉ. सहजानंद प्रसाद सिंह होंगे, वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा सम्मानित अतिथियों में नीलम मिश्रा, पंकज मुटनेजा, श्याम नारायण प्रसाद, अशोक कुमार, राजीव रंजन, ब्रिज आनंद कुमार उपस्थित होंगे। वही इस कार्यक्रम में कई राज्यों के चिकित्सकों की मौजूदगी दर्ज होगी, साथ ही चिकित्सक कार्यक्रम में शिरकत कर अपने जानकारी को साझा करेंगे। इस दौरान सभी चिकित्सक अपने विभागों में हो रहे नए प्रयोग को जानकारी देने के साथ अपने नये तकनीकी इलाज व्यवस्था पर चिकित्सकों के बीच नॉलेज साझा करेंगे। वही पेट से जुड़ी बीमारी हेपेटाइटिस बी पर राजीव रंजन चर्चा करेंगे, गायनी की चर्चा डॉक्टर अनुपमा सिन्हा करेंगी, सांस की बीमारी को लेकर डॉ. साकेत कई टिप्स देंगे, वही आधुनिक दवाओं पर भी चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आईएमए के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार, सचिव मणि भूषण, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. निराला, डॉ. डीपी सिंह, रोमा यादव व अर्चना यादव के अलावे कई चिकित्सक तैयारियों में लगे हुए हैं। उक्त आशय की जानकारी आईएमए सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान आईएमए के सचिव डॉ. मणिभूषण ने दी।

सांसद लोकसभा का है ड्राइवर : भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार सरकार के पूर्व उद्योग मंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन नवगछिया के कोसी पार, खैरपुर बाजार पहुंचे। जहां उन्होंने एक कार्यक्रम में शिरकत कर अपने समर्थकों को व मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने संबोधन में सांसद को लोकसभा का ड्राइवर बताते हुए कहा कि- आप तो दो नए ड्राइवर रख दिए और पुराना ड्राइवर को हटा दिए। अगर चाहते हैं यह इलाका भागलपुर से भी आगे निकल जाय तो इस इस इलाके को कोई दुसरा नहीं निकाल सकता है, इसे सिर्फ और सिर्फ शहनवाज हुसैन हीं निकाल सकता है। वही उनके समर्थन में उपस्थित लोगों ने शहनवाज हुसैन के समर्थन में नारे भी लगाए। वहीं उन्होंने मीडिया प्रतिनिधि ने जब नवगछिया में बढ़ते लूट व ह'त्या जैसे अपराध के बारे में पूछा तो,उन्होंने ने कहा कि- पुरे बिहार में सबसे ज्यादा अपराध का ग्राफ कहीं बढ़ा है तो वह नवगछिया का क्षेत्र इलाके में बढ़ा है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी से मिलूंगा, नवगछिया में जो अपराध और अपराधियों का मनोबल बढ़ा है, उसे तोड़ने की जरूरत है। इस बात का अनुरोध मुख्यमंत्री से जरूर करूंगा। साथ हीं उन्होंने बिहार सरकार के सरकारी ऑफिसर व नारायणपुर सीओ के द्वारा फ्लैट में महिला से किए गए दुष्कर्म के प्रयास को दुर्भाग्य बताया है। वहीं शहनवाज हुसैन ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा पुरी तरह तैयारी में है।

राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पहुंचे भागलपुर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव भागलपुर आगमन के साथ सर्किट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर प्रहार किया, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीति सिर्फ जनता के बीच फुट डालो राज करो कि नीति अपनाते हुए उन्हें लड़ाने का काम कर रही है। वही उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ एक धर्म को लेकर चलने वाली पार्टी है, वह भूल गई हैं कि अपना राष्ट्र धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है, साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री के 9 वर्ष पूरे होने के बाद बीजेपी के कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर उनके कार्य के गुणगान करने की दिशा में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर क्या गुणगान करेंगे, जहां रसोई गैस का दाम आसमान छू रहा हो, पेट्रोल की कीमतें कई गुनी बढ़ गई हो, युवा बेरोजगार चल रहे हैं, अपराध का ग्राफ चरम सीमा पर है, पूरा देश कर्ज में डूब रहा है, हर विभाग को निजी करण करके भारतवर्ष को खोखला करने का काम कर रही है, देश के प्रधानमंत्री के कार्यशैली को लेकर भाजपा कार्यकर्ता आखिर केंद्र सरकार के किन नो वर्षो का बखान करें भी तो क्या करें।

नवविवाहिता की संदेहास्पद स्थिति में हुई मौत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना क्षेत्र के अंबेडकरनगर इलाके में नवविवाहिता बर्षा कुमारी का शव उसके ससुराल में मिला। जिसकी जानकारी मिलने के बाद मृतिका के पिता सहित अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। जहां बर्षा का मृत शव पलंग पर पड़ा हुआ मिला और उसके गले पर काले दाग के निशान उभरे हुए थे, साथ ही मृतिका के हाथ में चाकू भी पाया गया है। जिसके बाद परिजनों ने औद्योगिक थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। वही सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा मृतिका के शव को कब्जे में लेकर थाना लेजाया गया। जहां मृतका के पिता और परिजनों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगते हुए कहा कि पति, ससुर, ननंद और भगना के द्वारा मेरी बेटी की हत्या कर दी गई है। वही पीड़ित पिता का कहना है कि विगत 25 जनवरी 2022 को उन्होंने अपनी बेटी वर्षा कुमारी की शादी अंबेदकरनगर जीरोमाइल के रहने वाले वासुदेव पासवान के पुत्र संदीप राज के साथ की थी। पिता के द्वारा बेटी की शादी में दहेज भी दिया गया था, लेकिन शादी के बाद से लड़का चार लाख रुपया और एक लाख रुपया का मोबाइल की मांग करने लगा था। वही पैसे की मांग के कारण दामाद ना तो बेटी को मायके जाने देता था और ना ही मायके वालों को अपने घर आने देता था। वही फोन पर बात करने पर भी पति के द्वारा अक्सर मृतिका वर्षा की पिटाई भी करते रहता था, वही देर शाम मृतका के पति ने ससुर को फोन कर वर्षा की मौत की सूचना दी। जिसके बाद वे लोग पहुंचे जहां घर मे लगे पलंग पर उनकी बेटी मृत अवस्था में लेटी हुई थी। वही मृतका के पिता और परिजन न्याय की गुहार ले इंसाफ की मांग कर रहे हैं। वहीं पुलिस ने मृतका के पति संदीप राज और ननद को हिरासत में ले लिया है। वही पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब मृतिका के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आ पायेगी, जिससे साफ हो जाएगा कि यह हत्या है या सुसाइड, वही पुलिस हर पहलुओं पर छानबीन कर जांच में जुटी हुई है।

समाजसेवी सह पूर्व मुखिया महेश झा के निधन से गांव में शोक की लहर

पूर्णिया/भवानीपुर। धमदाहा प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के किशनपुर बलुआ पंचायत के कुकरौन नंबर एक के वार्ड संख्या 09 निवासी सह किशनपुर बलुआ पंचायत के पूर्व मुखिया महेश झा 90 वर्ष ने अपने निज निवास पर अंतिम सांस ली। पूर्व मुखिया महेश झा के निधन की खबर मिलते ही गांव समेत पूरे किशनपुर बलुआ पंचायत में शोक की लहर दौड़ गई।श्री झा अपने पीछे भरा पूरा परिवार को छोड़कर दुनिया को अलविदा कह गए। श्री झा के पार्थिव शरीर को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं जेएमएस कोचिंग सेंटर के डायरेक्टर नवल किशोर ठाकुर ने बताया कि हमारे किशनपुर बलुआ पंचायत के पूर्व मुखिया महेश झा का निधन होने से हमलोगों को अपूर्ण क्षति हुई है।

कालाजार से बचाव के लिए सिंथेटिक पायरोथाइड का छिड़काव सबसे बेहतर उपाय

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। कालाजार उन्मूलन को लेकर जिले में सिंथेटिक पायरोथाइड (एसपी पाउडर) का सघन छिड़काव अभियान चल रहा है। वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद मंडल ने कहा कि विभाग से जुड़े सभी पदाधिकारियों के द्वारा छिड़काव कार्य का लगातार पर्यवेक्षण किया जाता है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नियमानुसार छिड़काव कर्मियों द्वारा डोर टू डोर भ्रमण कर नियत समय पर कार्य किया जा रहा है। छिड़काव प्रभारियों को आवश्यक दिशा - निर्देश दिया गया है कि संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर जागरूकता अभियान चलाकर छिड़काव कार्य को पूरा करने के लिए सभी को निर्देशित किया गया है। इस अभियान के दौरान गठित छिड़काव टीम के द्वारा घर-घर जाकर छिड़काव किया जा रहा और एक भी घर छूटे नहीं, इस बात का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। साथ ही इस बीमारी के शुरूआती लक्षण, कारण, बचाव एवं उपचार की भी जानकारी दी जा रही है। ताकि लोग शुरूआती दौर में बीमारी की पहचान कर समय रहते आवश्यक उपाय कर सकें। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीडीसीओ) डॉ राजेन्द्र प्रसाद मंडल ने बताया कि जिले को कालाजार मुक्त करने को लेकर सभी तरह के आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में कालाजार मरीजों की संख्या शून्य करने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिले के बायसी को कालाजार मुक्त घोषित किया जा चुका है। छिड़काव दल में शामिल कर्मियों को गौशाला, पूजा घर, पाठशाला एवं शयनकक्ष में अनिवार्य रूप से 06 फीट की ऊंचाई तक छिड़काव करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि कालाजार मुक्त अभियान को हर हाल में सफल बनाने के लिए प्रत्येक दिन चिकित्सा पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा संध्याकालीन समीक्षा की जाती है। जिसमें दिन भर में कितने घरों में छिड़काव हुआ समेत अन्य चर्चा की जाती है। वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी (वीडीसीओ) रवि नंदन सिंह ने बताया कि कालाजार से बचाव के लिए कालाजार प्रभावित गांव और क्षेत्रों में एसपी पाउडर से छिड़काव लगातार कराया जा रहा है। इस बीमारी से बचाव के लिए छिड़काव तो सबसे बेहतर उपाय है ही लेकिन लोगों को सावधान और सतर्क रहने की भी आवश्यकता है। इस बीमारी से संबंधित लक्षण महसूस होने के साथ ही इसकी जांच करानी चाहिए। हम सभी के लिए इससे बेहतर और कारगर उपाय नहीं है। छिड़काव के दौरान भी लोगों को सतर्क रहने एवं साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखने सहित अन्य प्रकार की जानकारियां दी जाती हैं। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण सलाहकार सोनिया मंडल ने बताया कि बालू मक्खी के काटने से कालाजार बीमारी फैलती है। एसपी पाउडर के छिड़काव से ही बालू मक्खी के प्रभाव को पूर्ण रूप से खत्म किया जा सकता है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार छिड़काव किया जाता है। ताकि बालू मक्खी को जड़ से समाप्त किया जा सके। हालांकि कालाजार का लक्षण मिलने के साथ ही नजदीकी सरकारी अस्पतालों में जांच करानी चाहिए। उसके बाद ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के अनुसार इलाज कराएं। सरकारी अस्पतालों में जांच एवं इलाज की मुफ्त व समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। साथ ही इस बीमारी से बचने के जमीन पर नहीं सोएं। मच्छरदानी का प्रयोग नियमित रूप से करना चाहिए।

घरों में छिड़काव के दौरान इन बातों को विशेष रूप से रखें ख्याल: छिड़काव के पूर्व घर की अन्दरूनी दीवार की छेद/दरार बंद कर दें। घर के सभी कमरों, रसोई घर, पूजा घर, एवं गोहाल के अन्दरूनी दीवारों पर छः फीट तक छिड़काव अवश्य कराएं छिड़काव के दो घंटे बाद घर में प्रवेश करें। छिड़काव के पूर्व भोजन सामग्री, बर्तन, कपड़े आदि को घर से बाहर रख दें। ढाई से तीन माह तक दीवारों पर लिपाई-पोताई ना करें, जिससे कीटनाशक (एस पी) का असर बना रहे। अपने क्षेत्र में कीटनाशक छिड़काव की तिथि की जानकारी आशा दीदी से प्राप्त करें।

भारतीय खाद्य निगम मंडल में नियुक्त हुए समाजसेवी सुमित प्रकाश

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। भारतीय खाद्य निगम नई दिल्ली द्वारा भारतीय खाद्य निगम मंडल कार्यालय पूर्णिया अंतर्गत महिला कर्मचारियों के मामलों और कल्याण की देखभाल हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आंतरिक शिकायत समिति मे पूर्णिया के सोशल एक्टिविस्ट सुमित प्रकाश को बोर्ड सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। सुमित प्रकाश वर्तमान में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के 5 जिला के प्रभारी के साथ साथ पूर्णिया के जिला समन्वयक है। सुमित प्रकाश ने संस्था के अभियान जस्टिस फॉर एवरी चाइल्ड तथा न्याय के बढ़ते कदम के तहत पूर्णियां जिला के सैकड़ों पॉक्सो पीड़िता के परिजनों को संस्था के द्वारा प्रदत्त लीगल हेल्प, मुआवजा हेतु पीड़ित परिवार का समन्वय इत्यादि का कार्य जमीनी स्तर पर करते आ रहे है। भारतीय खाद्य निगम द्वारा महिला कर्मचारियों के मामलों और कल्याण, यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण को लेकर गठित आंतरिक शिकायत समिति का सदस्य मनोनीत होने पर सुमित प्रकाश ने कहा की समाजसेवा के प्रति हमारी और जवाबदेही बढ़ गयी है। अक्सर यह देखा जाता है कि जब महिलाएं कार्यस्थल पर यौन उत्पीड का सामना करती हैं, तो वे इस तरह के दुर्व्यवहार की शिकायत करने से हिचकती हैं। उनमें से कई तो अपनी नौकरी छोड़ भी देती हैं। यह वास्तव में एक खेदजनक स्थिति है। सुमित प्रकाश ने कहा कि कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाया जाना चाहिए और हर कदम पर महिला कर्मचारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी नियोक्ताओं की होनी चाहिए। युवा समाजसेवी सुमित प्रकाश के भारतीय खाद्य निगम के आंतरिक शिकायत समिति के बोर्ड सदस्य मनोनीत होने पर राष्ट्रपति पुरुस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक सुधीर सिंह एवं संजय कुमार सिंह, प्रो अनंत प्रसाद गुप्ता, राष्ट्रपति पुरुष्कार प्राप्त रंगकर्मी मिथलेश रॉय, रवीश रंजन, चाइल्ड लाइन समन्वयक मयूरेश गौरव, प्रफुल्ल रंजन वर्मा, एडवोकेट गौतम वर्मा, एडवोकेट विनीता, बबिता चौधरी, गुंजन ग्रोवर, सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी ए के बोस, केएससीएफ संस्था के गुंजन ग्रोवर एवं अरविंद शर्मा, भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज कल्याणी, प्रो मनोज यादव, बचपन बचाओ आंदोलन के राज्य संयोजक मुखतरुल हक, लाइफ स्किल प्रशिक्षक प्रो देवज्योति मुखर्जी, प्रकृति मित्र संस्था संयोजक डॉ शम्भू सिंह, राकेश कुमार, पप्पू गिरी, टनटन ठाकुर, मनोज सिंह, गंगा समग्र सचिव रघुनंद

संक्षिप्त खबरें

लूट खसोट की बनी प्रधानमंत्री पोषण योजना

चरपोखरी। प्रखंड के 99 विद्यालय मे प्रधानमंत्री पोषण योजनाका कार्य विद्यालयों में चल रहा है। विभाग ने लाखों रुपए प्रतिदिन विद्यालय के बच्चों को कुपोषण से बचाव के लिए दोपहर के भोजन का व्यवस्था किया था। जिसके पीछे विभाग का मुख्य उद्देश बच्चों को कुपोषण से बचाने का लेकिन अधिकारियों के मिलीभगत से यह योजना 50% भी धरातल पर नहीं दिख रहा। भेडर द्वारा विद्यालयों मे प्रधानमंत्री पोषण योजना का टेंडर तो दिया गया लेकिन सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। विद्यालयों में दुकानों से विद्यालय के हेडमास्टर ही सब्जी से लेकर अन्य समान को उठाकर ले जाते हैं। जबकि बेंडर को विद्यालयों में सब्जी से लेकर अन्य सामान पहुंचाना है। जिसके कारण विद्यालयों में मीनू के अनुसार बच्चों को पोषाहार नहीं दिया जाता। अभिभावकों का कहना है कि प्रधानमंत्री पोषण योजना के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पर विद्यालय से 800 से लेकर 15 सौ रुपए प्रतिमा वसूली की जाती है। प्रति महीना चरपोखरी प्रखंड से लाखों रुपए वसूली कर अधिकारियों के बीच बांट दी जाती है। जिसके कारण प्रधानमंत्री पोषण योजना चरपोखरी प्रखंड में धरातल पर कम और कागजों में जयू दिख रही है। बिल बनाने के नाम पर जिला से परमिशन सहित अन्य कागजात को पूर्ण करने के लिए राशि की वसूली की जाती है। अपना नाम न छापने के शर्त पर शिक्षा विभाग के कर्मी बताते हैं कि प्राथमिक विद्यालय से 800 एवं उत्क्रमित एवं मध्य विद्यालय से 15 सौ रुपए प्रति विद्यालय वसूल किया जाता है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 26 साल पूरे होने पर पेश किए अनोखे ऑफर

LG Life's Good

पटना। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने घरेलू उपकरणों और घरेलू मनोरंजन उत्पादों के लिए एक शानदार प्रचार अभियान के साथ अपनी 26वीं वर्षगांठ मना रहा है। मेगा प्रचार अभियान 17 मई से 11 जून तक जारी रहेगा। यह अभियान न केवल एलजी की उल्लेखनीय यात्रा का जश्न मनाता है बल्कि ग्राहकों को नवीनतम और सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी के साथ अपने घरों को उन्नत करने के लिए अविश्वसनीय सौदे और अवसर भी प्रदान करता है। इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर को मनाने के लिए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने एक मेगा प्रचार-अभियान शुरू किया जहां ग्राहक एलजी के विविध उत्पाद पोर्टफोलियो में विशेष छूट, विशेष वित्तीय विकल्प और रोमांचक ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। अभियान के एक हिस्से के रूप में प्रत्येक 26वां उपभोक्ता रोमांचक ऑफर के अलावा एलजी उत्पाद जीत सकता है। उपभोक्ताओं को दैनिक लकी ड्रॉ के माध्यम से एलजी का साइड बाय साइड रेफ्रिजरेटर, फ्रंट लोड वाशिंग मशीन या ओएलईडी टीवी जीतने का भी मौका मिलता है।

मतदान केंद्र का सहायक निवार्ची पदाधिकारी नगरपालिका ने किया निरक्षण

गया। सहायक निवार्ची पदाधिकारी, नगरपालिका उपनिर्वाचन-2023, गया नगर निगम-सह-प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, नगर गया बलवन्त कुमार पांडेय ने बताया कि नगरपालिका उपनिर्वाचन-2023, नौ जून को होना निर्धारित है। नगर निगम, गया के वार्ड संख्या-15 में कुल नौ तथा वार्ड संख्या-26 में कुल 8 मतदान केंद्र अवस्थित हैं। आज वार्ड संख्या-26 के सभी आठ मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया गया। गया हाईस्कूल, गया तथा मध्य विद्यालय, गया एक ही परिसर में अवस्थित हैं। प्रत्येक में दो-दो मतदान केंद्र हैं। इन सभी मतदान केंद्रों पर सभी अनिवार्य मूलभूत सुविधाएँ यथा-पेयजल, विद्युत, शौचालय, रैम्प व फर्निचर उपलब्ध हैं। एलिगेंट पब्लिक स्कूल, गया में कुल चार मतदान केन्द्र अवस्थित हैं तथा यहाँ भी सभी अनिवार्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अरवल जैसे छोटे जिले से निकलकर सेस्टोबॉल विश्वकप में मारी बाजी: लक्ष्मीप्रिया

अरवल। बैदराबाद स्थिति तेजपूरा दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा लक्ष्मी प्रिया एवं शारीरिक शिक्षक अविनाश कुमार रोशन कुमार सेस्टोबॉल विश्व कप में अरवल जिले से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जिसमें पुरुष वर्ग का मुकाबला अर्जेंटीना के साथ हुआ जिसमें हिंदुस्तान की टीम को सिल्वर मेडल मिला वहीं महिला वर्ग में इंडिया का मुकाबला अर्जेंटीना के साथ हुआ जिसमें महिला टीम को सिल्वर मेडल मिला इस मौके पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य महोदय धर्मेंद्र कुमार खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए और उन्होंने बताएं हैं कि अरवल के लिए बिहार के लिए बहुत खुशी की बात है अरवल जैसे छोटे जिले से निकलकर पूरे विश्व में अरवल बिहार को नाम स्थापित किए हैं मैं उन तमाम हिंदुस्तान के खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं कि यह मेरे लिए बहुत ही खुशी की बात है कि लक्ष्मीप्रिया जैसी अविनाश कुमार एवं रोशन कुमार जैसे हमारे स्कूल में शारीरिक शिक्षक हैं।

डीएम के जनता दरबार में बसपा जिलाध्यक्ष जिले के समस्याओं को लेकर सौप आवेदन :मनोज यादव

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। डीएम के जनता दरबार में जिले के विभिन्न समस्याओं को लेकर बसपा जिला अध्यक्ष मनोज सिंह यादव ने जिलाधिकारी को सौंपा आवेदने जिले में बचे 64 सीट पर होमगार्डों को अति शीघ्र प्रशिक्षण में भेजा जाऐ अईयारा रजवहा में एस्टीमेट सार्वजनिक करते हुए नापी कराकर उड़ाही सिंचाई विभाग के इंजीनियर के देखरेख में किया जाऐ जिले में वार्ड सदस्यों को सभी जगह पर प्रभार सुनिश्चित किया जाए नियमानुसार अनुकूल वार्ड सभा की प्राथमिकता दिया जाऐ भूमिहीन गरीब को प्रधानमंत्री आवास के साथ 7 डिसमिल जमीन का पर्चा दिया जाए। सड़क सुरक्षा अधिनियम के तहत हर चौराहा पर फ्लेक्स एवं जन जागरण अभियान चलाया जाऐ शिक्षकों की बकाए वेतन आदि भुगतान अति शीघ्र किया जाऐ गरीबों को दिग्भ्रमित करके लोन के नाम पर फर्जी सैकड़ों किसान क्रेडिट कार्ड बनाकर उसरी बैंक प्रबंधक एवं उसके दलाल पर अति शीघ्र कार्यवाही किया जाऐ कार्यालय से भ्रष्टाचार और घूसखोरी बंद किया जाऐ करपी प्रखंड तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर कुमार के द्वारा अनेकों अनियमितता किए गए हैं इसका उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए एवं अन्य मांगों को लेकर जिला पदाधिकारी आवेदन देकर उच्चस्तरीय जांच करते हुए यथोचित कार्रवाई की मांग की है।

जनता दरबार में आये 400 व्यक्तियों के मामले को डीएम ने गंभीरतापूर्वक सुना

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी का जनता दरबार में जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने अत्यधिक गर्मी को देखते हुए दूर दराज से जनता दरबार मे आये अपीलार्थी को गर्मी से निजात हेतु समाहरणालय परिसर में शुद्ध शीतल की व्यवस्था रखी गयी साथ ही लोगो को बैठने की पूरी व्यवस्था रखी गयी। पर्याप्त संख्या में कुर्शिया लगाई गई, ताकि आम जन आराम से अपने पारी का इंतेजार करते हुए डीएम के पास अपनी समस्या को रख सके। इन सबो के अलावा जनता दरवार में आये आम जनों को गर्मी के कारण स्वास्थ्य खराब न हो इसे देखते हुए एम्बुलेंस सहित चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति रखी गयी। 91 परिवादियों से ज्यादा को स्वास्थ्य उपचार भी किया गया। पर्याप्त संख्या में रखे ओआरएस भी लोगों को दी गई। उपस्थित आवेदकों ने गर्मी को देखते हुए ओआरएस का लाभ लिया। इस व्यवस्था को लोगो ने खूब सराहा है। जनता दरबार में आये हुए लगभग 400 से ऊपर की संख्या में आये व्यक्तियों के मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। आवेदकों के कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी यथा उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु अग्रेतर कार्य करने का निर्देश दिया गया है। कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए हैं उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी और थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए हैं। जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम सात दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी एवं पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे। कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए वजीरगंज, मोहरा, खिजरसराय, नगर, बोधगया, फतेहपुर, बथानी, आमस, शेरघाटी सहित अन्य अंचल के व्यक्ति ने परिमार्जन के संबंध में आवेदन देने पर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें। आपदा विभाग के तहत विभिन्न लंबित आवेदन के विरुद्ध जांच करते हुए जिला आपदा पदाधिकारी उसे तेजी से अनुपालन करवाये।

नए संसद भवन का विरोध, लोकतंत्र का विरोध

प्रात : किरण संवाददाता

गया। बिहार भाजपा के वरीय नेता, पूर्व कृषि मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि विपक्ष दलों द्वारा नए संसद भवन का विरोध लोकतंत्र का विरोध है। कर्म योगी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयास, दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल कार्यशैली से आज देश का स्वदेशी सेंट्रल विस्टा (भारतीय संसद भवन) बनकर समय से पहले तैयार है। मोदी जी जिस कार्य का शिलान्यास करते हैं उसका उद्घाटन भी करते हैं। वर्षों तक लंबित नही रखते। इसका एक और मिसाल नया संसद भवन बना हू। मोदी के शिलान्यास से लेकर 28 मई के उद्घाटन का विपक्षी दलों का विरोध यह दशार्ता है उन्हें विकास पसंद नहीं है। उन्हें स्वदेशी पसंद नहीं। उन्हें अपना संसद भवन पसंद नहीं है। लोकतंत्र का पवित्र स्वदेशी मंदिर, आधुनिक व्यवस्थाओं से सुसज्जित, 880 सांसदों की संख्या लोकसभा में, 384 सांसदों की संख्या राज्यसभा में बैठने की होगी। आबादी के हिसाब से सीटों की संख्या अब आसानी से बढ़ाया जाएगा। जनता की समस्याओं का समाधान भी अधिक से अधिक जनप्रतिनिधि आसानी से कर सकेंगे। गुलामी के प्रतीक का अंत हो गया है। कम समय में कम बजट पर आधुनिक संसद भवन, उपरोक्त सभी बातें विपक्षी दल नहीं पचा पा रही है। उद्घाटन पर हाय तोबा विपक्षी दल मचा रहे हैं। कुछ नहीं मिला तो उद्घाटन सत्र का बहिष्कार करने की घोषणा कर रहे हैं। यह लोकतंत्र का विरोध है। विपक्षी दल मोदी जी के समग्र विकास को नहीं पचा पा रहे हैं। कब तक जनता में भ्रम पैदा करते रहेंगे विपक्षी दल है। मोदी जी का 9 साल का कार्यकाल विकास हुआ है बेमिसाल। आधुनिक भारत का सपना, आत्मनिर्भर भारत का सपना, मोदी जी करते रहेंगे साकार, विपक्षी दल करते रहे तकरार है।

भाजपा मंडल कार्यसमिति की बैठक मे कार्यकर्ताओं ने लिया कई निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

कलेर (अरवल) भाजपा मण्डल कार्यसमिति की बैठक मण्डल अध्यक्ष गौरव कुमार की अध्यक्षता में बेलसार में किया गया। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी व कलेर मंडल के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष भाष्कर कुमार जिला मंत्री राहुल वत्स, शामिल हुए। भाजपा जिला अध्यक्ष ने मण्डल कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि 30 मई को देश के यशश्वी प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा अपने 9 वर्ष पूर्ण कर रही है इस अवसर पर विशेष जनसंपर्क अभियान एवं विभिन्न कार्यक्रम 30 मई से 30 जून तक भाजपा संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम सभी जिला, मण्डल, शक्ति एवं बूथ स्तर पर आयोजित किए जायेंगे जिला उपाध्यक्ष सह मंडल प्रभारी भाष्कर कुमार ने कहा कि विशेष जनसमपर्क अभियान लोकसभा क्षेत्र में चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार 9 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर रही है। इस दौरान केंद्र सरकार की सबका साथ-सबका विकास की भावना से जो जनहित के काम किए हैं, वही जिला मंत्री राहुल वत्स ने कहा कि प्रदेश संगठन द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम योगा दिवस घर-घर जनसंपर्क अभियान लाभार्थी जनसंपर्क अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनता तक पहुंचाया जाएगा। इन कार्यक्रमों को लेकर मंडल कार्यसमिति की बैठक में चर्चा की। इसके अलावा बूथ सशक्तीकरण अभियान, आजीवन सहयोग निधि और बूथ विजय संकल्प अभियान को लेकर समीक्षा की जायेगी। वहीं भाजपा कलेर मण्डल अध्यक्ष गौरव कुमार ने कहा कि भाजपा कार्यकर्त्ता मजबूती के साथ एकजुट होकर पार्टी के हर एक कार्यक्रम को बूथ स्तर तक पहुंचा कर कार्यक्रम को धरातल पर उतारने के लिए एकमुस्त रहें क्योंकि आगामी लोकसभा चुनावों में फिर से एक बार देश के प्रधामनंत्री नरेंद्र मोदी को बनाना है इसलिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा तय की गई कार्यक्रम को करना है। इस मौके पर किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष बिकास कुमार, सहित सभी मंडल कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया नगर निगम आयुक्त अभिलाषा शर्मा, अपने स्वयं द्वारा सुबह में गया नगर निगम क्षेत्र के मानपुर के वार्ड संख्या 47,48,49,50,51,53 की सफाई व्यवस्था एवं नालियों की सफाई का निरीक्षण किया गया है। इस निरीक्षण के समय नोडल पदाधिकारी, सफाई, उप नोडल पदाधिकारी सफाई, एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

खजहापुर में वार्ड के सफाई कर्मियों से सफाई कराई जा रही थी नाली सफाई हेतु वार्डवार दिए गए मजदूर में से 05 मजदूर से नाली की सफाई कराई जा रही थी। सफाई पर्यवेक्षक मुकेश कुमार द्वारा बताया गया की 05 मजदूर दूसरी पाली में लगेगा, नगर प्रबंधक को दूसरी पाली में मजदूरों की उपस्थिति की जांच करने का निर्देश दिया गया है। वार्ड संख्या 48,49 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण के क्रम में सड़क पर झाड़ू लगाते हुए एवं कूड़े के लिए बनाये गये प्वाईट से उठाव करते हुए पाया गया है वार्ड के सफाई कर्मियों की उपस्थिति पंजी के जाँच के दौरान वार्ड संख्या 49 में दो दैनिक सफाई कर्मी विगत लगभग एक माह से कार्य पर उपस्थित नहीं हो रहें है, उन दोनो दैनिक सफाई कर्मियों के स्थान पर दूसरा दैनिक सफाई कर्मी को रखकर कार्य लेने का निर्देश दिया गया है। सूर्यदिनगर नाला की सफाई का निरीक्षण किया गया है। इस बारे में बताया गया की नाला पर अतिक्रमण कर लिए जाने के कारण मशीन से सफाई नहीं हो पा रही है एवं नाला में पानी का बहाओ भी बाधित होता है।

बेलगाम ट्रक ने दो बाइक सवारों को मारी टक्कर, एक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। संदेश थाना क्षेत्र के नसरतपुर गांव स्थित सामुदायिक भवन के समीप गुरुवार की रात बेलगाम ट्रक ने दो बाइक सवार लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक बाइक सवार बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा बाइक सवार युवक जख्मी हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा जख्मी युवक को इलाज के लिए संदेश रेफरल अस्पताल ले जाया गया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। वहीं घटना के बाद ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर नसरत बाजार पर शव को सड़क के बीचो-बीच रख सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतारें लग गई और आवागमन ठप हो गया। घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक संदेश थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव निवासी स्व.रामजी सिंह के 66 वर्षीय पुत्र निर्मल कुमार सिंह है एवं वह अमीन के साथ जमीन नापी का काम करते थे। जबकि जख्मी कोईलवर थाना क्षेत्र के मठियापुर गांव निवासी 32 वर्षीय दीपू सिंह है। इधर मृतक के बेटे नीतीश कुमार ने बताया कि गुरुवार की शाम वह अपने बाइक पर सवार होकर संदेश थाना क्षेत्र के चिल्होस गांव जमीन नापी करने गए थे। गुरुवार की रात जब वह दूसरे बाइक पर सवार अपने साथी दीपू सिंह के साथ से वापस घर लौट रहे थे। उसी दौरान नसरतपुर समुदायिक भवन के समीप पीछे से आ रही ट्रक ने उन दोनों की बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे बाइक पर सवार उनके साथी दीपू सिंह मामूली रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद दीपू सिंह द्वारा ही फोन कर इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना पाकर मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। इसके पश्चात उन्होंने की सूचना स्थानीय थाना को दी।

बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व दो बहन में छोटे थे। मृतक के परिवार में पत्नी फुलझारो देवी, तीन पुत्री मनोरमा देवी, इंदु देवी, संध्या कुमारी व दो पुत्र प्रकाश कुमार एवं नीतीश कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की पत्नी फुलझारो देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा में दुल्हन की विदाई को लेकर लड़की और लड़के पक्ष के बीच मारपीट व चाकूबाजी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आरा शहर से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जहां दुल्हन की विदाई को लेकर लड़की और लड़के पक्ष आपस में भिड़ गए और जमकर मारपीट व चाकूबाजी की। जिसमे दूल्हा-दुल्हन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद दोनों पक्षों द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मियों में नवादा थाना क्षेत्र के जवाहर टोला मोहल्ला निवासी 22 वर्षीय संतोष कुमार एवं उसकी 21 वषीर्या पत्नी रेशमा कुमारी शामिल है। इधर जख्मी दुल्हन रेशमा कुमारी ने बताया कि उसकी शादी इसी माह के 2 मई को हुई थी और वह 3 तारीख को अपने ससुराल आई थी। 4 तारीख से उसके ससुराल वालों द्वारा घर का सभी काम उसी से करवाया जाने लगा। उसने बताया कि मेरे ससुराल आने के दो दिन बाद से ही उसके पति द्वारा बउसे मारा जाता था। शुक्रवार की सुबह जब उसकी मां पूछार को लेकर उसकी विदाई कराने उसके ससुराल आई। तभी उसके पति और परिवार वालों ने विदाई करने से इंकार कर दिया। इसी बात को लेकर उनके बीच तू-तू मैं-मैं हुई। जिसके बाद उसके पति ने खुद से अपना गला काट लिया। साथ ही उसे भी हाथ काटने के लिए मजबूर कर दिया। जबकि दूसरी ओर जख्मी संतोष कुमार की मां तारा देवी ने बताया कि इसी माह के 2 तारीख को बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया बाजार वार्ड नंबर 13 निवासी रेशमी कुमारी से उनके पुत्र की शादी हुई है। आज उसकी सास एवं भाई विदाई कराने के लिए उनके घर आए थे। तभी उनके बेटे ने विदाई करने से मना कर दिया और कहा कि मैं लेकर आऊंगा। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। जिसके बाद उसकी पत्नी ने उस पर धारदार हथियार से बाहर कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी संतोष कुमार की मां तारा देवी ने उसकी पत्नी पर अपने बेटे को धारदार हथियार से मारने एवं उसके मां के द्वारा उसके हाथ को काटने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष का स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अशोक राम की कांग्रेस कार्यालय शहिद भवन आरा में आगमन पर कांग्रेसी कर्मियों द्वारा माला एवं बुके देकर भव्य स्वागत किया गया।

जिसमें भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के तमाम पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी उपस्थिति हुए। उपस्थित लोगों ने अशोक राम जी को जिला अध्यक्ष नियुक्त करने पर यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी भारत के जननायक नेता श्री राहुल गांधी जी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे जी श्रीमती प्रियंका गांधी जी संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल बिहार प्रभारी भक्त चरण दास एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह जी के प्रति आभार व्यक्त किया गया कि भोजपुर जिला में एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ता को जिला अध्यक्ष बनाकर सभी कांग्रेसी जनों को हौसला अफजाई करने का काम किया है इसके लिए राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व को कोटि-कोटि बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में प्रोफेसर बलराज ठाकुर सत्य प्रकाश राय जितेंद्र शर्मा मिडिया प्रभारी बिरेन्द्र मिश्रा रतन धमालिया रवि कुमार घनश्याम उपाध्याय प्रेम प्रकाश पांडे मुक्तेश्वर उपाध्याय रजी अहमद बेलाल अहमद अमित द्विवेदी श्रीधर तिवारी संतोष पाण्डेय सुनिल साह राकेश त्रिपाठी एस पि राय पपलु सिंह अरूण सिंह आदि सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

आरा की जनता लुटती और मरती रहती है : कुमुद पटेल

आरा : आरा विधानसभा के प्रत्याशी रहे क्रांतिकारी पूर्व छात्र नेता कुमुद पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अपना बयान जारी किया। पिछले दिनों डॉ कन्हैया सिंह के लापरवाही से भले चंगे मरीज की हुई मौत और परिजनों के आक्रोश को देखते हुए कुमुद पटेल ने कहा कि इस घटना और बड़हरा विधायक के आक्रोश के बाद आरा के सभी 80% डॉक्टर जो निहायत ही लुटेरे और डकैत किस्म के हैं उन में खलबली मच गई है और सभी जनाक्रोश को देखकर भयाक्रांत हो चुके हैं, और आनन-फानन में बैठक करके सभी लुटेरों की जमात एकजुट होने का प्रयास कर रही है। आरा की क्रांतिकारी जनता सब कुछ भली-भांति जानती और समझती है। यह 80% लुटेरे जिस प्रकार जांच के नाम पर कमीशन खाते हैं, महंगी और बेकार दवाइयों में 80% तक कमीशन लेते हैं, गैरजरूरी ऑपरेशन करते हैं और 15 से 20 दिन में ही पुनः फीस वसूलते हैं।

मरीज तो राम भरोसे ही चलता है, लेकिन इन बेशर्म हत्यारों और लुटेरों की दुकान चकाचक चलती रहती है। नई-नई जमीनों पर नई इमारतें बनती रहती है। आरा की जनता लुटती और मरती रहती है। और यहां पर नेता कहे जाने वाले लोग उन्हीं लुटेरों को गुलदस्ता भेंट कर उनके धनबल के आगे नतमस्तक हो जाते हैं यहां के नेता यह भूल जाते हैं कि इन कमीशन खोर डॉक्टरों के आलीशान भवन गांव के गरीब मजदूर और लाचार लोगों के खून पसीने की कमाई को लूट कर बनाई गई है। इन डॉक्टरों के कुर्सी के नीचे ना जाने कितनों की आत्मा दबी हुई है जो आज भी इन लुटेरों की लापरवाही से हुई अपनी मौत पर न्याय का इंतजार कर रही है। लेकिन मैं सभी आरा वासियों को बताना चाहता हूं कि इन लुटेरों का इलाज इसी क्रांतिकारी धरती पर होगा जरूरत है आप सभी को जागरूक होने की एकजुट होने की और इस लूट तंत्र का विरोध करने की, अगर जिला प्रशासन सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को सुलभ और सुदृढ़ कर दे तो यह लुटेरे अपना बोरिया बिस्तर समेट कर यहां से चले जाएंगे।

सीएम ने से की मुलाकात, कुंवर रोहित सिंह हत्याकांड के नए सिरे से जांच करने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के महायोद्धा वीर बांकुड़ा बाबू कुंवर सिंह के वंशज कुंवर रोहित सिंह उर्फ बबलू सिंह की हत्या की नए सिरे से जांच शुरू हो गई है। बीते 22 मई को पूर्व सांसद आनन्द मोहन की जगदीशपुर किला यात्रा के दौरान वीर कुंवर सिंह की प्रपौत्र वधु पुष्पा सिंह द्वारा अपने पुत्र की निर्मम हत्या की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को सलाखों के पीछे कैद करने की मांग पर पूर्व सांसद आनन्द मोहन ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर इस हत्याकांड की नए सिरे से जांच कराने का आश्वासन दिया था। अपने वादे के तहत पूर्व सांसद आनन्द मोहन ने एक दिन बाद ही गत 24 मई को मुख्यमन्त्री नीतीश कुमार से मिलकर वीर कुंवर सिंह के वंशज कुंवर रोहित सिंह की हत्या की फिर से उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई थी। मुख्यमन्त्री नीतीश कुमार ने आनन्द मोहन की मांग पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपने प्रधान सचिव के माध्यम से भोजपुर के डीएम और एसपी को जगदीशपुर भेज कर पुष्पा सिंह से मिलने, उनका पक्ष जानने और कुंवर रोहित हत्याकांड की नए सिरे से जांच करने का निर्देश दिया था।

मुख्यमन्त्री के निर्देश के बाद वीर बांकुड़ा बाबू कुंवर सिंह के वंशज कुंवर रोहित सिंह हत्याकांड की नए सिरे से जांच को लेकर शुक्रवार की दोपहर भोजपुर के डीएम राज कुमार और एसपी प्रमोद कुमार जगदीशपुर पहुंचे और किला परिसर से सटे अपने पुश्तैनी आवास में रह रही वीर बांकुड़ा बाबू कुंवर सिंह की प्रपौत्र वधु पुष्पा सिंह और उनके पुत्र कुंवर अजय प्रताप सिंह से मिलकर कुंवर रोहित हत्याकांड से जुड़े हर एक पहलू को बारीकी से समझा। इस दौरान पुष्पा सिंह ने कुंवर रोहित सिंह हत्याकांड से जुड़े आरोपियों की सूची, अनुसंधान के दौरान हुए पक्षपातपूर्ण कार्रवाई में कई आरोपियों को दोषमुक्त किये जाने, उनके और उनके घर की असुरक्षा और किसी भी तरह की अनहोनी, जगदीशपुर किले में नशेड़ियों के प्रवेश, स्थानीय प्रशासन की उदासीनता आदि कई विन्दुओं पर डीएम और एसपी को अवगत कराते हुए न्याय की मांग उठाई। उन्होंने कुंवर रोहित सिंह हत्याकांड से जुड़े कई साक्ष्य भी डीएम और एसपी को दिया।

15 से 790 पर आया टाटा का यह शेयर, एक्सपर्ट बोले- मुनाफा चाहिए, खरीद लो

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार एक बार फिर रिकवरी के ट्रैक पर लौट रहा है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को टाटा ग्रुप की भी कंपनियों में तेजी रही। ट्रेडिंग के दौरान टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 1 प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 790 रुपये पर पहुंच गए। अब इस शेयर को लेकर ब्रोकरेज भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि यह शेयर 900 रुपये के पार पहुंच जाएगा। बता दें कि करीब 21 साल पहले यानी 2022 में इस शेयर की कीमत 15 रुपये थी।

क्या कहना है ब्रोकरेज का- घरेलू ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल के मुताबिक टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर की कीमत 910 रुपये तक जा सकती है। शेयर का 52 वीक हाई 861 रुपये है। शेयर की यह कीमत सितंबर 2022 में गई थी। वहीं, 16 मार्च 2023 में शेयर ने 685 रुपये के स्तर को छु लिया। यह 52 हफ्ते का निचला स्तर है। इस शेयर ने बीएसई पर निवेशकों को 10

साल की अवधि में 456 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। वहीं, 5 और 3 साल की अवधि का रिटर्न भी तीन अंकों में ही रहा लेकिन 2 या 1 साल में निवेशकों की अवधि का रिटर्न मामूली रहा।

बीते वित्त वर्ष (2022-23) की चौथी तिमाही में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का नेट प्रॉफिट 21.12 प्रतिशत बढ़कर 289.56 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 239.05 करोड़ रुपये प्रॉफिट कमाया था। कंपनी की परिचालन आय 13.96 प्रतिशत बढ़कर 3,618.73 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,175.41 करोड़ रुपये रहा था।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर बने रॉकेट, 4 दिन में 21 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में शुक्रवार को अच्छी तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 8 पर्सेंट से ज्यादा चढ़कर 13.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में 12.86 रुपये पर बंद हुए थे। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 24.95 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 9.05 रुपये है। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर पिछले 4 दिन में 21 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 22 मई 2023 को बीएसई में 11.42 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयर 26 मई 2023 को बीएसई में 13.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में रिलायंस पावर के शेयरों में करीब 17 पर्सेंट का उछाल आया है। वहीं, पिछले 6 महीने में रिलायंस पावर के शेयर करीब 14 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 24.99 पर्सेंट है।

अमेजन प्राइम का नया सच में टू मच कैंपेन दिखाता है ज्यादा की खुशी

मुंबई, एजेंसी। शॉपिंग से लेकर एंटरटेनमेंट तक बेनेफिट्स के अद्वितीय संयोजन के साथ ग्राहकों को खूब सारी खरीदारी के लिए सक्षम बनाने के लिए, अमेजन प्राइम एक मूल्यवान मेंबरशिप है, जो प्रत्येक ग्राहक के जीवन में ज्यादा की खुशी को सुनिश्चित करता है। नया विज्ञापन अभियान ग्राहकों से अपने प्राइम मेंबरशिप से अधिकतम मूल्य प्राप्त करने का आग्रह करता है। एक मेंबरशिप के तहत ढेर सारे लाभों के साथ, अमेजन प्राइम सदस्यों को 40 लाख से ज्यादा उत्पादों पर फ्री वन-डे डिलीवरी, दैनिक घरेलू आवश्यकताओं के साथ-साथ फोन, कपड़े, होम डेकोर, ब्यूटी आदि जैसे पसंदीदा उत्पादों पर प्राइम ऑफर के साथ खरीदारी करने में सक्षम बनाता है। इस अभियान में - दो फल्मि सेट के साथ- एक अनूठा दृष्टिकोण अपनाया गया है। पहली फल्मि में अभी तक प्राइम कस्टमर न बनने वालों को वन मेंबरशिप, मैनी बेनेफिट्स के बारे में बताया गया है, जबकि दूसरी फल्मि में मौजूदा प्राइम मेंबर्स को बताया गया है कि कैसे वे अपने अमेजन मेंबरशिप के साथ ढेर सारे लाभों का फायदा उठा सकते हैं। विज्ञापन का पहला सेट एक कपल्स के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसमें अमेजन प्राइम मेंबरशिप में क्या विशेष है इसके बारे में बताया जाता है, दूसरा सेट प्राइम मेंबर्स के जीवन पर आधरित है, जिसकी उम्मीदें उसके आसपास की हर चीज से बढ़ गई हैं। इस अभियान में, अधिक विविध और समावेशी बनने के लिए सभी प्राइम विज्ञापनों के यादगार ब्रांड के रूप में प्राइम शुभंकर को भी पेश किया गया है। विज्ञापन लॉन्च के मौके पर बोलते हुए, प्रज्ञा शर्मा, डायरेक्टर- कंज्यूमर मार्केटिंग, अमेजन इंडिया ने कहा, अमेजन में, हम अपने ग्राहकों पर बहुत अधिक ध्यान देते हैं और उनके लिए नए-नए नवाचार करते हैं। हमारा नया अभियान ‘सचमेंटूमच इस बात को दोहराता है। ग्राहकों को ज्यादा की खुशी का अनुभव कराने के लिए हम एक मेंबरशिप में कई सारे प्रासंगिक लाभ प्रदान करते हैं।

ग्रेविटा ने तंजानिया, पूर्व अफ्रीका में रबड़ रीसाइकलिंगका व्यापारिक उत्पादन शुरू किया

जयपुर, एजेंसी। विश्व भर में मैन्युफैक्चरिंग उपस्थिति रखने वाली एक प्रमुख रीसाइकलिंग कंपनी,ग्रेविटा इंडिया लिमिटेड सहर्ष सूचित करती है कि कंपनी की तंजानिया, पूर्व अफ्रीका स्थित स्टेप डाउन सब्सिडियरी,ग्रेविटा तंजानिया लिमिटेड ने चरण प्रथम में लगभग 3000 मेट्रिक टन वार्षिक क्षमता के साथ वेस्ट रबड़ की रीसाइकिलिंग करने का व्यापारिक उत्पादन शुरू कर दिया है 7 आगे चलकर ग्रुप ने उक्त क्षमता बढ़ाकर 6000 मेट्रिक टन वार्षिक करने की योजना बनाई है। कंपनी ने प्रथम चरण में सुविधा स्थापित करने के लिए 3.86 करोड़ रुपए का पूंजी खर्च किया है, जिसका वित्तपोषण आंतरिक साधनों द्वारा किया गया है।यह नया रीसाइक्लिंग प्लांट ग्रेविटा तंजानिया लिमिटेड की रबड़ रीसाइकलिंग प्रक्रिया के दौरान उत्सर्जित पायरोलाइसिस आयल के रूप में कार्बन फुटप्रिंट्स में कमी के साथ-साथउसकी उत्पादन लागत में कमी करने में मदद करेगा जिसका कंपनी द्वारा बैटरी और अल्युमिनियम स्क्रैप की रीसाइकलिंग के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में इन हाउस खपत के लिए उपयोग किया जाएगा। यह विविधीकरण ग्रेविटा ग्रुप के ईएसजी विजन के अनुरूप है और यह प्राप्ति को अधिकतम करने के साथ-साथस्क्रैपकी सोर्सिंग में तालमेल करने में मदद करेगा। आगे चलकर ग्रेविटा ने अन्य मैन्युफैक्चरिंग लोकेशनों पर भी समान रबड़ रीसाइकलिंगसुविधाएं स्थापित करने की योजना बनाई है।

छंटनी की खबरों के बीच चीनी कंपनी अलीबाबा दे रही रही नौकरी, 15000 लोगों को करेगी हायर

नई दिल्ली , एजेंसी। चीनी टेक फर्म अलीबाबा ग्रुप होल्डिंग लिमिटेड ने कहा है कि वह इस साल 15,000 लोगों को नौकरी देंगे। अलीबाबा ने ये बयान छंटनी की खबरों के बीच जारी की है। गुरुवार (25 मई) को वीबो पर जारी एक बयान में चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीबाबा ने कहा कि इस साल वह छह प्रमुख विभागों में कुल मिलाकर 15,000 नई भर्तियां करेंगी।

कंपनी ने कहा कि इन 15,000 में से 3,000 नए ग्रेजुएट उम्मीदवार होंगे। कंपनी ने कहा है कि छंटनी की खबर सिर्फ एक अफवाह है। कंपनी ने इस बात से इनकार किया है कि वह अपने यहां बड़े पैमाने पर कर्मचारियों को निकाल रही है।

कुछ दिनों से कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा था कि अलीबाबा अपने यहां 20 फीसदी से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहा है। अब कंपनी ने इस दावे को गलत बताया है। कंपनी के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी डेनियल झांग ने इस महीने की शुरुआत में पहली बार फर्म में कितने लोगों को नौकरी दी गई, इस पर जानकारी दी थी। डेनियल झांग ने कहा है कि मार्च 2023 तक कंपनी ने 235,000 से अधिक लोगों को रोजगार दिया है। अलीबाबा ने अपनी भर्ती प्रणाली को सबूत के तौर पर दिखाते हुए कहा कि कंपनी अभी भी भर्ती कर रही है। कंपनी ने अपने बयान में कहा, हमने लोगों को नौकरी देने का काम अब भी जारी रखा है। ब्लूमबर्ग न्यूज ने इस हफ्ते की शुरुआत में बताया था कि अलीबाबा के क्लाउड डिवीजन में नौकरी में छंटनी की जा रही है। कर्मचारियों की यह कटौती कंपनी के क्लाउड डिवीजन में 7 प्रतिशत तक हो सकती है। बताया जा रहा है कि मई के आखिर तक ये छंटनी होगी। ये खबर ऐसे वक्त आई थी, जब कंपनी अलग-अलग व्यावसायिक समूहों के लिए फंड जुटाने के तहत अलग-अलग आईपीओ लाने की योजना बना रही है।

मुकेश अंबानी का बड़ा दांव, खरीदी एक और कंपनी, लोटस चॉकलेट का पूरा किया अधिग्रहण

नई दिल्ली , एजेंसी। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स , रिलायंस रिटेल वेंचर्स की एफएमसीजी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने लोटस चॉकलेट कंपनी लिमिटेड में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। कंपनी की ओर से इसकी जानकारी दी गई है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 74 करोड़ रुपये में लोटस चॉकलेट कंपनी लिमिटेड में हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा किया है। कंपनी ने लोटस चॉकलेट के नॉन-कम्यूलेटिव रिडीमेबल प्रेफरेंस शेयरों के लिए 25 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। आरसीपीएल ने लोटस कंपनी का पूरा नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। आरसीपीएल ने सेबी टेकओवर विनियमों के तहत किए गए खुले प्रस्ताव के अनुसार इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण भी पूरा कर लिया है। आरसीपीएल ने 24 मई, 2023 से कंपनी का पूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। एक बयान के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी

शाखा द्वारा निवेश की गई पूंजी से लोटस के विकास और विस्तार को एक व्यापक कन्फेक्शनरी, कोको, चॉकलेट डेरिवेटिव और संबंधित उत्पादों के निर्माता में औद्योगिक और उपभोक्ता बाजार स्पेक्ट्रम में मदद मिलेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चॉकलेट कंपनी ने मार्च 2022 को खत्म हुए वर्ष के दौरान 6 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया है। कंपनी ने 87 करोड़ रुपये की बिक्री की है। लोटस चॉकलेट का अधिग्रहण रिलायंस रिटेल की तेजी से बढ़ते एफएमसीजी बिजनस के विस्तार की रणनीति का हिस्सा है। इसमें फर्म ने हाल ही में कदम रखा है। आरआरवीएल मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी है और आरआईएल समूह के तहत सभी खुदरा व्यवसायों की होल्डिंग कंपनी है। बता दें कि अगस्त 2022 में वार्षिक आम बैठक में, आरआईएल के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने तेजी से बढ़ते एफएमसीजी सेक्टर में प्रवेश करने की ग्रुप की प्लानिंग की घोषणा की थी।

ओरिएंटबेल टाइल्स ने नई पहलों को शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओरिएंटबेल टाइल्स, जो कि भारत की लीडिंग टाइल मैन्युफैक्चरर में सेएक होने के साथ साथ, 45 से अधिक वर्षों से टाइल इंडस्ट्री में इनोवेशनके मामले में भी सबसे आगे है। टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए, कंपनीने हाल ही में देश भर के अपने तमाम ग्राहकों के लिए टाइल्स खरीदारी को आसान बनाने के लिए कई नई पहलों को शुरू किया हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ताओं के पास समय का अभाव होता जा रहा है, वैसे-वैसेओरिएंटबेल टाइल्स ने अपने टाइल-शॉपिंग प्रोसेस को आसान बनाने केलिए डिजिटल टूल्स की अत्याधुनिक रेंज पेश की है। जिसमे कंपनी कीवेबसाइट एडवांस्ड ई-कॉमर्स-जैसे सर्च फिल्टरकी सुविधा प्रदान कर, आपको 3000 से अधिक एसकेयू के माध्यम सेटाइल्स को छाटने में मदद करती है। इसके अलावा आप सिलेक्टेड टाइलकी पिक्चर को अपलोड कर अपने कमरे में भी आज़मा सकते हैं!

पेज इंडस्ट्रीज का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 58.8 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली, एजेंसी। परिधान विनिर्माता पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शुद्ध लाभ मार्च 2023 में खत्म हुई तिमाही के दौरान 58.87 प्रतिशत घटकर 78.35 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया कि इससे एक साल पहले जनवरी-मार्च 2022 के दौरान उसने 190.52 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पीआईएल) की परिचालन आय 12.78 प्रतिशत घटकर 969.09 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी का कुल खर्च वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 869.68 करोड़ रुपये था, जबकि यह आंकड़ा एक साल पहले इसी अवधि में 870.04 करोड़ रुपये था।

सेल का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 50 प्रतिशत से अधिक घटा

नई दिल्ली , एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सेल ने बताया कि 31 मार्च को समाप्त तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 50 प्रतिशत से अधिक घटकर 1,159.21 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बताया कि आय में कमी के चलते उसका शुद्ध लाभ घटा। सेल ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों के बताया कि उसने वित्त वर्ष 2021-22 की समान तिमाही में 2,478.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 29,416.39 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 31,175.25 करोड़ रुपये थी। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अंतिम लाभांश के रूप में प्रति शेयर 0.50 रुपये की सिफारिश की है।

एसरी इंडिया ने आइडियाफोर्ज के साथ हाथ मिलाया

जीआईएस का उपयोग कर ड्रोन अपनाने को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक साझीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर एवं सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने भारतीय मानवरहित विमान प्रणालियों में अग्रणी आइडियाफोर्ज के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की आज घोषणा की। इस साझीदारी का उद्देश्य भारत में ड्रोन को अपनाने को बढ़ावा देना है। एसरी इंडिया और आइडियाफोर्ज के बीच इस साझीदारी से एईसी, वनीकरण, कृषि, खनन, परिवहन, जन उपयोगी सेवाओं और रक्षा क्षेत्र में जटिल समस्याओं को हल करने के लिए जीआईएस के साथ ड्रोन सॉल्यूशंस को लागू करने में सहूलियत होगी।

भले इसे नोबेल प्राइज ना मिले, लेकिन यह खोज मेरे लिए है बहुत खास... आनंद महिंद्रा के दिल को छुई टीशर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा अक्सर ट्विटर पर काफी मोटिवेशनल पोस्ट शेयर करते रहते हैं। यही नहीं, उनकी कुछ पोस्ट मजाकिया और फनी भी होती हैं। ट्विटर पर काफी बड़ी संख्या में लोग उन्हें फॉलो करते हैं। यहां उनके 1.05 करोड़ फॉलोअर्स हैं। महिंद्रा ने गुरुवार को एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट की है। इस वीडियो में एक प्रोडक्ट का डेमो दिखाया जा रहा है। यह प्रोडक्ट महिंद्रा को इतना पसंद आया कि उन्होंने खुले दिल से इसकी तारीफ की है। आइए जानते हैं कि महिंद्रा ने क्या कहा।

आनंद महिंद्रा अपने ट्वीट में लिखा, हो सकता है इसे नोबेल प्राइज ना

मिले, लेकिन इस तरह की खोज मेरे जैसे लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि मैं दो जवान बेटियों का दादा हूं। उनकी सेफ्टी और देखरेख मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यह एक ऐसी टीशर्ट है जो पानी में लाइफ जैकेट की तरह काम करती है। अगर बच्चा इस टीशर्ट को पहनकर पानी में जाता है, तो यह जैकेट एयर बैग की तरह खुल जाती है। इससे बच्चा पानी में डूबने से बच जाता है। वीडियो में इस जैकेट का डेमो बताया गया है। खास बात यह है कि जैकेट खुलने पर बच्चे का सिर ऊपर की तरफ रहता है। इससे बच्चे को कोई असुविधा नहीं होती है। आनंद महिंद्रा की पोस्ट पर ट्विटर यूजर्स इस प्रोडक्ट की काफी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि उसके दोस्त का 3 साल का बच्चा एक पूल में डूब गया था। वह यूएस में एक साल से अधिक समय तक लाइफ सपोर्ट पर रहा था। एक दूसरे यूजर ने लिखा कि हमें हमारे बच्चों को तैरना सिखाना चाहिए।

73 लाख शेयरों की ब्लॉक डील, 7 प्रतिशत लुढ़क गए स्टार हेल्थ के शेयर, झुनझुनवाला फैमिली ने लगाया है बड़ा दांव

नई दिल्ली , एजेंसी। स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस के शेयर शुक्रवार को 7 पर्सेंट से ज्यादा गिरकर 539.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट एक बड़ी ब्लॉक डील के बाद आई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह ब्लॉक डील 73.7 लाख शेयर या कंपनी की 1.3 पर्सेंट हिस्सेदारी की है। हालांकि, अभी शेयर के बायर्स और सेलर्स का पता नहीं लगा है। स्टार हेल्थ में झुनझुनवाला फैमिली की बड़ी हिस्सेदारी है। स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस को मार्च 2023 तिमाही में 102 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 82 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ था। जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में स्टार हेल्थ का ग्रॉस रिटेन प्रीमियम 14 पर्सेंट बढ़कर 4199 करोड़ रुपये पहुंच गया है। कंपनी का रिटेल हेल्थ प्रीमियम सेक्टर 18 पर्सेंट की ग्रोथ के साथ 11,948 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, जनरल इंश्योरेंस इंडस्ट्री में कंपनी का मार्केट शेयर 34 पर्सेंट रहा है। स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस में झुनझुनवाला फैमिली की 17.32 पर्सेंट हिस्सेदारी है। झुनझुनवाला फैमिली के पास स्टार हेल्थ के टोटल 100,753,935 शेयर हैं।

अडानी ग्रुप की कंपनी ने 3 महीने में पैसा किया डबल! अब सरकार से किया 25 साल का कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी अडानी विंड एनर्जी कच्छ फाइव लिमिटेड ने नए विंड पॉवर प्लांट गुजरात में शुरू किया है। इस पॉवर प्लान्ट की क्षमता 130 मेगावॉट की है। अडानी ग्रुप का यह पॉवर प्लांट गुजरात के कच्छ में स्थित है। बता दें, अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 964.55 रुपये के लेवल पर ओपन पर ट्रेड कर रहा था। अडानी विंड एनर्जी कच्छ फाइव लिमिटेड ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया था कि प्लांट का पॉवर पर्चेस एग्रीमेंट के साथ हुआ है। अडानी ग्रुप की यह कंपनी 2.83 किलो वॉट के रेट पर सोलर एनर्जी सराकरी कंपनी को प्रदान करेगी। अडानी ग्रीन एनर्जी की ऑपरेशनल विंड जनरेशन क्षमता बढ़कर 1101 मेगावाट हो गई है। वहीं, ऑपरेशनल रेन्यूवबल जनरेशन क्षमता बढ़कर 8216 मेगावाट हो गई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत का नुकसान, सरकारी तेल कंपनियों के फंसे 2500 करोड़

नई दिल्ली , एजेंसी। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद लगे प्रतिबंधों की वजह से भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों की करीब 2,500 करोड़ रुपए की लाभांश आय रूस में फंसी हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस में चार विभिन्न संपत्तियों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए 5.46 अरब डॉलर का निवेश किया हुआ है। इन तेल एवं गैस क्षेत्रों के परिचालन से होने वाले लाभ पर भारतीय कंपनियों को लाभांश मिलता है लेकिन पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद लगे आर्थिक प्रतिबंधों से भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों को

अब तक यह लाभांश नहीं मिल पाया है। ऑयल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रंजीत रथ ने कहा, हमें लगातार इन परियोजनाओं से लाभांश आय होती रहती थी लेकिन इस बार यह रूस के बैंक खातों में ही पड़ी हुई है। इसकी वजह यह है कि रूसी बैंकों को वित्तीय अंतरण की वैश्विक प्रणाली स्विफ्ट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अलावा रूस की सरकार ने डॉलर में भुगतान पर भी पाबंदियां लगाई हुई हैं। भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों की रूस में 30 करोड़ डॉलर यानी करीब 2,500 करोड़ रुपए की लाभांश आय फंसी हुई है। इस गठजोड़ में ऑयल इंडिया, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोरिसोर्सेज लिमिटेड शामिल हैं। भारत पेट्रोरिसोर्सेज लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. की इकाई है। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड को भी करीब इतना ही लाभांश मिलने की उम्मीद है। रथ ने कहा कि इस लाभांश आय को रूस से लाने के विकल्पों पर गौर किया जा रहा है।

मुरली कार्तिक ने गिनाए लखनऊ की हार के कारण

'एलएसजी अपने विदेशी खिलाड़ियों पर अत्यधिक निर्भर थी'

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स की करारी हार के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर मुरली कार्तिक ने कहा है कि इस सीजन लखनऊ अपने विदेशी खिलाड़ीयों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रही है। 24 मई को एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाने के बाद लखनऊ की पूरी टीम को 16.3 ओवर में 101 रनों पर समेट दिया था।

क्रिकबज से बात करते हुए, कार्तिक ने कहा कि लखनऊ टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों पर अत्यधिक निर्भर रही है और टीम में स्वदेशी खिलाड़ियों को कदम रखने का मौका नहीं मिला। लखनऊ टीम में मार्कस स्टोइनिस, काइल मायर्स और निकोलस पूरन टॉप स्कोरर रहे हैं। मुरली कार्तिक ने कहा, लखनऊ अपने विदेशी खिलाड़ियों पर अत्यधिक निर्भर रहा है और उनके भारतीय खिलाड़ी अभी कदम नहीं बढ़ा पाए हैं। स्टोइनिस के अलावा मुझे नहीं लगता कि कोई भी बल्लेबाज हर एक गेंद पर एक रन बना सकता है। यह एक समस्या है जिसकी उन्हें आवश्यकता होगी।

मुरली कार्तिक ने मुंबई के गेंदबाज आकाश मधवाल की जमकर तारीफ की, जिन्होंने एलिमिनेटर मुकाबले में 5 विकेट चटकाते हुए, मुंबई की जीत पर मुहर लगाई। कार्तिक ने इसके साथ मुंबई इंडियंस टीम मैनेजमेंट की भी तारीफ की, जिन्होंन कम अनुभव के बावजूद गेंदबाज को टीम में शामिल किया।

उन्होंने कहा, सिर्फ इस मैच में ही नहीं, उसने (मधवाल) वानखेड़े में पिछले मैच में भी अच्छी गेंदबाजी की थी। इसलिए यह बहुत अच्छा है कि वह आगे बढ़ रहा है और इसका श्रेय मैनेजमेंट को जाता है, जिन्होंने सिर्फ 10 घरेलू मैच वाले इस गेंदबाज को अपनी टीम में जगह दी है।

जूनियर एशिया कप हॉकी

भारत ने जापान को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ओमान में चल रहे जूनियर एशिया कप में पूल ए के दूसरे मैच में जापान को 3.1 से हरा दिया। भारत के लिए अराइजीत सिंह हुंडल (36वां), शारदानंद तिवारी (39वां) और उत्तम सिंह (56वां) ने गोल दागे। वहीं, जापान के लिए कुंपेइ यासुडा (19वां) ने गोल किया। भारत की यह लगातार दूसरी जीत है।

भारतीय खिलाडियों ने पहले ही मिनट से दबाव बनाना शुरू कर दिया था हालांकि जापान को पहली सफलता मिली। पहले क्वार्टर में कोई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में जापान के लिए यासुडा ने गोल किया। हाफटाइम के बाद जापान ने शुरूआत में आक्रामक खेल दिखाया लेकिन भारत ने वापसी करते हुए बराबरी का गोल दागा।

इसके बाद भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले जिस पर शारदानंद ने गोल करके बढ़त दिलाई। आखिरी क्वार्टर में उत्तम सिंह ने पेनल्टी पर गोल करके बढ़त दो गोल की कर दी। भारत का सामना 27 मई को पाकिस्तान से और 28 मई को थाईलैंड से होगा।

किसी और का कचरा लेकर उसे सोना बना देता है धोनी, वो एक जादूगर है : मैथ्यू हेडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर मैथ्यू हेडन का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी एक जादूगर है जो किसी और के कचरे को सोने में बदल देता है और चेन्नई सुपर किंग्स की कामयाबी में उसका इतना योगदान है कि बतौर खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के साथ उसके भविष्य की बातें लगभग अप्रासंगिक है। धोनी की कप्तानी में सीएसके दसवीं बार आईपीएल फाइनल में पहुंची है। टूर्नामेंट की शुरूआत में टीम की गेंदबाजी कमजोर थी लेकिन धोनी ने उसी से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा लिया। बल्लेबाजी में भी अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे का जिस तरह से इस्तेमाल किया गया, उसकी हर जगह तारीफ हो रही है। टूर्नामेंट में धोनी घुटने की चोट के साथ खेले हैं। उन्होंने बतौर खिलाड़ी अपने भविष्य पर फैसला लेने के लिये खुद को आठ नौ महीने का समय दिया है। हेडन का हालांकि मानना है कि वह अगले आईपीएल में नहीं खेलेगा।

धोनी एक जादूगर है – हेडन ने मीडिया से कहा, '' एमएस धोनी एक जादूगर है। वह किसी और का कचरा लेकर उसे सोने में बदल देता है। वह काफी कुशल और सकारात्मक कप्तान है। उसने बहुत रोचक बात कही है जो उसकी विनम्रता दर्शाती है। तमिलनाडु क्रिकेट संघ और उसकी टीम के बीच तालमेल कितना मजबूत है और टीम को मजबूत बनाने की प्रक्रिया की कड़ी भी है। हर लक्ष्य को पाने के लिये एक प्रक्रिया होती है और उसने पहले भारतीय टीम के साथ और अब सीएसके के साथ यह करके दिखाया। उन्होंने यूनिवर्सिटी आफ टेक्नॉलॉमी सिडनी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, '' वह अगले साल खेलेगा या नहीं, यह अब अप्रासंगिक है। मुझे लगता है कि वह नहीं खेलेगा लेकिन वह एम एस धोनी है।

हेडन ने यह भी कहा कि दुनिया भर में टी20 क्रिकेट के बढते चलन से खिलाड़ियों के लिये तीनों प्रारूपों में खेलना कठिन हो गया है। उन्होंने कहा, '' तीनों प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों का समय खत्म होने वाला है। टेस्ट क्रिकेट खेलने को लेकर काफी उत्साह है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप उसका उदाहरण है। इसके अलावा देखें तो काफी टी20 क्रिकेट हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिये राष्ट्रीय अनुबंध छोड़ने वाले खिलाड़ियों को दोष नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा, '' यह तय है कि कल बच्चे क्रिकेट खेलना चाहेंगे तो फ्रेंचाइजी क्रिकेट ही खेलेंगे। उन्होंने देखा है कि कमजोर तबके के कई खिलाड़ी, खासकर वेस्टइंडीज के क्रिकेटर कितने सक्रिय हैं। मिसाल के तौर पर निकोलस पूरन क्या टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहेगा। उससे पहले ड्वेन ब्रावो ने टेस्ट क्रिकेट खेला लेकिन ज्यादातर दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेला है।

मलेशिया मास्टर्स

पीवी सिंधू सेमीफाइनल में पहुंची, श्रीकांत हारे

कुआलालंपुर (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक चैम्पियन पीवी सिंधू मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई जिसने महिला एकल में चीन की यि मान झांग को हराया। छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने निचली रैंकिंग वाली झांग को 21 . 16, 13 . 21, 22 . 20 से मात दी।

विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सिंधू ने 18वीं रैंकिंग वाली झांग से आल इंग्लैंड ओपन के अंतिम 32 दौर में मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। सिंधू का सामना दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का टी से होगा जिसने चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त यि झि वांग को 21 . 18, 22 . 20 से मात दी। पुरूष एकल में किदाम्बी श्रीकांत को इंडोनेशिया के क्वालीफायर क्रिस्टियन एडिनाटा ने 16 . 21, 21 . 16, 21 . 11 से हरा दिया।

मोहम्मद शमी से हुई मधवाल की तुलना, 3 पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने की प्रशंसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज आकाश मधवाल चारों तरफ से सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी तारीफ में तीन पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने माना कि मधवाल बड़े मैच में मुंबई के लिए सफल हुए हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज आकाश मधवाल की तारीफ करते हुए कहा कि वह दूसरे क्वालीफायर में अपना पक्ष रखने के लिए श्रेय के हकदार हैं। मधवाल के पांच विकेट लेने की बदौलत मुंबई ने चेन्नई में लखनऊ सुपर जायंट्स को 81 रन से हराया।

स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए, कैफ ने कहा कि मधवाल की गेंदबाजी शैली गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से मिलती जुलती है, उन्होंने कहा कि वह एलएसजी के खिलाफ अपने प्रदर्शन के लिए सभी श्रेय के हकदार हैं। मधवाल ने एलिमिनेटर में अपने चार ओवरों में सिर्फ पांच रन देकर पांच विकेट चटकाए। कैफ ने कहा, आकाश मधवाल खतरनाक लेंथ पर गेंदबाजी करते हैं। उनकी गेंदबाजी शैली शमी से मिलती जुलती है और पिच से हट जाती है। वह हाल ही में मुंबई इंडियंस के लिए खास खिलाड़ी रहे हैं। वह हर खेल के साथ एक परिपक्व गेंदबाज की तरह दिखता है।

- **इरफान ने भी दी राय** – इस बीच, भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने कहा कि उन्होंने आईपीएल में कभी भी किसी अनकैप्ड खिलाड़ी को इतनी दबाव वाली स्थिति में हावी होते नहीं देखा। मधवाल ने आईपीएल 2023 में 13 विकेट लिए हैं और एमआई को दूसरे क्वालीफायर में निर्देशित किया है। पठान ने कहा, हमने कभी भी किसी अनकैप्ड खिलाड़ी को उच्च दबाव वाले मैच में हावी होते नहीं देखा है। आकाश मधवाल ने पिछले दो मैचों में 9 विकेट लिए हैं। मुंबई को क्वालीफायर में ले जाने के लिए वह सभी श्रेय के हकदार हैं।
- **शास्त्री ने बताया चालाक क्रिकेटर** – भारत के पूर्व कोच और हरफनमौला खिलाड़ी रवि शास्त्री ने कहा कि टेनिस गेंद से खेलने वाले क्रिकेटर बहुत चालाक होते हैं और मधवाल ने बड़े मंच पर वह कौशल दिखाया है। एलिमिनेटर में तीसरे स्थान के एलएसजी के खिलाफ संघर्ष स्थापित करने के लिए एमआई आईपीएल 2023 लीग चरण में चौथे स्थान पर रहा। उन्होंने कहा, मधवाल ने खुद को इस खेल में शानदार ढंग से लागू किया। उन्होंने सुंदर गेंदबाजी की और धीमी चेपॉक ट्रैक पर कठिन लेंथ पर गेंदबाजी की। उनके पास एक अच्छा कटर भी है। टेनिस बॉल क्रिकेटर बहुत स्ट्रीट स्मार्ट हैं और मधवाल ने बड़े मंच पर उस कौशल को दिखाया है। केंद्रित करेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल : फाइनल जीतने वाली टीम पर होगी करोड़ों की बारिश, आईसीसी ने किया ऐलान

- **चैंपिसन को 13.21 करोड़,उप–विजेता टीम को 6.50 करोड़ रुपए मिलेंगे**

दुबई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया अगले महीने होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 में आमने-सामने होंगे। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऐलान करते हुए बता दिया कि विजेता टीम पर कितने पैसों की बारिश होगी और उप-विजेता टीम को कितना पैसा मिलेगा। आईसीसी ने ऐलान करते हुए साफ किया कि विजेता टीम को 16 लाख डॉलर मिलेंगे, यानी कि लगभग 13.21 करोड़। वहीं उप-विजेता टीम को 800,000 डॉलर (6.50 करोड़ रुपए) मिलेंगे। चैंपियनशिप का निर्णायक मैच द ओवल, लंदन में 7 से 11 जून तक खेला जाएगा और 12 जून रिजर्व डे होगा। टूर्नामेंट की ईनामी राशि उतनी ही है जितनी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2019-21 की थी। उस समय केन विलियमसन की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने 16 लाख डॉलर ईनामी राशि और चमचमाती गदा जीती थी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की कुल 38 लाख डॉलर ईनामी राशि में से सभी नौ टीमों को हिस्सा मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका को 2021 . 23 में तीसरे स्थान पर रहने के लिये 450000 डॉलर यीनी कि करीब 3 करोड़ 72 लाख मिलेंगे। इंग्लैंड को चौथे स्थान पर रहने के 350000 डॉलर यानी की 2 करोड़ 90 लाख मिलेंगे। श्रीलंका को पांचवें स्थान पर रहने के लिए दो लाख डॉलर यानी कि करीब 1 करोड़ 65 लाख दिए जाएंगे। बाकी टीमों को एक-एक लाख डॉलर यानी कि करीब 82 लाख रूपए मिलेंगे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 के लिए दोनों टीमों का स्क्वॉड

टीम इंडिया– रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट।

स्टैंडबाय खिलाड़ी– ऋतुराज गायकवाड़, मुकेश कुमार, सूर्यकुमार यादव।

टीम ऑस्ट्रेलिया– पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मारनस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, टोड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिशेल स्टार्क और डेविड वार्नर।

गावस्कर ने जताई निराशा,कहा

रोहित शर्मा को इसका श्रेय नहीं मिला, उनकी जगह धोनी होते तो मिल जाता

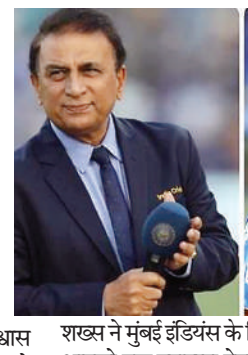

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को लगता है कि रोहित शर्मा को कप्तान के रूप में इंडियन प्रीमियर लीग में कम आंका गया है और उन्हें अपने नेतृत्व कौशल के लिए उतनी सराहना नहीं मिली जितनी चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को मिली। गावस्कर ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे भारत के कप्तान ने 24 मई को आईपीएल 2023 के एलिमिनेटर में लखनऊ सुपर जायंट्स की हार की योजना बनाई थी।

सुनील गावस्कर ने इस सीजन में निराशाजनक शुरुआत के बावजूद आत्मविश्वास रखने के लिए मुंबई इंडियंस की प्रशंसा की। अपने पहले सात मैचों में से चार में हारने के बाद और आईपीएल 2023 पॉइंट्स स्टैंडिंग के नीचे गिरने के बाद मुंबई ने प्लेऑफ में आगे बढ़ने के लिए अपने अगले सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की।

मीडिया के साथ एक इंटरव्यू में गावस्कर ने रोहित शर्मा की रणनीति पर ध्यान दिया, जब उन्होंने एक ओवर में युवा हिटर आयुष बडोनी और विंडीज स्टार निकोलस पूरन से छुटकारा पाने के लिए आकाश मधवाल का इस्तेमाल किया। गावस्कर ने कहा, बेशक, रोहित को कम आंका गया है। इस शख्स ने मुंबई इंडियंस के लिए 5 खिताब जीते हैं। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं। मधवाल ने ओवर द विकेट गेंदबाजी कर आयुष बडोनी को पवेलियन भेजा। इसके बाद वह बाएं हाथ के बल्लेबाज निकोलस पूरन के पास अपने उसी प्लान के साथ गए। बहुत सारे गेंदबाज ऐसा करते हैं जरूरी नहीं क्योंकि अगर वे विकेट के ऊपर से गेंदबाजी करते हुए अपनी लय हासिल कर लेते हैं, तो वे ओवर द विकेट पर डटे रहेंगे, फिर भले ही सामने बाएं हाथ का बल्लेबाज हो।

गावस्कर ने आगे कहा, लेकिन उन्होंने विकेट के चारों ओर घूमकर बेहतरीन डिलीवरी की और पूरन को आउट कर दिया। अगर टीम सीएसके होती और धोनी कप्तान होता तो हर कोई कहता कि धोनी ने निकोलस पूरन को आउट करने की साजिश रची। बहुत हद तक ऐसा ही होता है। थोड़ा प्रचार भी होता है, कभी-कभी चीजें काम कर जाती हैं।

रोहित शर्मा को नहीं मिला श्रेय – मुंबई इंडियंस ने चेन्नई में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 182 रनों का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए 81 रनों से मैच जीता। मुंबई की जीत में आकाश मधवाल का भी अहम रोल रहा जिसने 5 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए। गावस्कर ने कहा, मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि रोहित शर्मा को मधवाल को राउंड द विकेट गेंदबाजी करने के लिए कहने का श्रेय नहीं मिला। कप्तानी की स्थिति का भी नहीं मिला। याद रखें, नेहल वढेरा को पहले बल्लेबाजी करने वाले इंपैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल किया गया था। जब टीमें पहले बल्लेबाजी कर रही होती हैं तो वे आम तौर पर बल्लेबाजों को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल नहीं करती हैं। लेकिन रोहित ने नेहवाल का इस्तेमाल किया जब मुंबई की टीम लखनऊ के खिलाफ पहले बल्लेबाजी कर रही थी।

अंडर 20 विश्व कप

इंग्लैंड जीता, फ्रांस को जाम्बिया ने हराया

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। उरूग्वे को 3 . 2 से हराकर खिताब का प्रबल दावेदार इंग्लैंड अंडर 20 फुटबॉल विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंच गया है। वहीं फ्रांस को जाम्बिया ने 2 . 1 से हराकर उसकी राह मुश्किल कर दी है। दक्षिण अफ्रीका और होंडुरास के बीच मैच 2 .2 से ड्रॉ रहा। ग्रुप एफ में जाम्बिया के छह अंक है और वह अंतिम 16 में पहुंच जायेगा। वहीं लगातार दो हार के बाद फ्रांस को होंडुरास के खिलाफ अगला मैच हर हालत में जीतना होगा ताकि तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ चार टीमों में जगह बना सके। दक्षिण कोरिया ने होंडुरास से ड्रॉ खेला था और अब उसका सामना जाम्बिया से होगा। ग्रुप ई में ट्यूनीशिया ने ईराक को 3 . 0 से हराया और नॉकआउट की दौड़ में बनी हुई है।

फ्रेंच ओपन ड्रॉ : सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं अल्काराज, जोकोविच

पेरिस (एजेंसी)। ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने टूर्नामेंट का ड्रॉ जारी किया जिसके अनुसार शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज़ और दो बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल में आमने-सामने हो सकते हैं। विश्व रैंकिंग के नंबर एक खिलाड़ी अल्काराज अपने अभियान की शुरुआत एक क्वालिफायर खिलाड़ी के खिलाफ करेंगे, जबकि अपना 23वां ग्रैंड स्लैम खिताब तलाश रहे जोकोविच का सामना पहले चरण में अमरीका के एलेक्जेंडर कोवासेविच से होगा।

पिछले साल रिकॉर्ड 14वीं बार रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) का खिताब जीतने वाले राफेल नडाल कूल्हे की चोट के कारण इस साल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यह 2004 के बाद पहली बार होगा कि लाल बजरी के बेताज बादशाह नडाल अपने सबसे पसंदीदा टूर्नामेंट से दूर रहेंगे। रोलां गैरो 2022 के फाइनल में नडाल से हारने वाले कैस्पर रूड पहले चरण में क्वालिफायर खिलाड़ी का सामना करेंगे और क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला डेनमार्क के होल्गर रूने से हो सकता है।

पिछले हफ्ते इटालियन ओपन में अपना पहला क्ले कोर्ट खिताब जीतने वाले दानील मेदवेदेव भी क्वालिफायर खिलाड़ी के विरुद्ध अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। क्वार्टरफाइनल में मेदवेदेव का मुकाबला इटली के जैनिक सिनर से हो सकता है। विश्व नंबर पांच स्तेफानोस सितसिपास पहले चरण में चेक गणराज्य के जिरी वेस्ली से मुकाबला करेंगे।

पांचवीं सीड सितसिपास का मुकाबला क्वार्टरफाइनल में अल्काराज़ से हो सकता है। दूसरी ओर, फ्रेंच ओपन की गत महिला एकल चैंपियन और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक अपने अभियान की शुरुआत स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा के खिलाफ करेंगी। पोलैंड से आने वाली स्वियातेक क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की कोको गौफ से भिड़ सकती हैं। स्वियातेक ने पिछले साल रोलां गैरो जीतने के लिए गौफ को फाइनल में हराया था। मौजूदा विंबलडन चैंपियन ऐलीना रिबाकिना क्वालिफायर के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

चौथी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तानी क्वार्टरफाइनल में विंबडलन उपविजेता ट्यूनीशिया की ओन्स जब्यूर से भिड़ सकती हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन और विश्व नंबर दो आर्यना सबालेंका अपने शुरुआती दौर में यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक का मुकाबला करेंगी। बेलारूस की इस खिलाड़ी का अंतिम आठ में संभावित मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस की कैरोलीन गार्सिया से होने की संभावना है। फ्रेंच ओपन का मुख्य ड्रॉ रविवार से शुरू होगा।

15 की उम्र में हुई थी अगवा 32 की होकर मिली, दिल्ली पुलिस ने 17 साल बाद युवती को खोज निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। राजधानी के गोकुलपुरी से कथित तौर पर 17 साल पहले 2006 में अगवा की गई 32 वर्षीय एक महिला को दिल्ली पुलिस ने गोकुलपुरी से ही ढूंढ निकाला है। पुलिस ने गुरुवार को कहा कि अपहरण किए जाने के समय उसकी उम्र 15 साल थी।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शाहदरा रोहित मीणा के मुताबिक, 22 मई को सीमापुरी थाने की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर 17 साल पहले अगवा की गई अपहृत लड़की का पता लगा लगाया था, जिसकी उम्र अब 32 साल है।

डीसीपी ने बताया कि इस संबंध में तब लड़की के माता-पिता की शिकायत पर दिल्ली के गोकुलपुरी पुलिस स्टेशन में 2006 में आईपीसी की धारा 363 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि तब लड़की को काफी तलाश किया गया था, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका था।

पुलिस अधिकारी ने कहा, लड़की का 2006 में अपहरण कर लिया गया था और जांच के दौरान उसने खुलासा किया कि वह अपना घर छोड़ने के बाद वह दीपक नाम के एक व्यक्ति के साथ उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के चेरडीह गांव में रह रही थी। हालांकि, दीपक के साथ कुछ विवाद के बाद उसने लॉकडाउन में दीपक को छोड़ दिया था और वापस गोकुलपुरी आ गई थी और यहां पर किराये का कमरा लेकर रहने लगी थी।

डीसीपी शाहदरा रोहित मीणा के अनुसार, शाहदरा जिले की पुलिस द्वारा द्वारा 2023 में अब तक 116 अपहृत बच्चों और व्यक्तियों और 301 लापता व्यक्तियों को बरामद किया गया है। पुलिस और भी ऐसे बच्चों और लोगों का पता लगाने में जुटी है।

गौरतलब है कि, तीन साल पहले उत्तरी दिल्ली में समयपुर बादली थाने में तैनात दिल्ली पुलिस की महिला हेड कॉन्स्टेबल सीमा ढाका ने तीन महीनों के अंदर 76 गुमशुदा बच्चों को ढूंढ निकालने का कारनामा कर दिखाया था। सीमा की इस कामयाबी के बाद उन्हें आउट-ऑफ टर्न प्रमोशन देकर असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर बना दिया गया था।ऑफ टर्न प्रमोशन पाने वाली वह दिल्ली पुलिस की पहली महिला पुलिसकर्मी थी।

पंजाब सीएम नीति आयोग की बैठक में नहीं लेंगे हिस्सा

चंडीगढ़, एजेंसी। आम आदमी पार्टी और केंद्र के बीच झगड़े के बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फैसला किया है कि शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में वो हिस्सा नहीं लेंगे। राज्य सचिवालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक की थीम विकास भारतएटदरेट2047: टीम इंडिया की भूमिका है। एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि पंजाब सरकार के मंत्री भी बैठक में हिस्सा लेने नहीं जाएंगे। इससे पहले, मान बैठक में हिस्सा लेने वाले थे। वो ग्रामीण विकास निधि देने से इनकार करने और पराली न जलाने के लिए किसानों को 2,500 रुपये प्रति एकड़ मौद्रिक प्रोत्साहन राशि देने का मुद्दा बैठक में उठाने वाले थे।

कर्नाटक के रायचूर में दूषित पानी पीने से 30 लोग बीमार

रायचूर, एजेंसी। कर्नाटक के रायचूर जिले के रेकलामराडी गांव में दूषित पानी पीने से महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 30 लोग बीमार पड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, प्रभावित लोगों को रायचूर आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) और अरकेरा और देवदुर्गा के अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोग ग्राम पंचायत के अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं। मौके पर पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी गांव में डेरा डाले हुए हैं। पुलिस ने भी गांव का दौरा किया, और अधिकारियों ने पीने के पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पीने के पानी में गंदा पानी मिला हुआ था। अधिकारी सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं। इससे पहले जून 2022 में रायचूर शहर में दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत हो गई थी और 23 बच्चों सहित 60 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए थे।

राक्षस बन गया था रविंदर, इस पर दया नहीं, 30 बच्चियों को शिकार बनाने वाले दरिंदे को ताउम्र रहना होगा जेल में

नई दिल्ली, एजेंसी। छह साल की बच्ची के अपहरण, बलात्कार और उसकी हत्या के जुर्म में अदालत ने दोषी रविंदर को ताउम्र जेल में रहने की सजा सुनाई है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि दोषी को आखिरी सांस तक जेल की सलाखों के पीछे रहना होगा।

रोहिणी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार की अदालत ने रविंदर के कृत्य को वीभत्स और अमानवीय करार दिया है। अदालत ने कहा कि ऐसा व्यक्ति किसी तरह की दया या सहानुभूति का हकदार नहीं है। हालांकि, अदालत ने इस मामले को दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी में नहीं रखा है। अदालत ने दोषी रविंदर कुमार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस तरह उसने इस वारदात को अंजाम दिया वह किसी शिकारी की हरकत की तरह है। इस व्यक्ति ने समाज की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है। रविंदर का कृत्य एक राक्षस के समान है।

अदालत ने कहा कि छह साल की बच्ची से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह दोषी को उसका यौन उत्पीड़न करने व हत्या के लिए उकसाएगी। दोषी द्वारा किया गया अपराध एक क्रूर बलात्कार व हत्या का मामला है। ऐसे अपराधी को खुले में घूमने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता, बल्कि इसे अधिकतम सजा दी जानी चाहिए ताकि समाज में यह संदेश जाए कि हमारी न्याय व्यवस्था में अपराधियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। इसलिए अपराधी को आखिरी सांस तक जेल की सजा दी जा रही है। अदालत ने दोषी रविंदर कुमार पर 50 हजार का जुर्माना भी किया है। वहीं, अभियोजन फांसी की मांग की थी। अदालत ने कहा कि अपराध स्थल पर संघर्ष के बहुत सारे संकेत पाए गए, जिससे पता चलता है कि बच्ची ने रविंदर का विरोध किया था, लेकिन दोषी एक राक्षस की तरह बन गया था। उसने मासूम पर थोड़ी सी भी दया और मानवता नहीं दिखाई।

उसके इस कृत्य से पुलिस के उन दावों को भी नहीं नकारा जा सकता कि दोषी रविंदर मानसिक तौर पर विकृत है। हालांकि अदालत ने दोषी रविंदर द्वारा 30 बच्चों के साथ घिनौने कृत्य को लेकर कोई टिप्पणी नहीं

की। अदालत का कहना था कि उनके सामने महज एक बच्ची का मामला आया है और इसे अभियोजन पक्ष साबित करने में सफल रहा है। पुलिस ने अदालत में बताया कि रविंदर ने अपने इकबालिया बयानों में माना था कि उसने देश के कई हिस्सों में 30 से ज्यादा नाबालिग बच्चों को अपनी हवश का शिकार बनाकर हत्या की थी। इस बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपपत्र में रविंदर को साइकोपैथ किलर करार दिया था।

छह से 12 वर्ष के बच्चे होते थे निशाने पर: पुलिस के अनुसार रविंदर मूलरूप से उत्तर प्रदेश के कांसगंज का निवासी है। वह वर्ष 2008 में दिल्ली काम की तलाश में आया था। इस दौरान उसने कई जगहों पर 30 बच्चों को अपनी हवश का शिकार बनाया और उनकी हत्या की। उसके निशाने पर छह से 12 साल की बच्चियां होती थीं। हालांकि अदालती रिकॉर्ड पर वारदातों का आंकड़ा पेश किया गया। पुलिस ने आरोपपत्र में कहा कि रविंदर ने पहली वारदात वर्ष 2008 में की थी। वह सबूत मिटाने में भी शातिर है। इसलिए बच निकलता था। वर्ष 2008 में उसने एक अग्रेंजी हॉरर फिल्म देखी थी। जिसके बाद उसे यह जुनून सवार हुआ।

नशे की हालत में देता था अंजाम बच्ची के बलात्कार और हत्या की जांच करने वाले तत्कालीन जांच अधिकारी एसीपी जगमिंदर सिंह दहिया ने बताया कि रविंदर छठी कक्षा में फेल हो गया था। उसके पिता प्लंबर का काम करते थे और मां घरों में साफ-सफाई का काम करती थीं। रविंदर भी दिहाड़ी मजदूरी के काम में लगा था। इस बीच उसे नशे की लत लग गई। वह शराब और सूखा नशा कर पॉर्न मूवी देखने लगा। यहीं से उसके अपराध की शुरुआत हुई। नशे की हालत में वह अपना शिकार ढूंढ़ने निकलता था। वह मजदूरों की कॉलोनी और स्लम बस्ती में अपना शिकार तलाशता।

बच्ची के परिजनों को 15 लाख: अदालत ने एक तरफ जहां दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है, वहीं मृतक छह वर्षीय बच्ची के माता-पिता को 15 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) को दिया है। यह मामला बेगमपुर थाने में वर्ष 2015 में दर्ज किया गया था। घर के बाहर खेल रही बच्ची को बहला-फुसलाकर रविंदर उसे सुनसान जगह पर ले गया। जहां उसने बलात्कार किया और फिर हत्या कर शव को पास ही स्थित टैंक में फेंक दिया। आरोपी को पुलिस ने घटना के कुछ ही दिन बाद गिरफ्तार किया था।

19 वर्ष की उम्र में पहला अपराध किया था: पुलिस के अनुसार नशे में अपना शिकार खोजने निकला रविंदर कई बार 40-40 किलोमीटर तक पैदल चलता था। वह बच्चियों की हत्या इसलिए भी करता था कि कहीं कोई उसकी पहचान ना कर ले। इस समय अपराधी रविंदर 34 साल का है। पुलिस का कहना है कि वर्ष 2008 में जब उसने पहला अपराध किया उस समय उसकी उम्र 19 साल थी। उसने सबसे छोटी दो साल की बच्ची को अपना शिकार बनाया और सबसे बड़ी 12 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था।

पुलिस ने दर्जनों कैमरों के फुटेज खंगाले: पुलिस के अनुसार टीम ने दोषी की पहचान करने के लिए दर्जनों कैमरों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे, जिसके बाद उसकी पहचान हो सकी थी। आरोप यह भी है कि रविंदर ने 2008 में केरल से छह साल की बच्ची का अपहरण कर लिया था। इसके बाद उसने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी हत्या कर दी। इस मामले में उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। इसके बाद उसने दिल्ली-एनसीआर में नाबालिग बच्चों को निशाना बनाया। एक के बाद एक मासूमों को अपनी हवस का शिकार बनाता गया।

दूसरे केस की जांच करते खुला मामला: रविंदर को दो बार गिरफ्तार किया जा चुका है। दिल्ली पुलिस ने रविंदर को अपहरण, हत्या की कोशिश और एक बच्चे का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि बच्चे का अपहरण करने के बाद उसने बच्चे को सेप्टिक टैंक में फेंक दिया था। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब वर्ष 2015 में बेगमपुर पुलिस छह साल की बच्ची के अपहरण, हत्या और यौन शोषण के मामले की जांच कर रही थी। दिल्ली पुलिस ने उसे रोहिणी इलाके के सुखबीर नगर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था।

बच्चों के साथ सिलसिलेवार वारदात का आरोप: पुलिस के मुताबिक, आरोपी रविंदर ने गिरफ्तारी के बाद खुद कबूला था कि उसने देश के कई हिस्सों में 30 से ज्यादा बच्चों के साथ बलात्कार व हत्या की वारदात को अंजाम दिया है।

मालामाल हुआ गुरुग्राम का आबकारी विभाग, करोड़ों में नीलाम हुए 68 जोन के शराब ठेके

गुरुग्राम एजेंसी। आबकारी विभाग के पूर्वी जोन ने गुरुवार को 79 जोन के शराब के ठेकों की नीलामी की गई है। सिंगला एसोसिएट ने महरौली बॉर्डर पर गार्डन एस्टेट की दुकान के लिए 43 करोड़ 82 लाख 90 हजार की बोली लगाई। नीलामी के दौरान 79 जोन का आरक्षित मूल्य 670 करोड़ रुपये विभाग की तरफ से रखा गया था, लेकिन 68 जोन की नीलामी में ही रिकॉर्ड तोड़ 860 करोड़ रुपये में बिके। जबकि 11 जोन की नीलामी अभी बकाया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बीते साल से इस बार शराब की दुकानों की नीलामी में 45 फीसदी बढोत्तरी हुई है। बोली के दौरान सबसे महंगी दुकान गार्डन एस्टेट की बिकी है। इसका आरक्षित मूल्य 22 करोड़ 10 लाख रुपये था, जिसे सिंगला एसोसिएट ने 43.82 करोड़ की बोली लगाकर दुकान को अपने नाम करवा लिया। आबकारी निरीक्षक राजेश राठी ने बताया कि शहर में शराब दुकानों की नीलामी की कड़ी में गुरुवार को पूर्वी जोन में 79 जोन की दुकानों की नीलामी की गई। जिसमे 68 जोनों की नीलामी हुई है। अभी 11 जोन बचे है। सेक्टर-32 के संसाधन भवन में (आबकारी एवं कराधान कार्यालय) में हुई। नीलामी में शहर के बड़े-बड़े शराब व्यापारियों ने हिस्सा लिया। शराब की दुकानों की बोली के सिलसिले में सबसे महंगी बोली सिंगला एसोसिएट के नाम रही।

11 जोन की नीलामी अभी बकाया: 68 जोन के ठेकों की नीलामी में विभाग को 860 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। इसके अलावा अभी विभाग के पास 11 जोन को और नीलाम करना है। इन 11 जोन को नीलाम करने के बाद भी विभाग को अच्छे-खासे राजस्व के मिलने की उम्मीद है।

एनसीआर में 208 लोगों को ड्रॉ में मिला घर; खिले चेहरे, चुकानी होगी कम कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) की ओर से कस्बा फरीदनगर में निर्मित मकानों का गुरुवार को ड्रॉ निकाला गया। इस दौरान आशियाना पाने वालों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ड्रॉ के दौरान 208 लोगों के नाम की घोषणा की गई। अंशदान मिलने पर लोगों को मकान की चाबी सौंपी जाएगी।

तहसील परिसर के सभागार में उपजिलाधिकारी संतोष कुमार राय की अध्यक्षता में मकानों का ड्रॉ निकाला गया। तहसील प्रशासन स्तर पर 900 लोगों को चयन किया गया। जबकि मकानों के आवंटन की संख्या 208 थी। ऐसे में ड्रॉ का सहारा लिया गया। ड्रॉ प्रक्रिया के अंतर्गत 900 लोगों के नाम की पर्ची बॉक्स में डाली गई। इसके बाद एक-एक पर्ची को निकालकर विजेता के नाम की घोषणा की गई। उपजिलाधिकारी ने बताया कि ड्रॉ के दौरान 208 लोगों के नाम की घोषणा कर दी गई है।

मकानों की चाबी अंशदान मिलने के बाद दी जाएगी। अंशदान के रूप में सामान्य वर्ग और ओबीसी को 20-20 हजार रुपये और

अनुसूचित जाति को 16 हजार रुपये का डीडी दिया जाएगा। बता दें कि डूडा की तरफ से पिलखुवा- फरीदनगर मार्ग पर 268 मकान बनाए गए थे। इनमें से तैयार 60 मकानों को आवंटन पूर्व में हो चुका है। 208 मकानों का निर्माण अधूरा होने के कारण आवंटन प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी। इनका निर्माण पिछले दिनों पूरा हो गया है। प्रत्येक मकान 28 गज में बना है।

ड्रॉ में 208 लोगों को मिला घर: डूडा की ओर से बनाए गए घरों को गुरुवार को जब ड्रॉ निकाला गया तो इसमें 208 लोगों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। दरअसल ड्रॉ में 208 लोगों का नाम सामने आया था। ड्रॉ में नाम आने के बाद इन लोगों को उनके घरों की चाबियां दी जाएंगी। इस दौरान अलग-अलग कैटेगरी के लोगों को अलग-अलग अंशदान चुकाना पड़ेगा। बता दें कि 28 गज में बने मकान का पिछले दिनों ही निर्माण पूरा हो गया था।

व्लादिमिर पुतिन को हिटलिस्ट में टॉप पर रखने के यूक्रेन के दावे पर बोला रूस- हम जानते हैं अपना रोल

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं अब रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन की ओर से पुतिन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। क्रेमलिन के अधिकारी ने कहा कि पुतिन को कीव के साथ-साथ अपने ही लोगों से मारे जाने का खतरा है। उन्होंने कहा कि रूसी सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी थी कि क्या हो रहा है, जब यूक्रेन के शीर्ष खुफिया अधिकारी ने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन उस सूची में टॉप पर थे, जिनकी लिस्ट हत्या करने के लिए बनाई गई थी.

यूक्रेन चाहता है व्लादिमिर पुतिन की हत्या करना- कीव ने इस हमले के लिए साफ इनकार कर दिया था। वहीं, अब क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन पर अपनों की ही तलवार लटक रही है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के हमले के बारे में रूस की सुरक्षा सेवाओं को पता था कि वे क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूसी सैनिक जानते हैं कि पुतिन की हत्या की साजिश रची जा रही है। यूक्रेन की सैन्य खुफिया सेवा के उपप्रमुख वादिम स्किबिट्स्की ने जर्मनी के डाई वेल्ट अख़बार से एक इंटरव्यू में कहा कि यूक्रेन

व्लादिमिर पुतिन की हत्या करना चाहता था, क्योंकि वही युद्ध की निगरानी करते हैं, और सभी फ़ैसले करते हैं और रूसी राष्ट्रपति को भी जानकारी थी कि वह यूक्रेन की हत्या सूची में सबसे ऊपर हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि लेकिन आखिरकार, सभी को अपनी हरकतों के लिए जवाब देना होगा।

यूक्रेन की हिटलिस्ट में शामिल हैं ये लोग- वादिम स्किबिट्स्की ने डाई वेल्ट से कहा कि पुतिन देख रहे हैं कि हम उनके करीब आते जा रहे हैं, लेकिन उन्हें अपने ही लोगों द्वारा मारे जाने का भी डर है। स्किबिट्स्की ने अन्य रूसी नागरिकों के भी नाम लिए, जो यूक्रेन द्वारा मारे जाने के लिए हिटलिस्ट में हैं। इसमें मर्सिनरी के मुखिया येवगेनी प्रिगोझिन, रूसी रक्षामंत्री सर्गेई शोइगु, जनरल स्टाफ चीफ़ वालेरी गेरासिमोव और सैन्य कमांडर सर्गेई सुरोविकिन, जिन्हें रूसी मीडिया ने जनरल आर्मागेडन नाम दिया है।

यूक्रेन के दावे पर क्रेमिलन बोला- हम अपना काम जानते हैं- स्किबिट्स्की ने यह भी कहा कि कीव अभी तक अपने मनसूबों को अंजाम नहीं दे पाया है क्योंकि पुतिन की सुरक्षा सख्त है और वह बहुत समय तक छिपे रहे थे, लेकिन अब वे सार्वजनिक रूप से अधिक बार दिखाई देने लगे थे। स्किबिट्स्की के बयानों के बाद क्रेमलिन से सवाल किया गया कि व्लादिमिर पुतिन की सुरक्षा को और बढ़ाया जा रहा हैं या नहीं, तो इसके उत्तर में क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि भरोसा कीजिए, हमारी सुरक्षा एजेंसियां अपना काम जानती हैं, और उन्हें पता है, क्या करना है।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से पहले रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन आएंगे भारत, राजनाथ सिंह के साथ करेंगे बैठक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात करने के लिए अगले सप्ताह भारत जाएंगे। यह यात्रा अगले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्हाइट हाउस की आधिकारिक राजकीय यात्रा से पहले होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे ऑस्टिन- पेंटागन ने गुरुवार को रक्षा मंत्री ऑस्टिन की जापान, सिंगापुर, भारत और फ्रांस की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि ऑस्टिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य नेताओं से मिलने के लिए नई दिल्ली का दौरा करेंगे। दोनों देश अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी का आधुनिकीकरण जारी रखे हुए हैं। पेंटागन ने कहा,

यह यात्रा नए रक्षा नवाचार और औद्योगिक सहयोग की पहल में तेजी लाने और अमेरिकी और भारतीय सेनाओं के बीच परिचालन सहयोग का विस्तार करने के लिए चल रहे प्रयासों को चलाने का अवसर प्रदान करती है।

जापान से शुरू होगी ऑस्टिन की यात्रा- ऑस्टिन भारत-प्रशांत क्षेत्र की अपनी सातवीं

आधिकारिक यात्रा के तहत जापान से अपनी यात्रा शुरू करेंगे।

टोक्यो में उनकी जापानी रक्षा मंत्री यासुकासु हमादा और अन्य वरिष्ठ नेताओं समेत जापान में तैनात अमेरिकी सैनिकों से मिलने की योजना है।

पेंटागन ने कहा कि इस साल की शुरुआत में ऐतिहासिक यूएस-जापान 2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने गठबंधन क्षमताओं को आधुनिक बनाने, अमेरिकी सेना की स्थिति को अनुकूलित करने और समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ संबंध बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

जापान से ऑस्टिन सिंगापुर जाएंगे, जहां वह इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के 20वें शांगरी-ला डायलॉग में पूर्ण भाषण देंगे।

वार्ता के इतर, ऑस्टिन प्रमुख नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे, ताकि पूरे क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सके, जो आसियान केंद्रीयता पर आधारित एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक के साझा दृष्टिकोण के समर्थन में हो।

सिंगापुर के बाद भारत आएंगे ऑस्टिन- सिंगापुर के बाद ऑस्टिन भारत का दौरा करेंगे और फिर डी-डे की 79 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए फ्रांस जाएंगे। यह वे फ्रेंच और यूनाइटेड किंगडम के रक्षा नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे।

पाकिस्तान में अघोषित मार्शल लॉ! इमरान, बुशरा समेत 80 के देश से बाहर जाने पर रोक, 400 के फोन कॉल रिकॉर्ड

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि देश में अघोषित रूप से मार्शल ला लगा दिया गया है और सभी सरकारी कार्य सेना के निर्देशानुसार हो रहे हैं। पाकिस्तान में मार्शल ला वाले हालात इसलिए पैदा हो गए हैं क्योंकि सरकार ने राजधानी इस्लामाबाद और तीन प्रांतों में अनुच्छेद 245 लागू कर दिया है।

संकट काल में नागरिक प्रशासन की मदद के लिए सेना की तैनाती- पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत संकट काल में नागरिक प्रशासन की मदद के लिए सेना की तैनाती होती है। नौ मई को इस्लामाबाद में इमरान की गिरफ्तारी के बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों से निपटने के लिए सरकार ने तीन प्रांतों- पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और राजधानी इस्लामाबाद में सेना की तैनाती की थी।

क्या कहा गया याचिका में?- इमरान खान ने इसे अघोषित मार्शल ला कहा है। याचिका में कहा गया है कि सैन्य कानून 1952 के तहत नागरिकों की गिरफ्तारी, जांच और उन पर मुकदमा चलाना गैरकानूनी है। आम नागरिकों पर सेना की अदालत में मुकदमा चलना असंवैधानिक, देश में कानून के राज और न्यायपालिका के स्वतंत्रता के खिलाफ है। सेना और पुलिस कानून का उल्लंघन करते हुए उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के कार्यकर्ताओं और नेताओं को झूठे मामलों में गिरफ्तार कर रही है।

पार्टी के कार्यालयों में छापे मारे जा रहे हैं और उन्हें बंद कराया जा रहा है। ये सारे कदम असंवैधानिक हैं। इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट से मामले में दखल देने और नौ मई की हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित करने की मांग की है। याचिका में प्रधानमंत्री शहबाज

शरीफ, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के प्रमुख नवाज शरीफ, उनकी बेटी मरयम नवाज, पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता मौलाना फजलुर रहमान को प्रतिवादी बनाया गया है।

हाईकोर्ट ने एजाज की गिरफ्तारी को भी अवैध बताया- इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पीटीआइ के नेता एजाज चौधरी की गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए उनकी रिहाई का आदेश दिया है। पुलिस ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के आरोप और शांति भंग होने के अंदेशे में उन्हें गिरफ्तार किया था। इससे पहले बुधवार को हाईकोर्ट ने पीटीआइ के महासचिव असद उमर की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था। रिहाई के बाद उमर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

शहबाज का रेडियो पाकिस्तान की जली इमारत को देखा- प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को पेशावर में रेडियो पाकिस्तान की जली हुई इमारत को देखा और उसकी मरम्मत के लिए जल्द कार्य शुरू करवाने का निर्देश दिया। रेडियो पाकिस्तान की यह ऐतिहासिक इमारत नौ मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच जला दी गई थी।

इमरान, बुशरा समेत 80 के देश से बाहर जाने पर रोक- पाकिस्तान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी समेत 80 लोगों के देश से बाहर जाने पर रोक लगा दी है। इन लोगों के नाम नो फ्लाई लिस्ट में डालकर देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को सूचित कर दिया गया है। यह जानकारी पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट में आई है। इस बीच पंजाब प्रांत के पुलिस महानिरीक्षक डा. उस्मान अनवर ने कहा है कि सैन्य ठिकानों पर हमलों के षडयंत्र में इमरान खान और उनकी पार्टी के नेता शामिल थे। यह बात 400 से ज्यादा फोन काल रिकार्ड से पता चली है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555